- राजग की सरकार बनने पर बनेगा रक्षा गलियारा, बाढ़ नियंत्रण आयोग का होगा गठन-12

- वर्ष- 2030 तक 300 अरब डॉलर की हो सकती है भारत की जैव-अर्थव्यवस्था-12

- ट्रंप ने परमाणु परीक्षण फिर से शुरू करने के फैसले को सही ठहराया-13

- गलतियों को नहीं दोहराने का सबक लेकर वापसी की : हरमनप्रीत-14

आज का मौसम

30.0° अधिकतम तापमान

18.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.25

सूर्यास्त 05.25

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

कार्तिक शुक्ल पक्ष चतुर्दशी 10:36 उपरांत पूर्णिमा विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 4 नवंबर 2025, वर्ष 6, अंक 345, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

शराबी ड्राइवर ने 17 वाहन रौंदे, 14 की मौत

जयपुर में कार को टक्कर मारने के बाद हुई कहासुनी तो चालक ने 100 की रफ्तार से दौड़ाया डंपर

जयपुर, एजेंसी

जयपुर के हरमाड़ा इलाके में सोमवार दोपहर एक तेज रफ्तार डंपर ड्राइवर ने तबाही मचा दी। डंपर ने अपने सामने आए 17 वाहनों को टक्कर मारी जिसमें 14 लोगों की मौत हो गई व 10 घायल हो गए। जयपुर के जिला कलेक्टर जितेंद्र कुमार सोनी ने बताया कि यह डंपर रोड नंबर 14 से लोहा मंडी पेट्रोल पंप की ओर तेज गति से जा रहा था और रास्ते में आने वाले वाहनों को टक्कर मारता चला गया। सोनी ने बताया कि घायलों का एसएमएस अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में इलाज किया जा रहा है और कई की हालत गंभीर है।

पुलिस के अनुसार, यह भीषण टक्कर लोहा मंडी के पास हुई जब कथित तौर पर शराब के नशे में धुत डंपर चालक ने कम से कम 17 वाहनों को टक्कर मारी और फिर एक अन्य ट्रेलर से टकराकर रुक गया। हादसा इतना भयावह था कि डंपर की चपेट में आने वाले लोगों के शव सड़क पर इधर-उधर पड़े थे। कई मोटरसाइकिल डंपर के पहियों के नीचे आकर कुचल गईं। अनेक कारें भी चकनाचूर हुईं। प्रत्यक्षदर्शियों ने इस दृश्य को

जयपुर में डंपर के नीचे दबी कार।

- प्रत्यक्षदर्शी बोले- नरसंहार हुआ रास्ते में आने वाले वाहनों को मारता चला गया टक्कर
- प्रधानमंत्री ने सड़क दुर्घटना में हुई मौतों पर दुख व्यक्त किया अनुग्रह राशि की घोषणा की

''नरसंहार'' से कम नहीं बताया। स्थानीय दुकानदार महेश शर्मा ने कहा, हमने लोगों को क्षतिग्रस्त कारों से एक के बाद एक शव निकालते देखा। कुछ अंदर फंसे हुए थे, कुछ सड़क पर पड़े थे। चारों ओर अफरा-तफरी, चीख-पुकार और खून ही खून था। घटनास्थल पर मौजूद अतिरिक्त पुलिस आयुक्त राजीव पचार ने बताया कि डंपर चालक लापरवाही से गाड़ी चला रहा था और उसने एक कार को टक्कर मार दी, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने उसका पीछा किया। उनके मुताबिक, उसने डंपर को और तेज रफ्तार से चलाया और सड़क पर पैदल चल रहे लोगों और बाइक सवारों को टक्कर मार दी। इसके बाद, दिल्ली-अजमेर राजमार्ग पर एक ट्रेलर ट्रक और एक कार से टकराने के बाद वह रुक गया। सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में डंपर को 100 किमी प्रति घंटे से ज्यादा की रफ्तार से दौड़ते हुए वाहनों को टक्कर मारते और मोटरसाइकिल सवारों को कुचलते हुए देखा जा सकता है। लोगों ने चालक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया।

पीड़ितों में आगरा के परिवार के कई सदस्य

जानकारी के मुताबिक पीड़ितों में आगरा के एक परिवार के सदस्य शामिल हैं जिसमें - नानजी भाई, उनके भाई, दो महिलाएं और एक बच्चा शामिल हैं, जो खाटूश्यामजी से पूजा-अर्चना करके लौट रहे थे। नानजी भाई ने कहा, हमारी कार सड़क किनारे खड़ी थी तभी डंपर ने उसे पीछे से टक्कर मार दी। परिवार के पांच लोग घायल हो गए हैं। मृतक महेंद्र (38) के रिश्तेदार राकेश ने बताया कि उनके बड़े भाई की दो बेटियां वर्षा (19) और भानु (5) अपने चाचा के साथ दिवाली मनाने जयपुर आई थीं और छुट्टियों के बाद महेंद्र दोनों बच्चियों को बस स्टैंड पर बस में चढ़ाने गया था, तभी यह हादसा हुआ। उन्होंने बताया कि वर्षा ट्रॉमा सेंटर में भर्ती है जबकि महेंद्र और भानु की मौत हो गई है। इस दुर्घटना के बाद इलाके के लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया और निवासियों ने सड़क सुरक्षा कानूनों को सख्ती से लागू करने की मांग की। राजस्थान में दो दिन में यह दूसरी बड़ी सड़क दुर्घटना है। रविवार को टेम्पो ट्रैवलर के खड़े ट्रेलर से टकरा जाने से 15 लोगों की मौत हो गई थी।

तेलंगाना में बस-ट्रक के बीच टक्कर, 19 की गई जान

हैदराबाद। तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले में बजरी से लदे एक ट्रक और एक बस की सोमवार को आमने-सामने की टक्कर होने से 13 महिलाओं एवं एक बच्ची समेत कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई और 22 अन्य लोग घायल हो गए। ट्रक हैदराबाद से करीब 50 किलोमीटर दूर चेवेल्ला के पास तेलंगाना सड़क परिवहन निगम (आरटीसी) की बस से टकरा गया जिसके बाद बजरी बस पर गिर गई। बस कंडक्टर के अनुसार, दुर्घटना के समय बस में 72 यात्री सवार थे। साइबराबाद पुलिस आयुक्त अविनाश मोहंती ने बताया कि दुर्घटना में दोनों वाहनों के चालकों की मौत हो गई। उन्होंने कहा कि आमने-सामने की टक्कर तब होती है जब कोई वाहन गलत दिशा में होता है। उन्होंने कहा कि दुर्घटना का कारण जांच के बाद पता चलेगा। बस पर बजरी गिरने से कई यात्री वाहन के अंदर फंस गए और अधिकारियों ने मशीनों की मदद से बचाव एवं राहत अभियान चलाया। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि बस में सवार यात्रियों को वाहन से बाहर निकाल लिया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस दुर्घटना में लोगों की मौत होने पर शोक व्यक्त किया और मृतकों के परिजन को दो-दो लाख रुपये एवं घायलों को 50-50 हजार रुपए की अनुग्रह राशि दिए जाने की घोषणा की। तेलंगाना के परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने चेवेल्ला स्थित उस सरकारी अस्पताल का दौरा किया, जहां दुर्घटना के पीड़ितों को भर्ती कराया गया है। उन्होंने कहा, दुर्घटना में 19 लोग मारे गए हैं। प्रभाकर ने बताया कि राज्य सरकार मृतकों के परिजन को पांच-पांच लाख रुपये और घायलों को दो-दो लाख रुपये की सहायता राशि देगी। उन्होंने बताया कि टीजीएसआरटीसी की ओर से मृतकों के परिजन को दो-दो लाख रुपये की सहायता राशि भी दी जाएगी।

- दुर्घटना के समय बस में 72 यात्री सवार थे, हादसे में 22 घायल

डिजिटल अरेस्ट मामलों में 3000 करोड़ से अधिक उगाही पर सख्ती से निपटेंगे

एजेंसी, नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने देश में 'डिजिटल अरेस्ट' से जुड़े मामलों में भारी वृद्धि पर सोमवार को आश्चर्य जताया और कहा कि इनसे सख्ती से निपटे जाने की जरूरत है। 'डिजिटल अरेस्ट' तेजी से बढ़ता साइबर अपराध है, जिसमें जालसाज ऑडियो या वीडियो कॉल पर खुद को कानून प्रवर्तन एजेंसियों, अदालत या सरकारी विभागों के कर्मचारी के रूप में पेश कर पीड़ितों को डराते-धमकाते हैं और उन पर रुपये देने का दबाव बनाते हैं। देश में 'डिजिटल अरेस्ट' से जुड़े मामलों में वरिष्ठ नागरिकों सहित पीड़ितों से अब तक 3,000 करोड़ रुपये से अधिक की उगाही किए जाने का अनुमान है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने मामले में न्यायालय की मदद के लिए एक न्यायमित्र नियुक्त किया और गृह मंत्रालय व सीबीआई की ओर से सीलबंद लिफाफों में पेश दो रिपोर्ट का अवलोकन किया। पीठ ने कहा, 'यह चौंकाने वाली बात है कि देशभर में वरिष्ठ नागरिकों सहित पीड़ितों से

- शीर्ष कोर्ट ने देश में ऐसे मामलों में भारी वृद्धि पर जताया आश्चर्य
- सरकार ने कहा- गृह मंत्रालय इससे निपटने को कर रहा कार्य

3,000 करोड़ रुपये से अधिक की उगाही की जा चुकी है। अगर हम कड़े और कठोर आदेश पारित नहीं करते हैं, तो यह समस्या और बढ़ जाएगी।'

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि सीबीआई ने बताया है कि अपराध सिंडिकेट का संचालन विदेश से किया जा रहा है, जहां उनके वित्तीय, तकनीकी और मानव श्रम आधार वाले 'व्यापक घोटाला नेटवर्क' हैं। केंद्र और सीबीआई की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि गृह मंत्रालय का साइबर अपराध प्रभाग इन मुद्दों से निपट रहा है। कोर्ट ने कहा कि 'हमें न्यायिक आदेशों से एजेंसियों के हाथ मजबूत करने होंगे। अगली सुनवाई 10 नवंबर तय की है।

न्यूज ब्रीफ

मोदी और योगी पर आपत्तिजनक पोस्ट करने पर मुकदमा दर्ज

भदोही (उप्र)। भदोही जिले में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की फोटो लगाकर सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट डालने को लेकर एक युवक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस सूत्रों ने सोमवार को बताया की सुरयावा थाना क्षेत्र के चकजीत राय गांव के चौकीदार जयपाल गौतम की तहरीर पर इसी थाना क्षेत्र के हरिपुर गांव के निवासी आकाश यादव नाम के युवक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और आईटी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत रविवार शाम को मामला दर्ज करने के बाद उसकी तलाश की जा रही है।

जाली नोटों के अंतर्राज्यीय गिरोह का पर्दाफाश

मंदसौर। मध्यप्रदेश पुलिस ने नकली नोट छापने और उसे बाजार में खपाने वाले एक अंतर्राज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए पंजाब के पटियाला से एक आरोपी को गिरफ्तार किया है और उसके पास से कथित तौर पर 3.66 लाख रुपये मूल्य के जाली नोट बरामद किए। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि वह जिस गिरोह का हिस्सा था, वो मध्यप्रदेश के अलावा राजस्थान, हरियाणा और पंजाब में नकली नोटों की आपूर्ति करता है। पुलिस अधीक्षक (एसपी) विनोद कुमार मीना ने पत्रकारों को बताया कि पुलिस ने नकली नोट बनाने वाले इस गिरोह के मुख्य सरगना गुरिंदरजीत सिंह को पंजाब के पटियाला से गिरफ्तार किया है।

राहुल, अखिलेश और तेजस्वी पर किए तीखे हमले

पप्पू, टप्पू और अप्पू के भरोसे नहीं बिहार: योगी

राज्य ब्यूरो, मुजफ्फरपुर

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के भाषणों ने सोमवार को बिहार का राजनीतिक तापमान चढ़ा दिया। उन्होंने महागठबंधन के तीन बड़े नेताओं कांग्रेस के राहुल गांधी, सपा के अखिलेश यादव और राजद के तेजस्वी यादव का नाम लेते हुए तंज कसा। कहा कि गांधीजी के तीन बंदर थे, बुरा मत देखो, बुरा मत सुनो, बुरा मत बोलो, लेकिन 'इंडी गठबंधन' के तीन बंदर हैं पप्पू, टप्पू और अप्पू। एक सच देख नहीं सकता, एक सच सुन नहीं सकता और एक सच बोल नहीं सकता। इसलिए इन्हें मोदी जी का विकास नहीं दिखता, गरीबों का कल्याण नहीं दिखता, विरासत का सम्मान नहीं दिखता।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को बिहार में एनडीए प्रत्याशियों के समर्थन में केवटी, मुजफ्फरपुर, गरखा और दीघा विधानसभा क्षेत्रों में चार जनसभाओं को संबोधित किया। योगी के भाषणों में विकास, आस्था और राष्ट्रवाद का संगम दिखा। बोले कि, अब बिहार में माफिया नहीं, बुलडोजर का राज चलेगा।

उन्होंने महागठबंधन पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि कांग्रेस और राजद ने बिहार को जातीय हिंसा, माफियातंत्र और भ्रष्टाचार की आग में झोंक दिया था। योगी ने कहा कि कांग्रेस और राजद ने न केवल बिहार की पहचान को कलंकित किया बल्कि मां जानकी और भगवान श्रीराम के अस्तित्व तक को नकार कर

दीघा विधानसभा क्षेत्र में संबोधित करते मुख्यमंत्री योगी।

- कहा, एक सच देख नहीं सकता, एक सच सुन नहीं सकता और एक सच बोल नहीं सकता
- मुख्यमंत्री ने कहा- बिहार में माफिया नहीं बुलडोजर का राज चलेगा

बिहार-उत्तर प्रदेश का रोटी-बेटी का रिश्ता

योगी ने कहा कि बिहार और उत्तर प्रदेश का रिश्ता त्रेता युग से रोटी-बेटी का है। उन्होंने कहा कि जब यूपी प्रगति करता है, तो बिहार भी आगे बढ़ता है। आज डबल इंजन सरकार से ही बिहार में रामराज्य जैसा विकास संभव है।

हिंदू आस्था का अपमान किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कहती है भगवान राम थे ही नहीं। आरजेडी ने रामभक्तों पर लाठीचार्ज कराया, सपा ने गोलियां चलवाईं। लेकिन हमने कहा था कि रामलला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे', और आज भव्य राम मंदिर बन चुका है।

भारत तकनीक से बदलाव लाने का लीडर : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

इमर्जिंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी इनोवेशन कॉन्क्लेव में हुए शामिल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अनुसंधान और विकास में निजी क्षेत्र के निवेश को बढ़ावा देने के लिए एक लाख करोड़ रुपये के कोष की सोमवार को शुरुआत करते हुए घोषणा की कि उनकी सरकार अब उच्च जोखिम एवं उच्च प्रभाव वाली परियोजनाओं का समर्थन कर रही है, क्योंकि भारत का लक्ष्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र में महाशक्ति के रूप में उभरना है।

नीति निर्माताओं, नवप्रवर्तकों और वैश्विक दूरदृष्टि वाले लोगों के वार्षिक प्रमुख आयोजन के तहत पहले 'उभरते विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार सम्मेलन (ईएसटीआईसी) का उद्घाटन करते हुए

- प्रधानमंत्री बोले- उच्च जोखिम, उच्च प्रभाव वाली अनुसंधान व विकास परियोजनाओं का समर्थन कर रहा है भारत
- एक लाख करोड़ की स्कीम लॉन्च की, कहा- हमारे पास सबसे सफल डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उनकी सरकार ने देश में नवाचार के आधुनिक परिवेशी तंत्र के विकास के लिए महत्वपूर्ण सुधार पेश किए हैं। कहा कि विश्व वैश्विक व्यवस्था में एक नए बदलाव का गवाह बन रहा है और परिवर्तन की गति बहुत तीव्र है। प्रधानमंत्री ने सम्मेलन में इस क्षेत्र में निजी क्षेत्र के निवेश को बढ़ावा देने के लिए एक लाख करोड़ रुपये के अनुसंधान, विकास और नवाचार कोष की घोषणा की। उन्होंने कहा, इस महत्वपूर्ण निवेश का उद्देश्य जनता को लाभ पहुंचाना और अवसरों के नए रास्ते खोलना है। हमारा लक्ष्य निजी क्षेत्र में भी अनुसंधान और विकास की संस्कृति को बढ़ावा देना है।

शोध कार्य में सुगमता पर ध्यान केंद्रित कर रही

मोदी ने कहा कि सरकार शोध कार्य में सुगमता पर ध्यान केंद्रित कर रही है, ताकि भारत में नवाचार का एक आधुनिक परिवेशी तंत्र विकसित हो सके। उन्होंने कहा, इस दृष्टि को प्राप्त करने के लिए हमारी सरकार ने वित्तीय विनियमों और खरीद नीतियों में महत्वपूर्ण सुधार किए हैं। इसके अतिरिक्त, हमने 'प्रोटोटाइप' को प्रयोगशाला से बाजार तक पहुंचाने की प्रक्रिया को तेज करने के लिए प्रोत्साहनों और आपूर्ति श्रृंखला ढांचे को सुव्यवस्थित किया है। मोदी ने वैज्ञानिकों से खाद्य सुरक्षा से आगे बढ़कर पोषण सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया।

ईडी ने अनिल अंबानी की 7500 करोड़ रुपये की संपत्ति की कुर्क

नई दिल्ली, एजेंसी

ईडी ने रिलायंस समूह के चेयरमैन अनिल अंबानी की कंपनियों के खिलाफ धनशोधन जांच के तहत 7,500 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति कुर्क की है। संघीय जांच एजेंसी ने धनशोधन निवारण अधिनियम के तहत 42 संपत्तियों को कुर्क करने के लिए चार अनंतिम आदेश जारी किए थे।

इन संपत्तियों में अंबानी (66) के परिवार का मुंबई के पाली हिल स्थित घर और उनके समूह की कंपनियों की अन्य आवासीय एवं वाणिज्यिक संपत्तियां शामिल हैं। दिल्ली में महाराजा रणजीत सिंह मार्ग पर रिलायंस सेंटर के एक भूखंड के

- पाली हिल वाला घर के अलावा कंपनियों की अन्य आवासीय एवं वाणिज्यिक संपत्तियां शामिल

अलावा, आरआईएल की अन्य संपत्तियां, आधार प्रॉपर्टी कंसल्टेंसी प्राइवेट लिमिटेड, मोहनबीर हाई-टेक बिल्ड प्राइवेट लिमिटेड, गेम्स इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड, विहान43 रियल्टी प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में कुंजबिहारी डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड के नाम से जानी जाती थी) और कैंपियन प्रॉपर्टीज की संपत्तियां कुर्क की गई हैं।

26/11 मामले के मास्टर मांइड पर 7 साल बाद फिर चलेगा मुकदमा

एजेंसी, मुंबई

मुंबई आतंकी हमला

- जंदल को कागजात मुहैया कराने के खिलाफ याचिका मंजूर

26 नवंबर 2008 के आतंकी हमलों के कथित 'मास्टर माइंड' अबू जंदल के खिलाफ रुकी हुई सुनवाई 7 साल बाद फिर शुरू होगी। बंबई उच्च न्यायालय ने निचली अदालत के उस आदेश को सोमवार को रद्द कर दिया, जिसमें अधिकारियों को गोपनीय दस्तावेज आरोपी को सौंपने का निर्देश दिया गया था।

न्यायमूर्ति आरएन लड्ढा की पीठ ने दिल्ली पुलिस, नागर विमानन मंत्रालय और विदेश मंत्रालय की ओर से दायर याचिका को अनुमति दे दी, जिसमें जंदल को गोपनीय दस्तावेज सौंपने के निर्देश संबंधी निचली अदालत के 2018 के आदेश को चुनौती दी गई थी।

सपा विधायक व पूर्व मंत्री पर चलेगा मुकदमा

कार्यालय संवाददाता,संभल

स्वामी प्रसाद

इकबाल महमूद

- कांवड़ियों पर आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में संभल की एमपी-एमएलए कोर्ट ने दर्ज किया परिवाद

अमृत विचार : सावन माह में कांवड़ यात्रा और कांवड़ियों को लेकर दिए गए विवादित बयानों के मामले में संभल के सपा विधायक इकबाल महमूद व पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य पर मुकदमा चलेगा। संभल की एमपी-एमएलए कोर्ट ने दोनों पर भारतीय न्याय सुरक्षा संहिता की धारा 223 के अंतर्गत परिवाद दर्ज किया है।

हिंदू रक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष सिमरन गुप्ता ने बताया कि 21 जुलाई को विधायक इकबाल बयान दिया था कि कांवड़ यात्रा में शिवभक्त कम गुंडे-मवाली ज्यादा होते हैं। स्वामी प्रसाद मौर्य ने भी कांवड़ यात्रा को लेकर इसी तरह की टिप्पणी की थी। इन बयानों को लेकर पुलिस में शिकायत दर्ज कराने का प्रयास किया लेकिन रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई। इसके बाद चंदौसी कोर्ट में सीधे वाद दायर किया गया। अब परिवाद के रूप में स्वीकार कर लिया।

कवायद

51 करोड़ वोटर्स का किया जाएगा सत्यापन, बिहार के बाद विशेष गहन पुनरीक्षण का यह दूसरा चरण

यूपी समेत 9 राज्यों, 3 केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर आज से

नई दिल्ली, एजेंसी

निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूचियों को अद्यतन करने की कवायद 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (एसआईआर) मंगलवार को नौ राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में शुरू होगी। इन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर प्रक्रिया सात फरवरी 2026 को अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन के साथ समाप्त होगी।

इन राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में 51 करोड़ मतदाता हैं। बिहार के बाद एसआईआर का यह दूसरा चरण है। बिहार में अंतिम मतदाता सूची 30 सितंबर को प्रकाशित

की गई थी। बिहार में करीब 7.42 करोड़ नामों को मतदाता सूची में शामिल किया गया था। दूसरे चरण में, जिन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर की कवायद होगी, उनमें अंडमान निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, मध्यप्रदेश, पुडुचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल शामिल हैं। इनमें से तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल और पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। असम में भी 2026 में चुनाव होने हैं, लेकिन वहां मतदाता सूची के पुनरीक्षण की घोषणा अलग से की जाएगी, क्योंकि राज्य में नागरिकता सत्यापित करने के लिए उच्चतम न्यायालय की निगरानी में प्रक्रिया चल रही है। साथ ही नागरिकता कानून का एक अलग प्रावधान असम में लागू होता है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने 27 अक्टूबर को एसआईआर के नये चरण की घोषणा करते हुए कहा था, नागरिकता अधिनियम के तहत, असम में नागरिकता के लिए अलग प्रावधान हैं। उच्चतम न्यायालय की निगरानी में नागरिकता की जांच का काम पूरा होने वाला है। 24 जून का एसआईआर आदेश पूरे देश के लिए था। ऐसी परिस्थितियों में, यह असम पर लागू नहीं होता। एसआईआर की प्रक्रिया 4 नवंबर को शुरू होगी और चार दिसंबर तक जारी रहेगी। निर्वाचन आयोग नौ दिसंबर को मतदाता सूची का मसौदा जारी करेगा और अंतिम मतदाता सूची सात फरवरी को प्रकाशित की जाएगी। इससे पहले 2002-04 में एसआईआर किया गया था। आयोग का मानना है कि एसआईआर से यह सुनिश्चित होगा कि कोई भी पात्र मतदाता छूट न जाए और किसी भी अपात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची में नहीं रहे।

अवैध विदेशी प्रवासियों को सूची से बाहर निकालना प्राथमिकता

एसआईआर का प्राथमिक उद्देश्य अवैध विदेशी प्रवासियों के जन्म स्थान की जांच करके उन्हें सूची से बाहर निकालना है। बांग्लादेश और म्यांमा सहित अवैध प्रवासियों के खिलाफ विभिन्न राज्यों में कार्रवाई के मद्देनजर यह कदम महत्वपूर्ण है। जून में बिहार में एसआईआर शुरू किया गया था, तो कई राजनीतिक दलों ने दावा किया था कि दस्तावेजों के अभाव में करोड़ों पात्र नागरिक मताधिकार से वंचित हो जाएंगे। जब मामला उच्चतम न्यायालय पहुंचा, तो आयोग ने मतदाता सूची को अद्यतन करने के अपने फैसले का बचाव किया और आश्वासन दिया कि भारत का कोई भी पात्र नागरिक नहीं छूटेगा। अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित होने के बाद, एसआईआर और आयोग पर विपक्ष का हमला शांत हो गया है।

अमृत विचार

बरेली, मंगलवार, 4 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

अनुष्का पटेल ने पास की सीए फाउंडेशन परीक्षा

पीलीभीत, अमृत विचार : शहर की राम वाटिका कॉलोनी निवासी अनुष्का पटेल ने चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) की फाउंडेशन परीक्षा उत्तीर्ण की है। अनुष्का शहर के लिटिल एंजेल्स स्कूल की छात्रा रही हैं। उन्होंने 2023 में हाईस्कूल और 2025 में इंटरमीडिएट की परीक्षा उत्तीर्ण की। अनुष्का के पिता राकेश पटेल समग्र शिक्षा अभियान में जिला समन्वयक के पद पर कार्यरत हैं। अनुष्का ने इंटरमीडिएट के बाद सीए बनने की इच्छा जताई। पिता ने बरेली के कोचिंग सेंटर से तैयारी कराई।

विवाहिता को बच्चे समेत घर से निकाला

बीसलपुर, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के ग्राम अहिरपुर नगला निवासी मंटू उर्फ धर्मवीर की पत्नी खुशी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया उसकी शादी करीब डेढ़ साल पहले हुई थी। दहेज में दी गई बाइक पति ने बेच दी। आए दिन मारपीट की जाती है। अतिरिक्त दहेज की मांग पूरी न होने पर 21 अक्टूबर की रात मारपीट कर छह माह के बच्चे के साथ घर से निकाल दिया। पुलिस ने पति मंटू उर्फ धर्मवीर, देवर कमलेश, ननद चांदनी, माधुरी और अंशिका के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

महिला रहस्यमय ढंग से लापता

बरखेड़ा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव पुन्नापुर करीब गाजीपुर कुंडा के निवासी लाखन सिंह ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह एक दशक से अधिक समय से अपने परिवार के साथ हरियाणा में रह रहा है। भैया दूज पर पत्नी रूपवती घर चली आई। इसके बाद वह 31 अक्टूबर को सुबह क7 बजे घर से हरियाणा वापस जाने को निकली, लेकिन रास्ते में ही लापता हो गई। जिसका मैसेज उसके मोबाइल नंबर पर आया है। वरिष्ठ उप निरीक्षक महेंद्र सिंह ने बताया कि मामले में कानूनी कार्रवाई कराई जा रही है।

किशोरी को बहकाकर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज

बरखेड़ा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के एक ग्रामीण ने पुलिस को तहरीर देकर बताया उसकी नाबालिग पुत्री को गांव बिलगवां निवासी दुर्गेश उर्फ बाबू प्रेम जाल में फंसाकर ले गया। दिल्ली में नौकरी लगवाने का झांसा दिया। किशोरी घर में रखे रुपये व पहने हुए गहने भी साथ ले गई। उसके परिजन ने भी मदद की। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

नगर पालिका का 1.86 करोड़ से अधिक टैक्स दबाए बैठे हैं 10 सरकारी विभाग

सालों से जमा नहीं कर रहे थे टैक्स, अब रिवाइज कराकर जमा करने के निर्देश

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: नगर पालिका व्यापारियों और आवासीय लोगों से कर वसूलने के लिए सख्ती कर रही है। जबकि सरकारी विभागों पर कोई जोर नहीं चल पा रहा। अधिकांश सरकारी कार्यालय की ओर से टैक्स जमा नहीं किया जा रहा है। 131 सरकारी विभागों पर करीब तीन करोड़ 76 लाख 27 हजार 649 रुपये का टैक्स बकाया है। इनमें 10 ऐसे बड़े बकायेदार भी जिन पर 1.86 करोड़ से अधिक का टैक्स है। जिन्होंने वर्षों से टैक्स जमा करने की रुचि नहीं ली है। पालिका की ओर से कई बार नोटिस और बिल भेज गए। लेकिन जिम्मेदारों ने टैक्स अदा नहीं किया। इसे लेकर अब नगरपालिका ने सरकारी कार्यालयों से वसूली की रणनीति बना रही है। फिलहाल स्थिति यह है कि सरकारी कार्यालयों से टैक्स वसूलने के लिए कोई टीम काम नहीं कर रही है।

शहर के चारों ओर लगभग पांच किमी का एरिया है। इसमें करीब 26 हजार 500 आवासीय मकान हैं। इसके अलावा शहर के भीतर अस्पताल, होटल, रेस्टोरेंट मिलाकर करीब 950 कमर्शियल संपत्ति है। नगर पालिका इनको को मूलभूत सुविधाएं देने के बदले गृहकर और जलकर टैक्स वसूलती है। टैक्स वसूलने के लिए टीम बनी हुई, लेकिन इसके बाद भी शहर के तिहाई हिस्से से टैक्स की वसूली नहीं हो पा रही थी। जिसके चलते कई सालों से टैक्स डूबा चल रहा। इनमें आमजन मानस के साथ सरकारी विभाग भी शामिल है। जिन्होंने अपना पालिका में गृहकर और जलकर जमा नहीं किया है। शहर में कुल 131 सरकारी भवन संचालित हो रहे हैं। उन्होंने दशकों से नगर पालिका का टैक्स नहीं दिया है। न ही कई विभागों का टैक्स निर्धारण हो सका है। इस वजह से नगर पालिका का बोर्ड फंड प्रगति नहीं पकड़ पा रहा है। वह अपने कर्मचारियों का भुगतान हो या फिर आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का वेतन समय पर नहीं दे पा रही है। स्थिति यह है कि इन 130 सरकारी विभागों पर करीब तीन करोड़ 76 लाख 27 हजार 649 रुपये की बकायेदारी चल रही है। इनमें कुछ विभाग है जो टैक्स अदा कर रहे है। बाकी भूलकर बैठे हुए हैं।

बीते दिनों टैक्स विभाग ने तेजी दिखाते हुए अभियान चलाया था। जिसके बाद कई बड़े बकायेदारों ने टैक्स भी अदा किया था। मगर एक बार फिर से पालिका के जिम्मेदार ही टैक्स वसूलने में कोई रुचि नहीं ले रहे हैं। मगर डूब टैक्स को सरकारी विभागों से वसूलने के लिए नगरपालिका की ओर से कर्जदारों की टॉप टेन सूची बनाई गई है। जिन पर एक करोड़ 86 लाख 77 हजार 240 रुपये की बकायेदारी चल रही है। इनमें सर्वाधिक टैक्स तहसीलदार सदर पर है। जिन पर 55 लाख 33 हजार 275 रुपये का टैक्स बना हुआ है। इसी तरह ड्रमंड राजकीय इंटर कॉलेज पर भी 25 लाख 62 हजार छह रुपये का टैक्स जुड़ा चल रहा है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है इन विभागों ने दशकों से टैक्स जमा नहीं किया है। पालिका की ओर से इन विभागों को नोटिस भेजने के साथ बिल भी दिए जा रहे हैं। साथ ही टीमें लगाकर वसूली करने की बात कही जा रही है। मगर हकीकत में टैक्स में कर्मचारी न होने के कारण सरकारी कार्यालयों से वसूली नहीं हो पा रही है। यहीं हाल आवासीय और कमर्शियल में बना हुआ है। जिम्मेदारों की उदासीनता के चलते टैक्स बढ़ोत्तरी नहीं कर पा रहा है। इतना ही नहीं अभी तक पालिका में वर्ष 2007 के सर्वे के आधार पर टैक्स वसूली हो रही है। अगर सर्वे हो जाए। तो काफी स्थिति में बदलाव देखने को मिलेगा।

नगर पालिका कार्यालय। ● अमृत विचार

- बीते साल बरती सख्ती, अब खुद पालिका भी बेपरवाह, कैसे हो वसूली

यह बड़े सरकारी बकायेदार

तहसील सदर पीलीभीत	5533275
ड्रमंड कॉलेज	2562006
बिजली विभाग	2150938
अवंतीबाई कॉलेज	1650058
डीआईओएस कार्यालय	1302466
पीडब्ल्यूडी स्थायी खंड	1239470
जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी	1177772
राम इंटर कॉलेज	1110126
उपाधि महाविद्यालय	981152
जीजीआईसी कॉलेज	969979

सरकारी कार्यालयों पर बकायेदारी चल रही है। सभी को बिल के साथ नोटिस भी दिए गए हैं। कुछ कार्यालय से टैक्स जमा भी हुआ है। अब बड़े बकायेदारों की सूची बनाकर वसूली की जाएगी। सभी एक बार फिर से पत्राचार किया जाएगा। कर्मचारियों को बिल पहुंचाने के लिए कहा गया है। -**संजीव कुमार** ईओ नगर पालिका

सद्भावना यात्रा से छात्रों ने दिया एकजुट होने का संदेश

पदयात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना कराते विधायक बीसलपुर विवेक वर्मा।

संवाददाता, बीसलपुर

- प्रदर्शन कर एसडीएम को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सौंपा ज्ञापन
- एसडीएम ने उचित कार्रवाई कराने का आश्वासन दिया

अमृत विचार : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में चल रहे सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती पखवाड़े के तहत सद्भावना एकता पदयात्रा निकाली गई। जिसमें एकता का संदेश दिया गया। यातायात नियमों की जानकारियां भी दी गई। विभिन्न प्रतियोगिताएं भी हुई।

मुख्य अतिथि विधायक विवेक वर्मा ने झंडी दिखाकर सदभावना एकता पदयात्रा को रवाना कराया। यात्रा महाविद्यालय गेट से शुरू होकर विभिन्न मार्गो से होती हुई पुनः महाविद्यालय में आकर संपन्न हुई। प्राचार्या डॉ.अलका मेहरा ने विद्यार्थियों को लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम प्रभारी डॉ. जगदम्बा कुमार के नेतृत्व में एनसीसी.,रोवर्स–रेंजर्स , एनएसएस के तीनों यूनिट के छात्र, छात्राओं ने पटेल नगर कॉलोनी स्थित पटेल पार्क की साफ सफाई की। 400 मीटर एकता दौड़ प्रतियोगिता कराई। जिसमें छात्र वर्ग से विपिन कुमार प्रथम, जुनैद द्वितीय और अरबाज तृतीय रहे । छात्रा वर्ग में स्वाति प्रथम, कौशिकी द्वितीय और जौली तृतीय रही। सड़क सुरक्षा शपथ ग्रहण कराई गई। यातायात नियमों का पालन करने पर जोर दिया गया। सड़क सुरक्षा क्लब के छात्र अभिजीत गंगवार,कपिल गंगवार ,अवधेश कुमार, रमित कुमार आदि शामिल रहे। कार्यक्रम नोडल अधिकारी पूर्णिमा भारद्वाज, सह नोडल अधिकारी रोहित पटेल की देखरेख में संपन्न हुआ।

छुट्टा पशुओं की समस्या से निजात दिलाने को निकाला जुलूस

संवाददाता, बीसलपुर

- प्रदर्शन कर एसडीएम को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सौंपा ज्ञापन

अमृत विचार : तहसील क्षेत्र में छुट्टा पशुओं और कुत्तों के आतंक को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने समाधान कराने की मांग करते हुए नगर में जुलूस निकाला। तहसील मुख्यालय पर प्रदर्शन कर एसडीएम को ज्ञापन दिया।

कांग्रेस कार्यकर्ता सोमवार को कार्यालय के बाहर एकत्र हुए। जुलूस की शक्ल में नारेबाजी करते हुए विभिन्न मार्गों से होते हुए तहसील मुख्यालय पर पहुंचे। कार्यकर्ताओं ने छुट्टा पशुओं व कुत्तों के आतंक को लेकर शासन प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। बाद में एसडीएम नागेंद्र पांडे को ज्ञापन दिया। जिसमें आरोप लगाया कि क्षेत्र भर में सड़कों व सार्वजनिक स्थानों सहित खेतों में दर्जनों की संख्या में छुट्टा पशुओं के झुंड फसलों को क्षति पहुंचा रहे हैं। राह चलते लोगों पर हमला कर उन्हें घायल कर देते हैं। आवारा कुत्ते लोगों को काट रहे हैं। वाहन दुर्घटनाएं हो रही हैं लेकिन समाधान नहीं हो सका है। एसडीएम ने शिकायत में उचित कार्रवाई कराने का आश्वासन दिया। प्रदर्शन का नेतृत्व जिलाध्यक्ष हरप्रीत सिंह चब्बा, डॉ नागेश पाठक, नवीन सक्सेना, राजू मिश्रा, डॉ. नितेश पाठक उर्फ मोनू, लाल बहादुर, सियाराम, राजकुमार, मुन्नालाल, नरेश शुक्ला, संदीप कुमार, जाहिद खान, राजेश आदि मौजूद रहे।

सात पंचायत सचिवों को नोटिस जारी

पीलीभीत, अमृत विचार : जिले की सभी पंचायतों में आरआरसी सेंटर का निर्माण कराया गया है, जिससे गांव के कूड़े का निस्तारण सही तरीके से किया जा सके। इनके संचालन के लिए लगातार शासन स्तर से ठेला-ठेली सहित अन्य जरूरी सामान उपलब्ध कराए गए। इसके बाद भी पंचायत सचिवों की लापरवाही से इनका संचालन नहीं हो पा रहा है।

डीपीआरओ ने आरआरसी सेंटर के संचालन में लापरवाही पर अमरिया ब्लॉक के अमित दुबे, लाल बहादुर मौर्य, मानवेंद्र गंगवार,सचिन कुमार, राधेश्याम, वीरेंद्र कुमार और सचिन कुमार को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। डीपीआरओ रोहित भारती ने बताया कि अमरिया ब्लॉक के सात पंचायत सचिवों को नोटिस जारी किया गया है।

नो एंट्री के नियमों का सख्ती से कराएं पालन

- सभी मिलों को तय समय में संचालन व पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश

संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में गन्ना विकास विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। जिसमें जनपद की सभी चीनी मिलों के संचालन, गन्ना क्रय केंद्रों की स्थापना, यातायात व्यवस्था, इंडेंट निर्गमन और तौल व्यवस्था सहित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में जनपद की सभी चीनी मिलों के लिए गन्ना सुरक्षा आदेश गन्ना आयुक्त ने फरमान जारी किया। अब सभी चीनी मिलों को आदेश प्राप्त होने के 15 दिन के भीतर अपने-अपने क्रय केंद्र स्थापित करने होंगे। किसी भी क्रय केंद्र के स्थान में परिवर्तन नहीं किया जाएगा। एलएच चीनी मिल 7 नवंबर, बरखेड़ा चीनी मिल 10 नवंबर, पूरनपुर चीनी मिल 17 नवंबर और बीसलपुर चीनी मिल 22 नवंबर से संचालन शुरू करेंगी। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि शहर स्थित एलएच चीनी मिल के चलते यातायात व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाए। ताकि आमजन को किसी प्रकार की परेशानी न हो। नो-एंट्री नियमों का सख्ती से पालन कराया जाए। गन्ना ढुलाई में लगे सभी वाहनों पर रिफ्लेक्टर व लाल कपड़ा लगाया जाए, ताकि दुर्घटनाओं की संभावना न रहे। उन्होंने नोबेल शुगर बरखेड़ा के प्रबंध निदेशक को निर्देशित किया कि यार्ड की व्यवस्था सुचारु रखी जाए और किसी भी स्थिति में वाहन सड़क पर खड़े न हों। साथ ही सभी मिलों को निर्देश दिया कि समय से गन्ना क्रय केंद्र स्थापित कर पेयजल एवं आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित करें। बैठक में एआरटीओ वीरेंद्र सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट विजयवर्धन तोमर, सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी, टीएसआई राघवेंद्र सिंह, अधिशासी अभियंता राजेश चौधरी, जिला गन्ना अधिकारी खुशीराम भार्गव मौजूद रहे।

गांधी सभागार कक्ष में बैठक करते जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह। ● अमृत विचार

एसडीएम ने मानी अधिवक्ताओं की मांग

- भ्रष्टाचार को लेकर अधिकवक्ता 9 अक्टूबर से कर रहे हड़ताल

संवाददाता, अमरिया

अमृत विचार : तहसील क्षेत्र के अधिवक्ताओं की चल रही हड़ताल समाप्त हो गई। अधिवक्ताओं की मांग पूरी होने के बाद सभी ने काम शुरू कर दिया। 9 अक्टूबर से मांगों को लेकर हड़ताल चल रही थी। सोमवार को एसडीएम मयंक गोस्वामी ने अधिवक्ताओं से बात की।

अधिवक्ताओं की मांगों को मानने के बाद हड़ताल को समाप्त करने की बात कही। इस पर सभी सहमत हो गए। कुछ मांगों पर आश्वासन दिया है कि वह जल्द ही तहसील में व्याप्त समस्याओं का समाधान करेंगे। अमरिया बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एमएम मदार ने बताया कि एसडीएम मयंक गोस्वामी और तहसीलदार के आश्वासन के बाद हड़ताल समाप्त करने का निर्णय लिया है। इस मौके पर हबीब खां, शेखर त्यागी,मोहम्मद तनवीर अंसारी, इलियास खां, हसनैन मलिक, सुंदरलाल चतुर्वेदी, निरंजन लाल, गुलाबुल हसन, छत्रपाल,शांति स्वरुप गंगवार, महिपाल गंगवार, शिवचरण, नदीम मलिक, निजामुद्दीन मलिक ,तस्लीम आदि अधिवक्ता शामिल रहे।

अमरिया में अधिवक्ताओं से वार्ता करते एसडीएम मयंक गोस्वामी। ● अमृत विचार

चार दिसंबर तक चलेगा विशेष पुनरीक्षण अभियान

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : निर्वाचन विभाग ने मतदाता सूची को अद्यतन और त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) अभियान की तैयारियां पूरी कर ली हैं। जिले के 1522 बूथों पर मंगलवार से शुरू होने वाला यह अभियान चार दिसंबर तक चलेगा। जिलाधिकारी व उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने अधीनस्थों संग बैठक कर दायित्व स्पष्ट करते हुए अभियान की रूपरेखा तय की।

सोमवार को निर्वाचन कार्यालय में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान की तैयारियों को लेकर अधिकारियों के बीच गहमागहमी का माहौल रहा। तय किया गया कि जिले के सभी चार विधानसभा क्षेत्रों में बूथ स्तर पर मतदाता सूची के पुनरीक्षण का कार्य 4 दिसंबर तक पूरा किया जाएगा। वर्ष 2003 की मतदाता सूची के अंतर्गत करीब नौ लाख मतदाताओं का पुनरीक्षण कराया जाएगा, जबकि वर्तमान में जिले में कुल 14.67 लाख मतदाता पंजीकृत हैं। अभियान के दौरान प्रत्येक मतदाता को फार्म ए दिया जाएगा, जिसमें उनकी अद्यतन जानकारी ली जाएगी। जिले के 958 पोलिंग केंद्रों पर इस कार्य की निगरानी सुपरवाइजरों की ड्यूटी के माध्यम से की जाएगी। जिला निर्वाचन अधिकारी व उप जिला निर्वाचन अधिकारी स्वयंअभियान की प्रगति पर प्रतिदिन नजर रखेंगे। मतदाता सूची के अद्यतन और पारदर्शिता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश जारी किए गए हैं।

छतों पर सामान लादकर चल रहीं तीन बसों को किया गया सीज

- एआरटीओ ने अमरिया क्षेत्र में चलाया सघन चेकिंग अभियान

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : जयपुर में बस में आग लगने की घटना के बाद परिवहन विभाग पूरी तरह से अलर्ट हो गया है। जिले की सीमा से होकर गुजरने वाली दिल्ली, जयपुर व अन्य राज्यों को जाने वाली बसों में माल परिवहन और छतों पर अत्यधिक सामान लादने की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए परिवहन विभाग की ओर से अभियान चलाया जा रहा है।

एआरटीओ वीरेंद्र सिंह के निर्देशन में अमरिया क्षेत्र में सोमवार को सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। चेकिंग के दौरान तीन बसों में निर्धारित क्षमता से अधिक समान पाए जाने पर कार्रवाई की गई। इनमें से एक बस को थाना अमरिया और दो बसों को थाना गजरौला में सीज कर दिया गया। इसके अलावा सुरक्षित परिवहन संबंधी नियमों का उल्लंघन करने पर दो अन्य बसों के खिलाफ चालान की कार्रवाई भी की गई। प्रवर्तन दल ने नियमों के उल्लंघन पर कुल 72 हजार प्रशमन शुल्क वसूला। अधिकारियों ने चेतावनी दी कि बसों की छतों पर माल लादने या ओवरलोडिंग की शिकायत मिलने पर आगे भी इसी तरह की सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बसों की चेकिंग करते एआरटीओ वीरेंद्र सिंह। ● अमृत विचार

छात्र मोबाइल प्रयोग कम कर रचनात्मकता पर दें ध्यान

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की ओर से जिला स्तरीय छात्रा सम्मेलन का आयोजन गांधी प्रेक्षागृह में कराया गया। इसकी शुरुआत मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. दलजीत कौर, एडीएम ऋतु पुनिया, प्रांत सह मंत्री खुशी सिंह, प्रांत छात्रा प्रमुख प्रिया शर्मा, जिला छात्रा प्रमुख तनु सूर्यवंशी ने संयुक्त रुप से मां सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित करके कराई।

एडीएम ने कहा कि आज के समय में छात्राओं को स्वस्थ और संतुलित आहार लेना चाहिए। मोबाइल का उपयोग कम करके डायरी लेखन , कविता व अन्य रचनात्मक कार्य करने चाहिए। जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि महिलाएं आज किसी भी कार्य में पीछे नहीं, भारत की नारी विश्व मानचित्र पटल पर अपना उत्तम कार्य कर भारत का नाम को अटल छाप छोड़ रही है। हमें जरूरत है कि हम अपने आप को पहचाने और किसी भी वजह से हम हार न मानने की आदत डालें। कोई भी कार्य इतना बड़ा नहीं हो सकता कि उसे करना असंभव हो। इस मौके पर संगठन मंत्री प्रदीप चौधरी , विभाग संगठन मंत्री राहुल ,जिला प्रमुख डॉ. गौरव वर्मा ,जिला संयोजक आयुष मिश्रा, वंश, नीलेश, आदि मौजूद रहे।

एडीएम ऋतु पूनिया।

शालिग्राम-तुलसी विवाह की रही धूम

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: श्रीदैवी संपद संकीर्तन मंडल की ओर से देवउठनी एकादशी पर अग्रवाल सभा भवन में शालिग्राम-तुलसी विवाह का कार्यक्रम हुआ। धूमधाम से बरात निकाली गई। वैदिक मंत्रोच्चार के साथ रस्में हुई और पारंपरिक वेशभूषा में श्रद्धालु शामिल हुए। आतिशबाजी, ढोल नगाड़े के साथ निकाली गई श्रीसालिगराम की बरात की धूम रही। पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया। इस दौरान जय श्री शालिग्राम, जय तुलसी माता के जयघोष से पूरा वातावरण गूंज उठा। अग्रवाल सभा भवन में वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ भगवान शालिग्राम और माता तुलसी का विवाह संस्कार संपन्न हुआ। भक्तों ने भक्ति गीतों पर जमकर नृत्य किया और सुंदर झाकियां प्रस्तुत की गई। बच्चों के ग्रुप ने बहुत ही सुंदर नृत्य किया,जिसकी सराहना की गई। संकीर्तन मंडल के मंत्री महेश चंद्र अग्रवाल ने बताया कि देवउठनी एकादशी को देवप्रबोधिनी एकादशी भी कहते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन भगवान विष्णु अपनी योगनिद्रा से जागते हैं और सृष्टि के संचालन का कार्य पुनः आरंभ करते हैं। चार महीने की विष्णु-निद्रा अवधि में भगवान शिव, गणेशजी, पितृदेव और देवी दुर्गा संसार के भरण-पोषण का दायित्व निभाते हैं। इस तिथि से सभी शुभ और मांगलिक कार्यों का पुनः प्रारंभ होता है। इस मौके पर शिवा यादव, डॉ. एसके अग्रवाल, डॉ.केएन तिवारी, मुरली अग्रवाल, बाईके अग्रवाल, राजीव महरोत्रा,केतन अग्रवाल सीए,कमल यादव, रवि समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

अग्रवाल सभा भवन में देवी देवताओं का किया जाता पूजन। ● अमृत विचार

पौधे क्षतिग्रस्त कर ट्री गार्ड बेचने का आरोप

पीलीभीत, अमृत विचार: शहर के रहने वाले अधिवक्ता अरुण भारद्वाज, शरद जायसवाल, अशोक पाठक, अशोक शर्मा आदि ने डीएम कार्यालय में शिकायत पत्र दिया है। जिसमें बताया कि बीते दिनों शासन के निर्देश पर बृहद पौधरोपण अभियान चलाया गया था। जिसमें गांधी प्रेक्षागृह मैदान पर पौधरोपण अधिकारियों के द्वारा किया गया था। एक नवंबर से परिसर में एक प्रदर्शनी लगाई गई है। आरोप है कि इस दौरान टिनपोश दुकानों में किए गए पौधरोपण को शामिल कर लिया। कुछ पौधो को क्षतिग्रस्त भी कर दिया गया। ट्री गार्ड भी कबाड़ी को बेचने का आरोप लगाया। मामले की जांच कराकर कार्रवाई की मांग की है।

गृहमंत्री शाह ने राज्यमंत्री के कार्यों की सराहना की

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: बिहार विधानसभा चुनाव में मधुबनी लोकसभा सीट के अन्तर्गत आने वाली विधानसभा क्षेत्र में प्रचार के लिए चुनाव प्रभारी बनाए गए सदर विधायक पीलीभीत एवं राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार की सोमवार को मधुबनी लोकसभा क्षेत्र में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सराहना की। बिहार चुनाव को लेकर हुई विशाल रैली और जनसभा में राज्यमंत्री की खुले मंच से सराहाना की गई। इससे जनपद में उनके समर्थकों में हर्ष का माहोल। बता दें कि भाजपा शीर्ष नेतृत्व ने राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार को बिहार विधानसभा चुनाव के लिए मधुबनी जिले में आने वाली दो सीटों मधुवनी एवं झंझारपुर का चुनाव प्रभारी बनाया है। चुनाव तारीख घोषित होने के बाद से ही राज्यमंत्री चुनाव प्रचार के लिए गए हुए हैं और एनडीए के घोषित प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभा कर रहे हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार।

- मधुबनी लोकसभा क्षेत्र की जिम्मेदारी निभा रहे राज्यमंत्री

जिले में आज

- लिटिल एंजेल्स स्कूल में वार्षिकोत्सव शाम 5 बजे से।
- गोमती उदगम स्थल पर मां गोमती शरद कालीन महोत्सव की शुरुआत दोपहर 2 बजे से।
- इनिशियम ग्लोबल स्कूल के मैदान पर टूर्नामेंट के तहत क्रिकेट मैच सुबह 7 बजे से।
- यातायात माह नवंबर के तहत शहर में जागरूकता कार्यक्रम सुबह 10 बजे से।
- भारतीय योग संस्थान की ओर से अशोक कॉलोनी ग्राउंड पर योग शिविर सुबह 5 .30 बजे।
- श्री बालाजी नीम करौली धाम कांशीराम आवास ईदगाह में दरबार दोपहर 12 बजे से।

न्यूज ब्रीफ

आसाम चौराहे के समीप मिला अधेड़ का शव

पीलीभीत,अमृत विचार : थाना सुनगढ़ी क्षेत्र के आसाम चौराहे के पास सोमवार सुबह अधेड़ का शव पड़ा मिला। कुछ ही देर में बड़ी संख्या में लोग एकत्र हो गए। सूचना पुलिस को दी गई। सुनगढ़ी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मृतक की पहचान करने के काफी प्रयास किए लेकिन उसकी पहचान नहीं हो सकी। मृतक की उम्र करीब 50 वर्ष के आसपास है। लोगों ने बताया मृतक मांगकर खाता है। प्रभारी निरीक्षक सुनगढ़ी नरेश कुमार त्यागी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का सही कारण स्पष्ट हो सकेगा।

इलाज के दौरान अज्ञात युवक की मौत

पीलीभीत,अमृत विचार : जिला अस्पताल में इलाज के दौरान अज्ञात युवक की रविवार रात करीब 11 बजे मौत हो गई। अस्पताल के कर्मचारियों ने शव को मोर्चरी में रखवा दिया है। सोमवार को शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सीएमएस डॉ. रमाकांत सागर ने बताया कि कोतवाली पुलिस ने कई दिन पहले एक अज्ञात युवक को जिला अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया था। युवक की हालत रविवार दोपहर से बिगड़ने लगी थी। रात करीब 11 उसने दम तोड़ दिया। कर्मचारियों ने शव को मोर्चरी में रखवा दिया। सोमवार को शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

सड़क हादसे की एफआईआर दर्ज

दियोरियाकलां, अमृत विचार : रविवार दोपहर मकरंदापुर चौराहे के पास लकड़ी लदी ट्रैक्टर ट्राली से कुचलकर युवक की मौत के मामले में पुलिस ने मृतक शिवम गुप्ता के पिता आनंद गुप्ता ने रिपोर्ट दर्ज की है। दियोरियाकलां निवासी आंनद गुप्ता ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनका पुत्र शिवम् गुप्ता घर से जलालाबाद शाहजहांपुर बाइक से जा रहा था। मकरंदापुर चौराहे के पास ट्रैक्टर चालक ने तेजी व लापरवाही से वाहन चलाते हुए टक्कर मार दी, जिससे पुत्र की मौत हो गई थी। कोतवाल दिगंबर सिंह ने बताया कि ट्रैक्टर नंबर के आधार पर अज्ञात चालक पर रिपोर्ट दर्ज की गई है।

श्रीराम के वियोग में दशरथ ने त्यागे प्राण

बिलसंडा, अमृत विचार : रामलीला मैदान में चल रही रामलीला में कलाकारों ने दशरथ मरण के प्रसंग का मंचन किया। मंचन देख मौजूद दर्शकों की आखें नम हो गई। मंचन करते हुए दिखाया कि राम के वनवास जाने के बाद राजा दशरथ चिंता के चलते बीमार पड़ जाते हैं ।मृत्यु का समय निकट देख मंत्री सुमंत को राम को वापस लाने के लिए कहते हैं। राम मंत्री सुमंत को यह कहकर वापस कर देते हैं कि पिता के वचन का पालन करना पुत्र का धर्म है। वचन तोड़ना धर्म विरुद्ध है। यह सुन मंत्री सुमंत वापस अयोध्या लौट जाते हैं।

आढ़ती और क्रय केंद्र प्रभारी का गठजोड़ एडीएम ने पकड़ा

शिकायतों के बाद एडीएम ने पीसीयू के क्रय केंद्र पर मारा छापा, किसान को दरकिनार कर केंद्र प्रभारी तौलते थे आढ़ती का भेजा धान, लिखित में भी स्वीकारा

धान खरीद में झोल

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

सचिन अग्रवाल की आढ़त पर जांच करती एडीएम और मंडी सचिव। ● अमृत विचार

क्रय केंद्र प्रभारी को हिरासत में लेकर ले जाती पुलिस। ● अमृत विचार

अमृत विचार : धान खरीद के बीच पीलीभीत मंडी समिति में आढ़ती और क्रय केंद्र प्रभारी का गठजोड़ उजागर हो गया। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद एडीएम वित्त एवं राजस्व ऋतु पूनिया ने मंडी समिति में पीसीयू के क्रय केंद्र पर छापा मारा। आढ़ती सचिन अग्रवाल का भेजा धान क्रय केंद्र पर तौला जा रहा था। केंद्र प्रभारी को पुलिस के हवाले कर दिया गया। जबकि आढ़ती पर भी कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। इस छापामार कार्रवाई से हड़कंप मचा रहा।

मंडी समिति परिसर में लगाए गए पीसीयू के क्रय केंद्रों पर किसानों के बजाए बिचौलियों और आढ़तियों के धान की तौल कराए जाने का शोर मचा हुआ था। किसान अपने धान की तौल कराने के लिए परेशान हो रहे थे, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो पा रही थी। आढ़ती और क्रय केंद्र प्रभारी के बीच की गठजोड़ किसान की परेशानी बढ़ा रही थी। शिकायतों का संज्ञान लेते हुए एडीएम वित्त एवं राजस्व ऋतु पूनिया ने मंडी समिति में औचक छापामारी की। इस दौरान पीसीयू के एक क्रय केंद्र पर पहुंच गई। यहां पर धान की तौल चल रही थी। जब तौल कराए जा रहे धान के किसान को लेकर सवाल जवाब किए गए तो गोलमाल की ओर इशारा हो गया। एडीएम ने क्रय केंद्र प्रभारी से भी सख्ती से पूछताछ की। इसके अलावा उसका मोबाइल चेक किया तो आढ़ती और क्रय केंद्र प्रभारी के बीच का गठजोड़ उजागर हो गया। संबंधित क्रय केंद्र प्रभारी मंडी समिति के आढ़ती सचिन अग्रवाल का भेजा जा रहा धान क्रय केंद्र पर तौल कर रहा था। इससे संबंधित कई साक्ष्य भी मोबाइल में मिले। जिस पर सख्ती अपनाते हुए क्रय केंद्र प्रभारी को पुलिस के हवाले कर दिया गया।

पूरनपुर में वारदाना के नाम पर टरका रहे केंद्र प्रभारी

पूरनपुर मंडी समिति में भी धान खरीद पटरी पर नहीं लौट पा रही है। क्रय केंद्रों के बाहर धान के ढेर लगे हुए हैं और किसान तौल कराने के लिए परेशान हो रहे हैं। बीते दिनों विवाद के चलते मामला गरमाया रहा। वहीं, अब बताते हैं कि कुछ केंद्र प्रभारी वारदाना न होने का हवाला देकर तौल नहीं कर रहे हैं। तीन दिन से स्थिति जस की तस बनी हुई है। सोमवार को भी पूरे दिन कुछ क्रय केंद्र वारदाना न होने का हवाला देकर किसान को टरकाते रहे। जिसे लेकर नाराजगी जताई गई। वहीं, दोपहर बाद जब केंद्र केंद्र पर तौल बंद होने का समय नजदीक आया तो वारदाना पहुंचने की बात कही जाने लगी और मंगलवार से धान की तौल होने को कह दिया गया।

क्रय केंद्र प्रभारी ने भी आढ़ती सचिन अग्रवाल के द्वारा भेजे जा रहे धान की क्रय केंद्र पर तौल कराए जाने की बात स्वीकार की। जिसके बाद एडीएम ने संबंधित मामले में एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई के निर्देश दिए। वहीं, आढ़ती पर भी कार्रवाई करने के निर्देश मंडी सचिव प्रवीण कुमार अवस्थी को निर्देशित किया।

इसके अलावा एडीएम ने अन्य क्रय केंद्रों पर भी हालात परखे। डिप्टी आरएमओ वीके शुक्ला, एआर कोऑपरेटिव डॉ.प्रदीप कुमार समेत कई अधिकारी मौजूद रहे। एडीएम ने स्पष्ट कहा कि कई दिनों से किसान के धान क्रय केंद्र पर तौल न किए जाने की शिकायतें मिल रही थी। इसी को देखते हुए पीसीयू के क्रय केंद्र पर छापा मारा था। इस दौरान सामने आया कि वह सचिन अग्रवाल नामक आढ़ती का भेजा धान तौल कर रहे थे। इसे केंद्र प्रभारी ने लिखित में स्वीकार भी किया है। केंद्र प्रभारी पर एफआईआर और आढ़ती पर कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया गया है। अगर किसान को परेशान किया गया तो कार्रवाई तय है।

– ऋतु पूनिया, एडीएम वित्त एवं राजस्व

क्रय केंद्र पर शासन की मंशा के मुताबिक धान की खरीद की जाए। किसान को बेवजह परेशान किया और टालमटोल की गई तो कार्रवाई की जाएगी।

आढ़ती और केंद्र प्रभारी का धान खरीद से जुड़ी चैटिंग और कई कॉल बनी सबूत

आढ़ती और केंद्र प्रभारी का कोई रिलेशन नहीं है। केंद्र प्रभारी का किसान से सीधे रिलेशन है। जो धान मौके पर पाया गया है, वह भी आढ़ती सचिन अग्रवाल के द्वारा ही भेजा गया हुआ था। मोबाइल चेक करने पर आढ़ती और केंद्र प्रभारी के बीच की गई कॉल और चैटिंग भी मिली है। इसके अलावा कुछ महिलाओं से भी विवादित चैटिंग करने की बात निकली है। इसे लेकर भी जांच चल रही है। कुछ संदिग्ध नंबर भी प्रकाश में आए हैं, उनकी भी जांच कराने के निर्देश दिए गए हैं। खास बात है कि आढ़ती से जो भी केंद्र प्रभारी की मोबाइल में चैटिंग मिली है, वह सीधे धान खरीद से ही जुड़ी हुई थी।

आढ़त का लाइसेंस निलंबन करने को प्रक्रिया शुरू

आढ़ती सचिन अग्रवाल के खिलाफ भी मंडी प्रशासन ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। मंडी सचिव की ओर से आढ़ती सचिन अग्रवाल की आढ़त के लाइसेंस को निलंबित करने के लिए रिपोर्ट बनाकर सिटी मजिस्ट्रेट को भेजी गई है। जिसपर आढ़त का लाइसेंस निलंबित होना तय है। मंडी सचिव प्रवीण कुमार अवस्थी ने बताया कि आढ़त का लाइसेंस निलंबन करने के लिए उच्चाधिकारियों को रिपोर्ट भेज दी गई है।

आढ़ती पर कार्रवाई से राजनीति भी गरमाई

मंडी समिति में एडीएम की छापेमारी में क्रय केंद्र प्रभारी और आढ़ती के बीच का गठजोड़ उजागर हो चुका है। बताते हैं कि ऐसे अभी कुछ और आढ़ती भी हैं, जिनका सेंटर पर दखल रहता है। उनके क्रय केंद्र होने की भी चर्चाएं मंडी समिति में आम हैं ।इधर, सचिन अग्रवाल नगरपालिकाध्यक्ष पीलीभीत डॉ .आस्था अग्रवाल के भाई हैं। हालांकि मामला आढ़त से जुड़ा था, नगरपालिका से नहीं। मगर, छापामारी के बाद सियासत भी गरमाई रही। नगर पालिकाध्यक्ष का कहना है कि उनकी आढ़त पुश्तैनी है। कभी किसी तरह की कोई शिकायत इस संबंध में नहीं हुई। वर्तमान में भाई आढ़त देखते हैं। छापामारी से जुड़ी जानकारी लगी है।

लूट के शोर पर दौड़े लोग जांच में निकला पति-पत्नी का विवाद

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● सूचना पर सीओ सिटी,कोतवाल समेत पुलिस फोर्स मौके पर पहुंचा

अमृत विचार : एक महिला के शोर मचाने पर भीड़ एक युवक के पीछे लुटेरा समझकर दौड़ पड़ी। उसे पकड़ भी लिया, लेकिन जब पूछताछ की गई तो पूरा मामला बदल गया। पकड़ा गया युवक लुटेरा नहीं बल्कि शोर मचा रही महिला का पति निकला।

मामला सदर कोतवाली क्षेत्र के सराफा बाजार का है। सोमवार दोपहर उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब एक महिला अचानक जेवर लूट की चीख-पुकार मचाने लगी। महिला के शोर सुनते ही बाजार में भगदड़ जैसे हालात बन गए। लोग समझे किसी लुटेरे ने दिनदहाड़े जेवर छीन लिए हैं। आनन-फानन में दर्जनों लोग शोर मचाते हुए युवक के पीछे दौड़ पड़े और लाल रोड पर जाकर उसे दबोच लिया। सूचना मिलते ही सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी, कोतवाल सत्येंद्र कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। जांच में जो सच्चाई सामने आई, उसने सभी को चौंका दिया। दरअसल, पकड़ा गया युवक कोई लुटेरा नहीं, बल्कि महिला का पति निकला। बताया जा रहा है कि पति पत्नी के जेवर बेचने के लिए बाजार आया था। इसी बीच किसी तरह महिला को इसकी भनक लग गई और वह भी वहां पहुंच गई। पति को देखकर उसने शोर मचा दिया। कोतवाल सत्येंद्र कुमार ने बताया कि महिला के शोर मचाने पर लोगों को गलतफहमी हो गई थी। किसी भी पक्ष से तहरीर नहीं दी गई है। पुलिस ने दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर शांत कराया।

पालिका की बैठक में 81 करोड़ का बजट सर्वसम्मति से पास

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● विकास कार्यों पर चर्चा, पार्किंग सभासद कक्ष और हाईमास्ट लाइट के प्रस्तावों पर लगी मुहर

अमृत विचार : नगर पालिका की सोमवार दोपहर हुई बैठक इस बार बिना किसी हंगामे के सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुई। अध्यक्ष डॉ. आस्था अग्रवाल की अध्यक्षता और एडीएम (न्यायिक) रोशनी यादव की मौजूदगी में आयोजित बैठक में 81 करोड़ रुपये से अधिक का बजट सर्वसम्मति से पारित किया गया। विकास कार्यों पर खुलकर चर्चा हुई और सफाई, पार्किंग, सभासद कक्ष निर्माण व हाईमास्ट लाइट लगाने जैसे कई प्रस्तावों पर मुहर लगी। साथ ही यह भी तय हुआ कि अब हर बैठक में पिछले माह का आय-व्यय ब्यौरा बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

बता दें कि पिछली बार 18 अगस्त को हुई बोर्ड बैठक का विरोध में उतरे 14 सभासदों ने खारिज कर दिया था। इसको लेकर जिला प्रशासन से भी शिकायत की गई थी। इस पर सोमवार को जिला प्रशासन के निर्देश पर नगरपालिका सभागार कक्ष में बुलाई गई। बैठक को शांतिपूर्ण ढंग से निपटाने के लिए एडीएम न्यायिक रोशनी यादव को नामित किया था। इस बैठक में मूल बजट पास करना और अन्य विकास कार्यो पर चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता डॉ. आस्था अग्रवाल ने की।

ईओ संजीव कुमार और राज्यमंत्री प्रतिनिधि राकेश सिंह भी मौजूद रहे। बैठक में लेखाकार रोशन लाल ने 1 अप्रैल से 31 अक्टूबर तक की पालिका की आय-व्यय रिपोर्ट बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत की, जिसमें 21.62 करोड़ की आय के सापेक्ष 29.16 करोड़ रुपये व्यय दर्शाया गया। इस पर सभी सभासदों ने सहमति जताते हुए आगामी बैठकों में हर माह की

बैठक में चेयरमैन डॉ. आस्था अग्रवाल व एडीएम न्यायिक रोशनी यादव व अन्य।

आय-व्यय रिपोर्ट प्रस्तुत करने का प्रस्ताव पारित किया। बैठक में नगरपालिका वर्ष 2025-26 के लिए 81 करोड़ रुपये से अधिक का बजट सर्वसम्मति से पारित किया गया। इस बार बैठक में कोई हंगामा नहीं हुआ। इतना जरुर तय किया गया कि प्रत्येक माह की 22 तारीख को बोर्ड बैठक बुलाई जाएगी। साथ ही आय व्यय का ब्योरा भी देना तय किया गया है। इसके अलावा सफाई एवं खाद्य निरीक्षक साबिर अली ने बताया कि वाटर वर्क्स क्षेत्र में बने कम्युनिटी सेंटर के कारण वाहनों की पार्किंग में दिक्कत आ रही है। चर्चा के बाद बिजली घर तिराहा स्थित खाली भूमि पर पालिका वाहनों की पार्किंग व्यवस्था बनाने पर सहमति बनी। बैठक में कई विकास प्रस्तावों को भी हरी झंडी मिली।

सभासदों की मांग पर पालिका परिसर में सभासद कक्ष निर्माण, गांधी स्टेडियम में सड़क निर्माण और हाईमास्ट लाइट लगाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। वहीं वरिष्ठ समाजसेवी बाबू वीर सिंह के सम्मान में मोहल्ला खुशीमल की एक गली उनके नाम पर करने का निर्णय लिया गया। मुक्तिधाम समिति के प्रस्ताव पर पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस के पास स्थित दसवां स्थल पर सड़क निर्माण, हाईमास्ट लाइट और कर्मचारी नियुक्त करने के निर्णय पर भी बोर्ड ने सहमति दी। बैठक में सभासद गोकुल प्रसाद मौर्य, अनस अंसारी, विपिन फौजी, बतनदीप मिश्रा, साकेत सक्सेना, निर्मल सिंह टीटू, इकबाल हजरत, शरीफ अंसारी, राशिद हुसैन, जाहिदा बी, शबनम, शैलेन्द्र कौर, निजाकत अली कादरी, पुष्पा उपाध्याय, शिखा वर्मा, श्यामलता, माया देवी, रतना शुक्ला, पल्लवी, राजेन्द्र भारती, चैतन्य गंगवार, सुरेश लोधी, एहतशामबली खां समेत 23 सभासद मौजूद रहे।

करेली में पेड़ घोटाले की फिर खुली जांच

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● वर्ष 2002 में लगाए गए 5500 पौधों की अवैध कटान का मामला, शिकायतकर्ता को सुनवाई का मौका

● एसडीएम बीसलपुर करेंगे विस्तृत जांच, बैठकों में अनियमितता को लेकर भी जांच आदेश

अमृत विचार : ग्राम पंचायत करेली से जुड़े दो अलग-अलग मामलों में जिलाधिकारी ने जांच के आदेश किए हैं। ग्राम पंचायत बैठकों में अनियमितता और एजेंडा न भेजने की शिकायत पर डीएम ने जिला कृषि अधिकारी को जांच अधिकारी नामित किया है, वहीं वर्ष 2002 में करेली में लगाए गए पौधों की अवैध कटान के मामले में उप जिलाधिकारी बीसलपुर को पुनः जांच के निर्देश दिए गए हैं। दोनों ही मामलों में शिकायतकर्ता को व्यक्तिगत रूप से सुनवाई का मौका देने के लिए कहा गया है।

विकास खंड बिलसंडा के ग्राम करेली निवासी कृष्ण कुमार शर्मा की ओर से की गई शिकायत से जुड़ा है। शिकायत में उन्होंने आरोप लगाया था साल 2002 में वन विभाग की ओर से ग्राम पंचायत करेली को पौधरोपण के लिए उपलब्ध कराए गए पौधों की अवैध रूप से कटान की गई है। वन विभाग की ओर से सूचना के अधिकार अधिनियम 2005 के तहत दी गई रिपोर्ट में बताया गया था कि वर्ष 2002 में करेली ग्राम पंचायत को कुल 5500 पौधे लगाए गए थे। जिनमें बबूल के 2493, कंजी के 1665, जंगल जलेबी के 700, शीशम के 347, सिरस के 168 और जामुन के 127 पौधे उपलब्ध कराए थे। शिकायतकर्ता का आरोप है कि इन पौधों को वर्तमान प्रधान के कार्यकाल में काट दिया था।

हालांकि, मामले में हुई पिछली जांच में स्थिति कुछ भिन्न सामने आई थी। उप जिलाधिकारी बीसलपुर द्वारा की गई जांच आख्या में 14 अगस्त 2024 के अनुसार, ग्राम वासियों के बयान और स्थल निरीक्षण से यह तथ्य सामने आया कि प्रश्नगत भूमि गाटा संख्या 228 रकबा 5.706 हेक्टेयर चारागाह भूमि पर वर्तमान प्रधान के कार्यकाल के समय लगभग 100 पेड़ मौजूद थे। यही नहीं, राजस्व अभिलेखों में दर्ज खसरा फसली 1430 में इस गाटा पर 116 पेड़ अंकित हैं। वहीं जिला विकास अधिकारी की पूर्व जांच रिपोर्ट में भी कुल 71 पेड़ों की नीलामी नियमानुसार कराई गई थी। इन विभिन्न रिपोर्टों के बीच संख्या में बड़ा अंतर होने से यह मामला फिर से संदिग्ध हो गया है। इसलिए जिलाधिकारी ने पूरे प्रकरण की पुनः जांच के आदेश दिए हैं। इस मामले की जांच उप जिलाधिकारी बीसलपुर को दी गई है। साथ ही शिकायतकर्ता को व्यक्तिगत रूप से सुनवाई का अवसर देने के निर्देश दिए हैं। वहीं ग्राम पंचायत करेली में पंचायत समितियों की बैठकें नियमानुसार न कराए जाने और एजेंडा न भिजवाने के मामले में भी डीएम ने कृषि अधिकारी को जांच अधिकारी बनाया है।

खेत पर किशोरी से दुष्कर्म, रिपोर्ट दर्ज

बिलसंडा , अमृत विचार: खेत पर गोबर डालने गई किशोरी से गांव के ही युवक ने दुष्कर्म किया। विरोध करने पर उस पर हमला भी किया गया।

क्षेत्र के एक व्यक्ति ने बताया कि उसकी सोलह वर्षीय पुत्री 1 नवंबर की शाम 5 बजे घर से खेत पर गोबर डालने के लिए गई थी। काफी समय बाद भी जब नहीं लौटी तो उसकी तलाश शुरू कर दी गई। वह पत्नी के साथ बेटी को तलाशते हुए खेत पर गए तो पुत्री गन्ने के खेत के किनारे बैठकर रो रही थी। पूछने पर उसने बताया गांव के ही अमित उर्फ भूरे ने उससे दुष्कर्म किया। एसओ सिद्धांत शर्मा ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। पीड़िता का मेडिकल कराकर बयान कराए जाएंगे। मामले को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई की जा रही है।

दिव्यांग छात्रों को जरूरत के हिसाब से मिलेंगे उपकरण

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● शिविर में बच्चों का परीक्षण किया गया टीम द्वारा

अमृत विचार: समग्र शिक्षा अभियान के तहत परिषदीय स्कूलों में पढ़ने वाले दिव्यांग छात्र-छात्राओं को उनकी जरूरत के हिसाब से उपकरण दिए जाएंगे। इसके लिए ब्लॉक संसाधन केंद्र मरौरी पर उपकरण मापन शिविर लगाया गया। शिविर में भारत सरकार की ओर से नामित एलिम्को कंपनी कानपुर के विशेषज्ञों ने 160 दिव्यांगों का परीक्षण किया।

विशेषज्ञों ने विभिन्न प्रकार की दिव्यांगता के बारे में देखा। किस छात्र को किस तरह की दिव्यांगता के उपकरण उपयुक्त होंगे उसी के आधार पर चिन्हांकन किया गया। उपकरण मापन कैंप में एक छात्र को ब्रेन केन, छह बच्चों को ब्रेल किट, 22 बच्चों को हियरिंग ऐड, तीन बच्चों को सीपी चेयर, 18 बच्चों को क्रच, चार बच्चों को सुगमय्या केन, 84 बच्चों को टीएलएम किट, पांच बच्चों को ट्राई साइकिल, 25 बच्चों को व्हील चेयर के लिए उपयुक्त पाया। इस दौरान तुषार वर्मा , रोहित वर्मा,आदर्श द्विवेदी ,कृष्णा केसरी, कृष्ण कुमार राकेश पटेल, मनीष श्रीवास्तव रामदास ,संजीव मिश्रा, अनुराधा अग्रवाल, अनिल सोनकर ,राजेश श्रीवास्तव , राजेंद्र कुमार , सुनील त्रिपाठी समेत अन्य रहे।

उधारी के रुपये मांगने पर महिला को ठेकेदार के परिवार ने पीटा

कार्यालय संवाददाता,पीलीभीत

● रुपये हड़पने और मारपीट करने का आरोप लगाया

अमृत विचार : उधार दिए गए सात लाख रुपये की मांगना एक महिला को भारी पड़ गया। ठेकेदार और उसके परिजनों ने महिला के साथ मारपीट कर उसे घायल कर दिया। इस मामले में पीड़िता के पति ने कोतवाली में तहरीर देकर ठेकेदार परिवार पर रुपये हड़पने और मारपीट करने का आरोप लगाया है।

पूरनपुर कोतवाली क्षेत्र के ईदगाह मोहल्ला निवासी रियाज खां ने बताया करीब पांच वर्ष पहले उसने नगर के ठेकेदार बब्बू को सात लाख रुपये ब्याज पर दिए थे, जिसे एक-दो माह में लौटाने का वादा किया गया था। भरोसे में आकर उसने अलग-अलग किस्तों में पूरी रकम दे दी। कुछ समय बाद ठेकेदार ने रुपये लौटाने में टालमटोल शुरू कर दी और बाद में साफ इंकार कर दिया। रियाज के मुताबिक, 31 अक्टूबर की सुबह करीब 10 बजे उसकी पत्नी सलमा बेगम ठेकेदार के घर बकाया मांगने पहुंची तो बब्बू, उसकी पत्नी, भांजा, भांजी और ससुराल पक्ष के अन्य लोग एकजुट हो गए। उन्होंने पहले गाली-गलौज की और फिर सलमा के साथ जमकर मारपीट की। आरोप है कि ठेकेदार ने उसकी आंख और मुंह पर घूंसे मारे, जिससे वह घायल हो गई। किसी तरह वहां से भागकर वह घर पहुंची। पीड़ित का कहना है कि अब ठेकेदार खुलेआम धमकी दे रहा है। इस पर पीड़िता के परिवार ने पुलिस से न्याय की गुहार लगाते हुए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

हादसे में युवक की मौत की रिपोर्ट दर्ज

बरखेड़ा, अमृत विचार : कस्बा बरखेड़ा के मोहल्ला गोपी कॉलोनी निवासी हरदेई ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसका पुत्र सूरज कुमार (29) चालक था। तीन वर्ष से कोतवाली बीसलपुर के गांव हाफिजनगर बन्नाई निवासी मनोज कुमार गंगवार में एक व्यक्ति की कार चलाता था। 20 अगस्त को कार मालिक मनोज कुमार गंगवार ने किसी काम से उसके बेटे को कार से बीसलपुर भेजा था। जैसे ही उसका पुत्र बरखेड़ा से गया। तभी कार खराब हो गई। स्टार्ट नहीं हो रही थी। उसका पुत्र मिस्त्री को बुलाने जा रहा था। पीलीभीत बीसलपुर मार्ग पर गांव पतरसिया के पास पहुंचते ही उसके पुत्र को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिसमें पुत्र की मौत हो गई। पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

व्यवसाय | सड़क पर बढ़े साढ़े तीन हजार वाहन, पंजीकरण प्रक्रिया तेज, दो साल में सर्वाधिक मिला आरटीओ को टैक्स

खूब बिके वाहन, परिवहन विभाग को मिला साढ़े आठ करोड़ टैक्स

कार्यालय संवाददाता,पीलीभीत

अमृत विचार : धनतेरस और दीपावली पर इस बार बाइक और कार बाजार पूरी तरह चमक उठा। दोनों सेक्टरों में जमकर धनवर्षा। त्योहारी सीजन में ऑटोमोबाइल सेक्टर की रफ्तार इतनी तेज रही कि साढ़े तीन हजार से अधिक बाइक और कारों की बिक्री ने परिवहन विभाग की आय में जबरदस्त उछाल ला दिया।

शो-रूमों पर खरीदारों की भीड़ और रजिस्ट्रेशन काउंटरों पर लंबी कतारें इस बात की गवाह रही, लोगों ने इस बार वाहन खरीद को शुभ निवेश माना। नतीजतन विभाग की झोली में आठ करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व जमा हुआ। बीते दो वर्षों में यह सबसे बड़ी टैक्स आमदनी रही। कारोबारियों

की माने तो टैक्स में कटौती होने से ऑटोमोबाइल में इजाफा देखने को मिल रहा है।

जनपद में इस समय कुल 192892 ड्राइविंग लाइसेंस धारक हैं, जिनमें 1,63,958 पुरुष और 28,934 महिलाएं शामिल हैं। वहीं वाहनों की संख्या की बात करें तो जिले में 255414 दोपहिया वाहन और 21536 कारें पंजीकृत हैं। लंबे समय से ऑटोमोबाइल का कारोबार सुस्त चल रहा था। जो इस बार नवरात्रि, धनतेरस और दिवाली पर रफ्तार पकड़ गया। नवरात्रि और दीपावली से पहले जीएसटी की दरों में आंशिक कमी और कंपनियों के ऑफर का भी अच्छा असर देखने को मिला।

इससे ग्राहकों ने दोपहिया और छोटे चारपहिया वाहनों की खरीद में बढ़-चढ़कर रुचि दिखाई। लोगों ने जबदस्त खरीदारी की। आलम यह था कि लोगों ने कई माह पहले वाहनों की बुकिंग कर दी थी। एआरटीओ कार्यालय के आंकड़ों के अनुसार बीते माह त्योहारी सीजन में करीब साढ़े तीन हजार से अधिक वाहन पंजीकृत हुए हैं। जिनमें करीब 40 फीसदी बाइकें और 45 फीसदी कारें शामिल हैं। शेष अन्य कामर्शियल व्हीकल हैं। वाहनों की बिक्री से अकेले परिवहन विभाग को साढ़े आठ करोड़ का राजस्व मिला है। साथ ही त्योहारी सीजन में नई गाड़ियों की खरीद के साथ-साथ लोगों ने पुराने वाहनों को भी अपडेट कराया है, जिससे विभागीय आय में इजाफा हुआ है। जबकि बीते दो सालों में परिवहन को त्योहारी सीजन में अधिकतम तीन करोड़ का राजस्व मिल पाता था। लेकिन इस बार सारे रिकॉर्ड टूट गए। इसको लेकर परिवहन विभाग के जिम्मेदार भी हैरान है। रेट में परिवर्तन होने से लोगों ने अपने शौक पूरे किए। 20 फीसदी लोग वह रहे जिन्होंने दो से पांच लाख रुपये तक की बाइकें पसंद की। वहीं ई-कार की भी जमकर बिक्री हुई।

ओवरलोड के चलते अभी भी चल रहा पंजीकरण कार्य

त्योहारी सीजन में परिवहन विभाग पर लोड बढ़ जाता है। इसलिए अभी तक दीपावली और धनतेरस पर खरीदे गए वाहनों की प्रक्रिया अभी तक चल रही है। अधिकतर वाहनों की आरसी भी नहीं मिली है। ऐसे में लोग परेशान है। वह रोजाना शोरूम और एआरटीओ कार्यालय के चक्कर लगा रहे हैं। जिम्मेदारों की मानें तो पंजीकरण की संख्या अधिक है। सब कुछ ऑनलाइन है। इसलिए थोड़ा समय लग रहा है। फिलहाल अधिकतर का पंजीकरण मिल चुका है।

इस बार वाहनों की सेल अधिक हुई है। बीते माह त्योहारी सीजन में करीब साढ़े तीन हजार वाहन पंजीकृत हुए हैं। जिनसे विभाग को करीब साढ़े आठ करोड़ का राजस्व मिला है। वाहनों के पंजीकरण की प्रक्रिया अभी भी चल रही है। इस बार राजस्व बेहतर रहा है।

– वीरेंद्र सिंह, एआरटीओ

न्यूज ब्रीफ

148 करोड़ से संवरी पुरानी जिला जेल

बरेली, अमृत विचार : 148 करोड़ रुपये की लागत से सिविल लाइंस स्थित पुरानी जिला जेल संवारने का काम पूरा हो गया है। जेल में 2579 बंदियों के रहने की क्षमता वाले बैरक तैयार किए गए हैं। बीते दिनों सीडीओ देवयानी के निरीक्षण के बाद जेल को गृह विभाग को हैंडओवर करने की प्रक्रिया तेज हो गई है। इसके बाद केसरपुर स्थित सेंट्रल जेल-2 से विचाराधीन बंदियों को यहां शिफ्ट किया जाएगा। करीब 10 साल पहले कचहरी के पास स्थित जिला जेल को केसरपुर में शिफ्ट किया गया था। इसके बाद काफी समय तक जेल बंद रही। कुछ साल पहले पुरानी जेल को संवारने की कवायद शुरू हुई। लोक निर्माण विभाग ने 68.15 एकड़ जमीन में बनी इस जेल के लिए 172 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत किया था।

दो बार हाजिरी का विरोध कर प्राचार्य का घेराव

बरेली, अमृत विचार : बरेली कॉलेज में शिक्षकों की दो बार की हाजिरी का विरोध तेज हो गया है। सोमवार को शिक्षक संघ के नेतृत्व में शिक्षकों ने प्राचार्य ओपी राय का घेराव कर सिर्फ एक बार की हाजिरी करने की मांग की। काफी देर के विरोध के बाद भी इस पर सहमति नहीं बन सकी और मामला प्रबंध समिति के सचिव से वार्ता पर टाल दिया गया। बरेली कॉलेज शिक्षक संघ ने शुक्रवार को बैठक कर दो बार हाजिरी का विरोध जताया था और अपना निर्णय प्राचार्य को बताया था।

हाईवे पर टकराईं बाइकें एक की मौत, तीन घायल

रिश्तेदारी में नामकरण संस्कार से लौटते समय हुआ हादसा

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- बरेली रेफर किए गए युवक की मौत के बाद परिवार में कोहराम
- विकास की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया

अमृत विचार : थाना गजरौला कला क्षेत्र में रविवार शाम हुए सड़क हादसे में दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में चार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल भिजवाया। जहां डॉक्टर ने एक घायल की हालत गंभीर होने पर उसे बरेली रेफर कर दिया गया। लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। अन्य तीन घायलों का इलाज चल रहा है।

मृतक विकास कुमार।

गजरौला क्षेत्र के महुआ निवासी विकास (17) दोस्त अनिल के साथ बाइक से बहन सीमा देवी पत्नी झनकारी लाल निवासी जैतपुर के यहां नामकरण संस्कार में शामिल होने गया था। वहीं से वह पास के गांव अटकोना में रहने वाली बड़ी बहन ममता देवी पत्नी संतराम के घर जा रहा था। रास्ते में अटकोना और जैतपुर के बीच सामने से आ रही दूसरी बाइक से टक्कर हो गई। दूसरी बाइक पर मूसेपुर निवासी पुष्पेंद्र और एक अन्य युवक सवार थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बाइकों के परखच्चे उड़ गए और चारों युवक सड़क पर गिरकर बुरी तरह घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टर ने विकास की गंभीर हालत को देखते हुए उसे बरेली रेफर किया, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। विकास की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। पिता वेद प्रकाश और मां गायत्री देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने बताया कि विकास मेहनती और हंसमुख स्वभाव का था। अचानक हुई इस घटना से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

> हादसे में विकास की मौत हो गई है। परिजनों की ओर से तहरीर मिलने पर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है, और शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।
> – ब्रजवीर सिंह, थानाध्यक्ष गजरौला

परिजनों के नहीं रुक रहे आंसू

बेटे की मौत की सूचना मिलते ही घर में कोहराम मच गया। घर वालों के आंसू रुकने का नाम नहीं ले रहे है। पड़ोसियों और रिश्तेदार उन्हें समझाने की कोशिश करते रहे, लेकिन उनके आंसू रुकने का नाम नहीं ले रहे हे। विकास कुमार की मां और बहन बार-बार उसे याद कर करके बेसुध हो रही है। वहीं पिता की आंखों से आंसू नहीं निकल रहे थे, वह बेबस नजरों से लोगों को निहातरते नजर आए।

राष्ट्रीय विद्यालयी वालीबॉल प्रतियोगिता 11 से, तैयारियां पूरी

बरेली, अमृत विचार: 69वीं राष्ट्रीय विद्यालयीय वालीबॉल प्रतियोगिता 11 नवंबर से पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज में शुरू होगी। डीएम अविनाश सिंह ने कलेक्ट्रेट सभागार में सोमवार को प्रतियोगिता की तैयारियों की समीक्षा कर व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। प्रतियोगिता में अंडर-17 आयु वर्ग के बालक और बालिकाएं प्रतिभाग करेंगी।

बैठक में बताया गया कि 11 से 15 नवंबर तक होने वाली प्रतियोगिता में 44 टीम बालकों की और 44 बालिकाओं की शामिल होंगी। प्रतियोगिता में 1056 प्रतिभागी शामिल होंगे। प्रत्येक टीम के लिए लाइजनिंग ऑफिसर तैनात किए जाएगें। प्रतियोगिता के लिए 6 नवंबर तक खिलाड़ी अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। बैठक में खिलाड़ियों के आवास, भोजन, पीने के पानी, चिकित्सा एवं सुरक्षा, परिवहन, टेंट, पुरस्कार, फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी, ट्रॉफी, मेडल, मोमेंटों, सांस्कृतिक कार्यक्रम, अतिथियों का स्वागत, मंच की साज-सज्जा की व्यवस्था की समीक्षा की गयी। प्रतियोगिता स्थल पर फायर बिग्रेड, विद्युत, चिकित्सा की समुचित व्यवस्था, पुलिस सुरक्षा, मोबाइल टॉयलेट आदि की व्यवस्था करने के निर्देश है।

100 मीटर दौड़ में बिथरा के शिवम प्रथम

प्रतियोगिता में पुरस्कृत किए जाते बच्चे। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- टाहपौटा के जूनियर हाईस्कूल के मैदान में हुई खेलकूद प्रतियोगिता

अमृत विचार: टाहपौटा के जूनियर हाईस्कूल के मैदान में सोमवार को जोन स्तरीय खेल कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसकी शुरुआत खंड शिक्षाधिकारी सुनील कुमार सिंह ने मार्च पास्ट की सलामी लेकर कराई।

प्राथमिक स्तर की 100 मीटर दौड़ में कंपोजिट स्कूल बिथरा के शिवम प्रथम, द्वितीय स्थान पर रमपुरिया सिरसा के अमन रहे। 50 मीटर प्राथमिक स्तर बालिका वर्ग में बलदेवपुर की राधिका प्रथम, जौनापुरी की ज्योति द्वितीय, 100 मीटर दौड़ में बलदेवपुर की सोनाक्षी प्रथम, बिलगवा की वंदना द्वितीय, 200 मीटर दौड़ में बलदेवपुर की सोनाक्षी प्रथम, बिथरा की मोहिनी द्वितीय स्थान पर रही। 400 मीटर की दौड़ में कंपोजिट स्कूल बेहरी की छाया प्रथम जौनपुरी की अंशु द्वितीय स्थान पर रही। जूनियर स्तर की 100 मीटर बालिका दौड़ में टाह पौटा की सोनम प्रथम, कंपोजिट स्कूल बेहरी की आशा द्वितीय, 200 मीटर दौड़ में टाहपौटा की सोनम प्रथम, दहगला की पायल द्वितीय, 400 मीटर दौड़ में कंपोजिट स्कूल बेहरी की पायल प्रथम, यही की आशा दूसरे स्थान पर रही। विजेता, उपविजेता छात्र-छात्राओं को खंड शिक्षा अधिकारी सुनील कुमार सिंह ने मेडल पहनाकर सम्मानित किया। मेडल और पुरस्कार पाकर स्कूली बच्चों के चेहरे खुशी से खिल गए।

बीईओ सुनील कुमार सिंह ने कहा कि जिस तरह से पढ़ाई लिखाई छात्र जीवन में जरूरी है उसी तरह से खेल भी अहम हिस्सा है।

खेलने से स्वस्थ मस्तिष्क का विकास भी होता है। निर्णायक मंडल में खेल अनुदेशक आदित्य गंगवार, ज्ञान सिंह, भारत सिंह, नमिता गंगवार, शाहबाज अहमद, संजीव कुमार, राजीव कुमार, सत्येंद्र कुमार, महेश चंद्र, अरुण शर्मा, रामगोपाल वर्मा आदि मौजूद रहे। इस मौके पर जिला व्यायाम शिक्षक राजीव कुमार, राजीव त्रिवेदी, आशा रानी, वैभव सक्सेना आदि संकुल शिक्षक मौजूद रहे।

हत्यारोपी की निशानदेही पर बरामद किया तमंचा

बरेली, अमृत विचार : बारादरी थाना क्षेत्र के ईसाइयों की पुलिया के पास 11 सितंबर को हुई गौरव गोस्वामी हत्याकांड के मुख्य आरोपी बिहारी उर्फ निशांत सोनकर को पुलिस ने पांच घंटे की रिमांड पर लेकर हत्या में प्रयुक्त तमंचा बरामद किया। आरोपी ने हत्या के बाद तमंचा और कारतूस खुर्रम गोटिया के कब्रिस्तान में छिपा कर मौके से फरार हुआ था। पुलिस ने इस दौरान वीडियोग्राफी कराते हुए पूरी कार्रवाई की। बारादरी थाना प्रभारी धनंजय पांडे ने बताया कि खुर्रम गौटिया में बुधवार रात दो गुटों में झगड़े के दौरान बिशारतगंज निवासी हिंदू नेता गौरव गोस्वामी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। झगड़े के दौरान आरोपी ने उसके चेहरे पर गोली मारी थी, जिससे एक आंख तक बाहर निकल आई थी। पोस्टमॉर्टम के दौरान गौरव के सिर में 315 बोर की गोली फंसी मिली थी। अत्यधिक रक्तस्राव भी मौत की वजह बना था।

खाद्य सुरक्षा के प्रति जागरूक हुए ठेला वाले

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के निर्देश पर सोमवार को स्ट्रीट फूड वेंडर्स को स्वच्छ और सुरक्षित भोजन के प्रति जागरूक करने के लिए फॉस्टेक ट्रेनिंग कार्यक्रम असम चौराहा स्थित एक होटल में हुआ। इस निःशुल्क प्रशिक्षण में 100 से अधिक रेहड़ी व पटरी संचालकों ने भाग लिया।

एफएसएसएआई की ओर से रेहड़ी पटरी वालों को प्रशिक्षण देते ट्रेनर। ● अमृत विचार

- एफएसएसएआई की पहल पर पीलीभीत में आयोजित हुआ फॉस्टेक ट्रेनिंग कार्यक्रम
- स्वच्छ और सुरक्षित भोजन पर जोर, प्रतिभागियों को दी गई फूड सेफ्टी किट और प्रमाणपत्र

प्रशिक्षण का आयोजन नेस्ले इंडिया लिमिटेड और नासवी के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी स्वतंत्र कुमार श्रीवास्तव और कर निरीक्षक नगर पालिका श्वेता ने कराई। सीओ डूडा राजीव मिश्रा मौजूद रहे। नासवी के प्रशिक्षक रोशन कुमार चौधरी ने प्रतिभागियों को फॉस्टेक ट्रेनिंग प्रदान की। प्रशिक्षण के दौरान श्रीवास्तव ने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत लाइसेंस के, पंजीकरण और स्वच्छता संबंधी दिशा-निर्देशों की जानकारी दी। उन्होंने उपस्थित फूड वेंडर्स से अपील की है कि वे मिलावट के विरुद्ध और खाद्य सुरक्षा के पक्ष में जिम्मेदार सिपाही की तरह कार्य करें। कार्यक्रम के अंत में नेस्ले इंडिया लिमिटेड और नासवी की ओर से सभी प्रतिभागियों को निःशुल्क फूड सेफ्टी किट जिसमें एप्रन, ग्लब्स, टॉवल, डस्टर, साबुन और कैप आदि बांटे गए। प्रशिक्षण में शामिल सभी वेंडर्स को प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि जनपद में कुल 10 बैचों में प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा।

अगला बैच चार नवंबर को जबकि 7 नवंबर को पूरनपुर, 10 नवंबर को बीसलपुर और 13 नवंबर को बिलसंडा में दो-दो बैचों का प्रशिक्षण संपन्न कराया जाएगा। कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागियों को खाद्य सुरक्षा नियमों के पालन की शपथ दिलाई गई।

मनरेगा कार्यों का भुगतान न मिलने पर अनशन जारी

बीसलपुर, अमृत विचार: गांव अहिरवाड़ा में कराए गए मनरेगा कार्यों का भुगतान न दिए जाने से गुस्साए मनरेगा श्रमिकों व रोजगार सेवकों द्वारा ब्लॉक परिसर में अनिश्चितकालीन अनशन सोमवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। बीडीओ से हुई वार्ता विफल रही।

बता दें कि बीसलपुर ब्लॉक क्षेत्र की ग्राम पंचायत अहिरवाड़ा में ग्रामीण ने मनरेगा के तहत काम किया था। पिछले कई महीनों से मनरेगा श्रमिक भुगतान पाने के लिए चक्कर लगा रहे थे। जिम्मेदारों ने समस्या की ओर ध्यान नहीं दिया। इसके बाद मनरेगा श्रमिक रविवार से ब्लाक परिसर में अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठ गए। दूसरे दिन सोमवार को भी मांगों को लेकर अनशन जारी रहा। बीडीओ सर्वेश कुमार से वार्ता हुई लेकिन बेनतीजा रही। इस मौके पर रोजगार सेवक दलवीर सिंह, भूपराम, छैलू अन्य मौजूद रहे। अनशनकारियों को प्रधान राम कन्या ने भी अपना समर्थन दिया। मनरेगा श्रमिकों ने बताया कि जब तक बकाया भुगतान नहीं मिलेगा तब तक अनिश्चितकालीन अनशन जारी रहेगा।

अनशन पर बैठक मनरेगा श्रमिक। ● अमृत विचार

50 मीटर दौड़ में आदित्य -दीपिका आगे

खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लेते बच्चे। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: ब्लॉक मरौरी क्षेत्र जोन बिठौराकलां की जोन स्तरीय वार्षिक खेल प्रतियोगिता का आयोजन उच्च प्राथमिक विद्यालय बिठौरा कलां में हुई। लौकहा, जैतपुर, भिलैईया गांवखेड़ा, बिठौरा कला और जमुनियां न्याय पंचायत के बच्चों ने प्रतिभाग किया।

प्राथमिक स्तर बालक वर्ग की 50 मीटर दौड़ में आदित्य, 100 मीटर दौड़ में पवन, 200 मीटर दौड़ में देव, लंबी कूद में अभिषेक, 400 मीटर दौड़ में अभय, कबड्डी में विराट एंड पार्टी विजेता बनीं। प्राथमिक स्तर बालिका वर्ग 50 व 100 मीटर दौड़ में दीपिका, 200 मीटर दौड़ में विधि भाष्कर, लंबी कूद में दीपिका विजेता रहीं। उच्च प्राथमिक स्तर बालक वर्ग में 100 मीटर दौड़ में अल्तमश, 200 मीटर दौड़ में केशव, 400 मीटर दौड़ में सचिन, लंबी कूद में अल्तमश, 600 मीटर दौड़ में अनिकेत वर्मा, कुश्ती में करन, कबड्डी में शहजिल एंड पार्टी, ऊंची कूद में कपिल जीते। बालिका वर्ग 100 मीटर दौड़ में दीक्षा, 200 व 400 मीटर दौड़ में दिव्या, लंबी कूद में काजल, कबड्डी में प्रीती एंड पार्टी, खो-खो में शिखा एंड पार्टी जीती। इस मौके पर लाल करन, प्रखर मिश्रा, रणवीर कनौजिया, सत्यपाल, स्वाति शर्मा, आकांछा त्यागी, नवनीत पाल, हिमांशु कुमार, राकेश कुमार, राजा राम, मुनीश कुमार, यशपाल आदि मौजूद रहे।

11 को गवर्नर हाउस से आएगी टीम

बरेली, अमृत विचार : रुहेलखंड विवि के सीएसआईटी विभाग में सोमवार को कुलपति प्रो. केपी सिंह ने 13 को आयोजित होने वाले दीक्षांत समारोह की तैयारी के संबंध में गठित 32 समितियों के सदस्यों के साथ समीक्षा बैठक की। समारोह में 93 टॉपर्स को पदक और 111 उपाधियां देने की सूची अब तक तैयार कर ली गई है। 6 नवंबर को होने वाली कार्यपरिषद की बैठक में इस पर मुहर लगेगी। इसके साथ ही अतिथियों के नाम फाइनल हो जाएंगे। कुलपति ने सभी कमेटियों के सदस्यों को एक-एक कर उनके कार्य की प्रगति एवं वर्तमान स्थिति के विषय में विस्तार से जाना और उन्हें कार्य को अच्छे से करने के लिए विभिन्न सुझाव दिए।

ड्राफ्ट नामावलियों की पाण्डुलिपि 24 तक करें तैयार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : डीएम अविनाश सिंह ने सोमवार शाम त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन नामावलियों के वृहद पुनरीक्षण से संबंधित कार्यों की समीक्षा कर सभी एसडीएम को त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचक में ड्राफ्ट नामावलियों की कंप्यूटरीकृत पाण्डुलिपि 24 नवम्बर तक तैयार करने के निर्देश दिए।

कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में हुई बैठक में डीएम ने भारत निर्वाचन आयोग की ओर से बरेली-मुरादाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचन नामावलियों को तैयार कराए जाने के कार्य की समीक्षा की। उप जिलाधिकारी सदर प्रमोद कुमार ने बताया कि खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में अभी तक 2850 फार्म प्राप्त हुए हैं और 6 नवंबर तक निर्वाचन फार्म जमा हो सकते हैं। निर्देश दिए कि फार्मों की पात्रता की जांच कराएं। बैठक में विधानसभा व लोकसभा निर्वाचन की मतदाता सूची में चल रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर प्रश्नोत्तर के माध्यम से गहनता से समीक्षा की गयी।

न्यूज डायरी

कार्य के वक्त कर्मचारी सुरक्षा का भी रखें ख्याल

पीलीभीत, अमृत विचार : नगर पालिका परिषद पूरनपुर के तत्वाधान में सोशियो वाइटल नेटवर्क फाउंडेशन टीम द्वारा एमआरएफ सेंटर पर साप्ताहिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। वाहन चालक, गाड़ी हेल्पर ट्रॉली मैन, एमआरएफ हेल्पर, वार्ड इंचार्ज शामिल हुए। मुख्य उद्देश्य कचरा पृथक्करण में कार्यरत सभी कर्मचारियों को पृथक्करण व सोर्स सेग्रीगेशन और एमआरएफ वर्कर्स को खाद बनाने की विधि से लेकर सूखे कचरे का अलगाव और पुनर्चक्रण के बारे में अवगत कराना रहा। बताया कि कर्मचारियों को मास्क, ग्लव्स, बूट, हेलमेट आदि का इस्तेमाल करना चाहिए। वाहनों की साफ सफाई प्रतिदिन की जाए। कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई गई।

विधायक ने किया नवनिर्मित सभागार का उद्घाटन

पीलीभीत, अमृत विचार : पूरनपुर ब्लॉक प्रमुख मानसी सिंह, उनके प्रतिनिधि अपूर्व सिंह ने सोमवार को नवनिर्मित सभागार का उद्घाटन कराया। मुख्य अतिथि विधायक पूरनपुर बाबूराम पासवान ने फीता काटकर उद्घाटन किया। क्षेत्र पंचायत सदस्यों और प्रधानों संग बैठक की गई। विकास के बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। इस मौके पर नरेश पाल सिंह, बहादुर सिंह, कौशल बाजपेई, अनुपम बाजपेई, कुंवर वीरेंद्र प्रताप, रामगोपाल, रामनरेश शर्मा, सोमपाल गौतम, मिलाप सिंह, जितेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

जर्जर सड़क का सुधार और दोषियों पर कार्रवाई की मांग

पीलीभीत, अमृत विचार : समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष जगदेव सिंह जग्गा ने डीएम को पत्र लिखा है। जिसमें बताया कि हाल ही में दियोरियाकलां से लेकर घुंघचिहाई तक का मार्ग बनवाया गया था। यह बरसात में दियोरिया जंगल के पास कई जगह से घटिया सामग्री लगाए जाने से उखड़ने लगा है। ये मार्ग बीसलपुर और पूरनपुर तहसील क्षेत्र को जोड़ता है। बड़ी संख्या में राहगीर प्रतिदिन आवागमन करते हैं। जिससे परेशानी हो रही है। इसकी मरम्मत शीघ्र कराकर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

समाजसेवी की पुण्यतिथि पर की गोसेवा

पीलीभीत, अमृत विचार : समाजसेवी स्वर्गीय अनिल सिंघल की तीसरी पुण्यतिथि के अवसर पर जागृत गृहणी तिनिश के तत्वावधान में आसाम रोड स्थित नगर पालिका परिषद पूरनपुर द्वारा संचालित गोशाला में गौ सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। महिलाओं और पुरुषों ने मिलकर चारा, गुड़, रोटियां और सब्जियां गोवंश को खिलाई और पूजा-अर्चना की। चेयरमैन शैलेन्द्र गुप्ता के सहयोग से कार्यक्रम संपन्न हुआ। पशुओं के गले में रेडियम की घंटियां बांधी गईं। साथ ही सर्दी से सुरक्षा के लिए गौशाला में हीटर भी दान किया गया। इस मौके पर संस्था की अध्यक्ष संगीता सिंघल, नवीन अग्रवाल, रेणु खुराना, उमा शर्मा, प्रवेश महाजन, संध्या गुप्ता, किरण गुप्ता समेत अन्य रहे।

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005

बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज

डॉ. प्रेम गंगवार
B.H.M.S. (Homeo Cafe Gwalior)
वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक
मो. 8859517808
सैक्स रोग, शीघ्रपतन, नामर्दी, त्वचा, गुर्दे, कैंसर, जोड़, नस, थायराइड व महिलाओं का बांझपन
होम्योपैथिक से जुड़ी समस्या व दवाईयों के लिये निःशुल्क सम्पर्क करें।
अत्याधुनिक जर्मन दवाईयों द्वारा कुशल डाक्टर के मार्गदर्शन में इलाज
11 वर्षों का अनुभव प्रेम जर्मन होम्योपैथिक
रूहेलखण्ड यूनिवर्सिटी के सामने, पीलीभीत बाईपास, एच.के. टावर, बरेली

बवासीर-भगन्दर-फिशर
पाइलोनाइडल साइनस Mob.: 8126164170

डॉ. वी.के. सिसोदिया
वरिष्ठ क्षार सूत्र विशेषज्ञ
B.Sc., B.A.M.S.
Proctologist (Ayur.), N.D.D.Y., C.C.K.S. (MUMBAI)
मिलें : प्रत्येक रविवार 12 पत्थर रोड, जलालाबाद (शाहजहाँपुर) में
बरेली एनोरक्टल क्लीनिक पता:- करगैना पुलिस चौकी के पीछे, बदायूं रोड, बरेली

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 98978382286

न्यूज ब्रीफ

प्राथमिक विद्यालय में घुसा मगरमच्छ

निघासन, अमृत विचार : गांव मदनापुर स्थित प्राथमिक विद्यालय के परिसर में घुसे मगरमच्छ को देखकर ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने इसकी सूचना वन विभाग को दी। सूचना पाकर दक्षिण निघासन वन रेंज लुधौरी की टीम अक्षय मौर्य के नेतृत्व में स्कूल परिसर पहुंची। टीम ने ग्रामीणों की मदद से रेस्क्यू कर मगरमच्छ को सुरक्षित पकड़ लिया। जिसे बाद में शारदा नदी में ले जाकर छोड़ दिया।

जामुन के पेड़ से गिरकर बुजुर्ग की मौत

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : सीतापुर जिले के थाना लहरपुर क्षेत्र के गांव बहिरामपुर निवासी पहलवान (61) रविवार की दोपहर अपने खेत में लगे जामुन के पेड़ पर चढ़कर उसके तने काट रहे थे। अचानक वह पेड़ से नीचे गिर कर गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजन उन्हें सीएचसी खमरिया लेकर पहुंचे, जहां से हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में उनकी मौत हो गई।

महिला आयोग की सदस्य 6 को करेंगी जनसुनवाई

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : राज्य महिला आयोग की सदस्य सुजीता कुमारी 6 नवंबर को जिले के दौरे पर रहेंगी। वह कलेक्ट्रेट के अटल सभागार में 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक महिला जनसुनवाई करेंगी। पीड़ित महिलाएं अपनी शिकायतें आयोग सदस्य के समक्ष रख सकेंगी। दोपहर 2 बजे से 5 बजे तक वह ब्लॉक फूलबेहड़ में नारी चौपाल में शामिल होंगी। जनसुनवाई के बाद संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर लंबित मामलों की समीक्षा करेंगी।

सड़क दुर्घटना में चार घायल, किया रेफर

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : क्षेत्र में अलग-अलग हुई सड़क दुर्घटना में नीमगांव थाना क्षेत्र के ग्राम बैवहा निवसी नौसे खां (45), रजालुद्दीन (46), पसगावां सल्लिहा निवासी गौरव पांडे (20), अनमोल (19) गंभीर घायल हो गए। घायलों को सीएचसी भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत में सुधार न होने पर डॉक्टरों ने चारों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

दो बाइकों की भिड़ंत में बुजुर्ग घायल

केशवापुर, अमृत विचार: केशवापुर-सिसावां कला मार्ग पीतपुर चौराहे पर बाइक सवारों को पीछे से आ रही बाइक ने टक्कर मार दी, जिसमे बाइक सवार बादशाह सिंह (70) पुत्र टीका सिंह निवासी सकेथू गंभीर घायल हो गए। पीतपुर चौराहे पर हुई घटना में बाइक चालक संजय सिंह निवासी बड़ागांव, थाना फूलबेहड़ को मामूली चोटें आईं।

वहीं दूसरा बाइक सवार बाइक सहित मौके से भाग निकला। ढकवा चौकी पुलिस ने प्राइवेट गाड़ी से घायल बुजुर्ग बादशाह सिंह को अस्पताल भिजवाया। सूचना के बावजूद आधा घंटा तक एम्बुलेंस नहीं पहुंच पायी।

जांच की आंच में झुलस सकते हैं बैंक के अधिकारी, गन्ना विकास परिषद में घोटाले का मामला

बिना हस्ताक्षर, बिना मिलान कर निकाल दी 15 लाख से अधिक की रकम

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: पलिया की गन्ना विकास परिषद में हुए 15 लाख से अधिक के वित्तीय घोटाले ने पूरे प्रशासन से लेकर बैंकिंग तंत्र तक में खलबली मचा दी है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि बैंक शाखा ने बिना हस्ताक्षर और नमूना मिलान के भुगतान कर दिए, जिससे बैंक अधिकारियों की भूमिका पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं।

सूत्रों का दावा है कि परिषद के खातों से निकासी के दौरान न तो हस्ताक्षर जांचे गए न ही दस्तावेजों की विधिवत पुष्टि हुई, फिर भी रकम जारी कर दी गई। ऐसे में यह संदेह गहराता जा रहा है कि बैंक के अंदरूनी लोगों की मिलीभगत के बिना इतनी बड़ी रकम का खेल संभव नहीं है। घोटाले की भनक लगते ही गन्ना विभाग के अफसरों से लेकर जिला प्रशासन तक में हड़कंप मच गया। परिषद से जुड़े कर्मचारियों के साथ बैंक शाखा के कुछ अफसरों के नाम भी अब जांच के दायरे में आ गए हैं। जांच टीम अब परिषद के खातों से जुड़ी संदिग्ध निकासी, भुगतान वाउचर और बैंक एंट्री की डिटेल खंगाल रही है। अधिकारी मान रहे हैं कि यदि जांच निष्पक्ष और गहराई से हुई, तो बैंक शाखा के कई बड़े चेहरे बेनकाब हो सकते हैं। गन्ना विकास परिषद के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि यह मामला केवल लापरवाही का नहीं, बल्कि सुनियोजित हेराफेरी का लग रहा है। जिस तरह से फर्जी हस्ताक्षर और नकली समिति की मोहर लगाकर लाख अट्ठावन रुपये डेबिट हुआ है, जबकि यह चेक अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता मंत्री, गन्ना विकास परिषद पलियाकलां एवं प्रतिहस्ताक्षरी अधिकारी जिला गन्ना अधिकारी वेद प्रकाश सिंह के हस्ताक्षर से जारी नहीं किए गये थे। फौरी तौर पर मिलान में पाया गया कि चेक बुक सीरीज 627306 से 627355 तक में से केवल 627322 तक ही प्रयुक्त हुए हैं, जबकि जारी चेक नंबर 627349 से आहरण हुआ।

गन्ना विकास परिषद का जालसाज गिरफ्तार

पलियाकलां, अमृत विचार : गन्ना विकास परिषद में जालसाजी कर 15 लाख निकालने वाले आउटसोर्स कंप्यूटर ऑपरेटर को पुलिस ने गिरफ्तार कर चालान भेजा है। पुलिस ने उसके पास से 204000 रुपये बरामद होने का दावा कर चालान भेजा है। गन्ना समिति अध्यक्ष से लेकर आम गन्ना किसान तक संबंधित अधिकारी व लेखाकार की भूमिका भी संदिग्ध जताते हुए उच्च स्तरीय जांच की बात कर रहे हैं।

फर्जी हस्ताक्षर कर दो बार में निकाले गए रुपये

मंत्री ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक मिथिलेश कुमार पांडेय व वरिष्ठ सहायक प्रभारी लेखाकार प्रेमचंद्र ने गन्ना परिषद का बचत खाता अक्टूबर 2025 का 01 अक्टूबर 2025 से 31 अक्टूबर 2025 तक बैंक समाधान विवरण पत्र को तैयार किया। तब पता चला कि एक्सिस बैंक से 30 अक्टूबर 2025 को खाते से चेक संख्या 627349 से आठ लाख रुपया डेबिट हुआ। 31 अक्टूबर को चेक संख्या 627303 से सात

बढ़ रहे सर्दी-जुकाम और बुखार के मरीज

मौसम का उतार-चढ़ाव: मरीजों से ओपीडी हुई फुल, जिला अस्पताल एवं पीएचसी में मरीजों की भीड़

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: मौसम के बार-बार बदलाव के चलते जिला अस्पताल में मरीजों की भीड़ तेजी से बढ़ने लगी है। बदलते मौसम और त्यौहारों के दौरान खान-पान की अनियमितता अब लोगों की सेहत पर भारी पड़ रही है। सोमवार को सुबह से अस्पताल के पर्चा काउंटर पर लंबी लाइनें लगी रहीं। डॉक्टरों के केबिन के बाहर मरीजों की भारी भीड़ रही।

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. आरके कोली ने बताया कि कुछ दिनों से रोजाना एक हजार से डेढ़ हजार तक मरीज ओपीडी में उपचार के लिए पहुंच रहे हैं। इनमें करीब 100 मरीज भर्ती भी किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि खांसी, जुकाम, बुखार और श्वांस रोग संबंधी दिक्कतों के मरीजों की संख्या काफी बढ़ रही है। इसके अलावा त्यौहारों के दौरान भारी खानपान से उल्टी-दस्त और डायरिया के मामले भी तेजी से सामने आ रहे हैं। डायरिया के मरीजों में बच्चों की संख्या तेजी से बढ़ी है। बाल रोग वार्ड में कई बेड फुल हो चुके हैं। जिला अस्पताल के डॉक्टरों का कहना है कि त्यौहारों में खुले और तले-भुने खानपान से बच्चे जल्दी संक्रमित हो रहे हैं।

जिला अस्पताल में औषधि वितरण केंद्र पर लगी भीड़। ● अमृत विचार

- ओपीडी में रोजाना पहुंच रहे हजार से डेढ़ हजार मरीज

डॉक्टरों ने दी सावधानी बरतने की सलाह

सीएमएस डॉ. कोली ने बताया कि ठंड की शुरुआत में शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर पड़ जाती है। ऐसे में सुबह-शाम ठंड से बचाव जरूरी है। उन्होंने कहा कि बदलते मौसम में हल्का गर्म पानी पिएं, सादा भोजन करें और बिना जरूरत धूल या धुएं में न निकलें। अभिभावक बच्चों को मौसम के अनुरूप कपड़े पहनाएं, ठंडे पेय-पदार्थ और जंक फूड से बचाएं, तथा सुबह-शाम के समय बाहर खेलने से पहले सावधानी बरतें।

अस्पताल प्रशासन ने एहतियात के तौर पर डायरिया और सांस संबंधी मरीजों के लिए अतिरिक्त बेड की व्यवस्था की है।

डॉक्टरों की सलाह

- बच्चों को गुनगुना पानी पिलाएं और सादा, पौष्टिक भोजन दें।
- सुबह-शाम के समय ठंडी हवा से बचाएं।
- घर में वेंटिलेशन अच्छा रखें, लेकिन ठंडी हवा सीधे बच्चों पर न पड़े।
- विटामिन सी और तरल पदार्थ का सेवन बढ़ाएं ताकि रोग प्रतिरोधक क्षमता बनी रहे।
- लक्षण बढ़ने पर घर पर इलाज न करें, तुरंत चिकित्सक से संपर्क करें।

पर्चा को सुबह से ही भीड़ जुटनी शुरू हो गई

अस्पताल के पर्चा काउंटर पर सुबह से ही भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी। दोपहर तक करीब डेढ़ हजार पर्चे बनाए जा चुके थे। डॉक्टरों के अनुसार, हर रोज करीब 150 नए मरीज सिर्फ ठंड और सर्दी से जुड़ी बीमारियों के साथ आ रहे हैं।

गन्ने के साथ सहफसली खेती कर दोहरा लाभ लें किसान

बहारगंज की किसान गोष्ठी में बोलते चीनी मिल के अधिकारी। ● अमृत विचार

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

- गन्ना महाप्रबंधक गन्ना ने किसानों को किया जागरूक

अमृत विचार: बजाज चीनी मिल के अधिकारियों ने गांव बहारगंज में गोष्ठी कर किसानों को शरदकालीन गन्ना बुवाई कर दोहरा लाभ लेने को प्रेरित किया। बहारगंज के पंचायत भवन में हुई किसान गोष्ठी में उत्तर प्रदेश गन्ना किसान संस्थान शाहजहांपुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ आरडी तिवारी ने शरद कालीन गन्ना उत्पादन तकनीक एवं गन्ने के साथ सहफसली खेती के बारे में जानकारी दी। वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक सरनाम सिंह ने शरदकालीन गन्ने में खाद एवं उर्वरको का सन्तुलित प्रयोग करने की सलाह दी।

वरिष्ठ महाप्रबंधक पीएस चतुर्वेदी ने बताया कि चीनी मिल द्वारा सब्सिडी पर एग्री इनपुट एवं बीज उपलब्ध कराया जा रहा है, जिसे प्राप्त कर अधिक से अधिक रकबे में शरदकालीन गन्ने की बुआई के साथ सहफसल आलू, लाही, मटर, चना इत्यादि लगाकर दोहरा लाभ कमाए। संचालन कर रहे प्रबन्धक गन्ना सत्येन्द्र कुमार मिश्र ने खेत की गहरी जुताई कर लेजर लेवलर द्वारा खेत का समतलीकरण कराकर गन्ने की बुआई करने की सलाह दी। गोष्ठी में दुर्गा प्रसाद मिश्र, मोहम्मद असलम, कोमल प्रसाद, रामशरण, संतोष कुमार, राजेन्द्र प्रसाद आदि कृषक और सहायक महाप्रबंधक ओडी शर्मा, वरिष्ठ अधिकारी इन्द्रपाल सिंह यादव, ट्रेनी सचिन वर्मा मौजूद रहे।

तनाव भरे दौर में मन की सेहत सबसे जरूरी

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: शुक्रवार को राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत स्वास्थ्य विभाग की ओर से संवेदीकरण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता और आईएमए पदाधिकारियों डॉ. अखिलेश खरे, डॉ मनोज शर्मा, मनोचिकित्सक डॉ दिनेश दुआ के साथ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन कर किया। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कहा कि तनाव भरे दौर में मन की सेहत सबसे जरूरी है।

उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य केवल बीमारियों का इलाज नहीं, बल्कि खुशहाल जीवन का निर्माण होना चाहिए। हैप्पीनेस इंडेक्स बढ़ाने के लिए जरूरी है कि समाज के हर व्यक्ति का मानसिक स्वास्थ्य मजबूत हो। जब मन स्वस्थ होगा, तभी मुस्कान सच्ची होगी। स्वस्थ मन ही खुशहाल समाज की नींव है। जब प्रशासन, चिकित्सक और समाज साथ आएंगे, तभी हमारा जिला हैप्पीनेस इंडेक्स में ऊंचाई छुएगा। मरीजों के प्रति सहानुभूति, संवाद का व्यवहार सबसे असरदार दवा है। कभी-कभी एक स्नेह भरा शब्द, किसी मरीज के जीवन में नई रोशनी जला देता है। सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता ने कहा कि जिला स्तर पर मानसिक रोगों की रोकथाम और परामर्श सेवाओं को और मजबूत किया जा रहा है। यह कार्यशाला चिकित्सा अधिकारियों को मानसिक रोगों की पहचान और इलाज के प्रति अधिक संवेदनशील बनाएगी। कार्यशाला में विशेषज्ञों ने मानसिक विकारों की पहचान, काउंसलिंग तकनीक और सामुदायिक सहयोग की अहमियत पर चर्चा की।डिप्रेशन, एंग्जायटी, तनाव प्रबंधन और काउंसलिंग तकनीकों पर बल दिया। डीएम ने सीएमओ व नोडल अधिकारी के साथ वृद्ध महिलाओं रामश्री, जत्ता देवी, हरदेई, शीला और अनीसा को सहारा देने वाली स्टिक प्रदान की।

स्टिक देने के बाद लाभार्थी बुजुर्ग महिलाओं के साथ डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल और सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता। ● अमृत विचार

- स्वास्थ्य विभाग की कार्यशाला में डॉक्टरों, अधीक्षकों, विशेषज्ञों ने साझा किए अनुभव

सैदापुर देवकली में पांच दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: रेशम विकास विभाग ने राजकीय रेशम फार्म सैदापुर देवकली में मुख्यमंत्री रेशम विकास योजना के तहत पांच दिवसीय रेशम प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रशिक्षण में चयनित 30 लाभार्थियों को विभाग ने प्रशिक्षण किट वितरित की। विभाग के तकनीकी अधिकारी महेंद्र शंकर और गोपाल चंद्र ने प्रतिभागियों को रेशम उत्पादन की तकनीकी जानकारी दी। कार्यक्रम के संयोजक एवं फार्म प्रभारी प्रमोद कुमार ने प्रशिक्षण का शुभारंभ कराया।

उप निदेशक (रेशम) अरविंद कुमार ने कहा कि लाभार्थी रेशम उत्पादन बढ़ाकर अपनी आय में उल्लेखनीय वृद्धि कर सकते हैं। इस दौरान जिला पंचायत सदस्य मोहम्मद याशीन, विकास विभाग के अधिकारी, अजीविका मिशन के समूह सदस्य, बहुउद्देश्यीय प्राथमिक रेशम सहकारी समिति के मुख्य प्रवर्तक महेन्द्र यादव आदि मौजूद रहे।

ओवर ब्रिज निर्माण को रोलिंग बीम डालना शुरू

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: राष्ट्रीय राजमार्ग 730 पर गोला जंगल वाली रेलवे क्रॉसिंग पर ओवर ब्रिज निर्माण कार्य में रोलिंग बीम डालने का काम शुरू कराया गया है। इस मार्ग पर आवागमन बंद होने से नगर की अलीगंज रोड, भूतनाथ रेलवे क्रॉसिंग पर ट्रेन निकलने पर घंटों जाम लगती है, जिससे नगर वासियों, राहगीरों के साथ विद्यार्थियों को भी काफी परेशानियां हो रही हैं।

नेशनल हाईवे 730 लखीमपुर गोला मार्ग पर जंगल वाली रेलवे क्रॉसिंग पर ओवर ब्रिज निर्माण कार्य एक बार फिर से शुरू कराया गया है। निर्माण कार्य के सुचारु संचालन और जन सुरक्षा के चलते 29 अक्टूबर बुधवार सुबह 8 बजे से 16 नवंबर रविवार की मध्यरात्रि तक 19 दिनों तक छोटे, बड़े वाहनों का आवागमन इस मार्ग पर बंद करा दिया गया है। रविवार से ओवर ब्रिज निर्माण कार्य में क्रॉसिंग के दोनों तरफ लोहे के भारी भरकम खंबे खड़े कर ऊपर रोलिंग बीम डालने का कार्य शुरू कराया गया। कार्यदाई संस्था विजय कंस्ट्रक्शन के केयरटेकर दिलीप कुमार ने बताया कि रोलिंग बीम पड़ जाने के बाद बीम की बैलेंसिंग कर डेक बनाकर फिर बीम को आपस में जोड़कर एक मजबूत स्ट्रक्चर बनाया जाएगा। उसके बाद स्टील फेब्रिकेशन और आगे का कार्य कराया जाएगा।गोला लखीमपुर मार्ग पर जंगल वाली रेलवे क्रॉसिंग और फरधान रेलवे क्रॉसिंग पर ओवर ब्रिज निर्माण का कार्य फरवरी 2021 में शुरू कराया गया था।

साढ़े चार वर्ष बीत जाने के बाद भी अभी तक निर्माण कार्य पूरा नहीं हो पाया है, जिससे लोगों को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। यातायात व्यवस्था को बनाए रखने के लिए प्रशासन ने वैकल्पिक मार्ग सिकंद्राबाद, अलीगंज होते हुए लखीमपुर, सीतापुर, लखनऊ के लिए तय किए हैं। नगर की अलीगंज रोड पर छोटे-बड़े वाहनों के साथ ही अब रोडवेज बसों का संचालन भी हो रहा है, जिससे ट्रेन निकलने पर क्रॉसिंग बंद होने से पहले और बाद में घंटो जाम लगी रहती है।

भूतनाथ रेलवे क्रॉसिंग पर भी रुट डायवर्ट होने का काफी असर हुआ है। इस मार्ग पर अब बड़े ट्रक, ट्राला, ट्रैक्टर ट्रालियां, स्कूल बसें निकलने से राहगीर, विद्यार्थी, नगर निवासी जाम लगने से काफी परेशान होते हैं।

स्कूली बसों के जाम में फंसने से बिजुआ, भीरा, मालपुर, अलीगंज, बसलीपुर, सिकंद्राबाद, बिलहरी आदि स्थानों पर जाने वाले विद्यार्थी देर शाम तक घर पहुंच पाते हैं। मिल शुरू होने पर गन्ना भरे ट्रक, ट्रैक्टर ट्राली, बैलगाड़ी आदि निकलने पर 16 नवंबर तक जंगल वाली रेलवे क्रॉसिंग पर आवागमन बंद रहने तक हालात और खराब होंगे। हालांकि ओवर ब्रिज बन जाने के बाद इन सभी समस्याओं से निजात मिल सकेगी। नए वर्ष की शुरुआत में ओवर ब्रिज पर वाहनों के फर्राटा भरने की उम्मीद जताई जा रही है।

गोला में ओवरब्रिज निर्माण में रोलिंग बीम डालने के लिए खड़े किए गए लोहे के बीम।

- रेलवे क्रॉसिंग पर आवागमन बंद होने से लग रहा जाम

भारत विकास परिषद का सप्तरंग सांस्कृतिक सप्ताह आरंभ

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: आरएसएस की सेवा, राष्ट्रभक्ति और मानवता को समर्पित 100 वर्षों की स्वर्णिम यात्रा के मौके पर भारत विकास परिषद के सप्तरंग सांस्कृतिक सप्ताह 2025 का आरंभ सोमवार को किया गया। यह कार्यक्रम श्री गुरु नानक विद्यक सभा कन्या इंटर कॉलेज के सभागार में संपन्न हुआ।

मुख्य अतिथि समाजसेवी सेवक सिंह अजमानी, भारत विकास परिषद नैमिष प्रांत के अध्यक्ष एडवोकेट रमेश कुमार वर्मा, शाखा अध्यक्ष रुचि ऋतुराज, सचिव प्रबोध कुमार शुक्ल, उपाध्यक्ष नरेश चंद्र वर्मा एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. मीनाक्षी तिवारी और अंशु वाजपेयी ने संयुक्त रूप से मां भारती एवं स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में संयोजक राम बहादुर मित्रा और निर्देशक छोटेलाल के निर्देशन में छात्राओं ने योग के विविध आसनों का आकर्षक प्रदर्शन किया। योग एवं पर्यावरण से जुड़े प्रश्नोत्तरी सत्र में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विजेताओं को सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि सेवक सिंह अजमानी ने कहा कि भारत विकास परिषद भारतीय संस्कृति और सेवा भाव को आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है। पर्यावरण संरक्षण आज सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। हमें सांस हो रही कम, आओ पौधे लगाएं हम के संकल्प को अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बरगद, पीपल और पाकड़ जैसे ऑक्सीजन देने वाले पेड़ों को हमें अपने जन्मदिन और शुभ तिथियों पर अवश्य लगाना चाहिए। कोविड काल ने हमें ऑक्सीजन के महत्व का एहसास कराया है। प्रांतीय अध्यक्ष रमेश कुमार वर्मा ने लखीमपुर शाखा की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि शाखा की पहली महिला अध्यक्ष बनी हैं और उनका कार्यकाल दो वर्ष का रखा गया है। यह महिलाओं की नेतृत्व क्षमता का सम्मान है। उपाध्यक्ष नरेश चंद्र वर्मा ने बालिकाओं के योग प्रदर्शन की प्रशंसा की। वरिष्ठ सदस्य जोगिंदर सिंह चावला ने कहा कि सप्तरंग सप्ताह के सभी कार्यक्रम भारतीय सनातन परंपरा को मजबूत करने वाले हैं।

गुब्बारे उड़ाकर पर्यावरण और सामाजिक समरसता का संदेश देते अतिथि। ● अमृत विचार

- योग प्रदर्शन, पर्यावरण गोष्ठी और पौधरोपण से दी सामाजिक समरसता की सीख

दूसरे दिन होगा गीता व मानस प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

सचिव प्रबोध शुक्ल ने बताया कि सप्तरंग सांस्कृतिक सप्ताह के द्वितीय दिवस श्रीरामचरितमानस एवं श्रीमद्भागवत गीता प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता ग्रीन फील्ड एकेडमी, श्याम नगर शाखा में आयोजित की जाएगी।

पंच परिवर्तन पर केंद्रित होगा सप्ताह

अध्यक्ष रुचि ऋतुराज ने बताया कि यह सप्ताह पर्यावरण, स्वदेशी, नागरिक कर्तव्य, सामाजिक समरसता और कुटुंब प्रबोधन विषयों पर केंद्रित है। सप्ताह के संयोजक डॉ. निमेष शुक्ला, सह संयोजक डॉ. पायल राय, प्रभारी अमित सिंह चौहान, सह प्रभारी रचना सिंह, सर्व व्यवस्था प्रमुख दिव्येश मिश्रा, सह प्रमुख सरदार हरिशरण सिंह पाहवा, तथा संरक्षक इंजीनियर हरिप्रकाश त्रिपाठी और सतीश टंडन रहे। गुब्बारे उड़ाकर पर्यावरण और सामाजिक समरसता का संदेश दिया गया। अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। कार्यक्रम का संचालन सचिव प्रबोध कुमार शुक्ल ने किया।

बाघ को देखकर सैलानी रोमांचित

संवाददाता, भानपुर

अमृत विचार: दुधवा टाइगर रिजर्व के किशनपुर रेंज में पर्यटन सत्र शुरू होते ही सैलानियों की खुशकिस्मती रंग लाई। सोमवार की शाम को जंगल सफारी के दौरान सैलानियों को बाघ के दीदार हुए, जिसे देखकर सभी पर्यटक रोमांचित हो उठे।

एक नवंबर से किशनपुर का पर्यटन द्वार सैलानियों के लिए खोला गया था। तीसरे ही दिन यानी सोमवार को शाम की शिफ्ट में पहुंचे पर्यटकों को वह पल देखने को मिला, जिसका इंतजार हर सैलानी करता है। बताया गया कि बोझवा के पूर्व प्रधान छिच्ची व बाहर से आए रिश्तेदारों परिजनों के साथ सफारी पर आए थे। सफारी के दौरान जब वाहन गद्दे के पास पहुंचा तो अचानक सभी की नजर पानी पीते हुए एक शानदार बाघ पर पड़ी। जंगल की शांति के बीच बाघ को इतनी नजदीक से देखकर सैलानियों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। सैलानियों ने बाघ के इस नजारे को अपने मोबाइल कैमरों में कैद कर लिया। कई लोगों ने कहा कि यह उनके जीवन का सबसे यादगार पल था।

बाघ को देखकर न केवल बच्चे बल्कि बड़े भी उत्साह से झूम उठे। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि पर्यटकों के आने से स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा मिल रहा है और वन्यजीव संरक्षण के प्रति लोगों की रुचि भी बढ़ रही है। उन्होंने यह भी कहा कि पर्यटक गाइड और रेंजरों के निर्देशों का पालन करें ताकि न केवल वन्यजीव सुरक्षित रहें बल्कि सैलानियों का अनुभव भी सुरक्षित और यादगार बना रहे।

रास्ते में बने गड्ढे में पानी पीता बाघ। ● अमृत विचार

- जंगल सफारी के दौरान दिखा बाघ, मोबाइल में किया कैद

अमृत विचार

बरेली, मंगलवार, 4 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

गेहूं की बुवाई के लिए पानी को तरसे किसान

मूड़ा सवारान, अमृत विचार : क्षेत्र की नहरों में पानी न आने से किसानों की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है। खीरी ब्रांच की नहर सूखी पड़ी है, जिससे सैकड़ों गांवों के किसान गेहूं की बुआई से पहले खेतों की सिंचाई के लिए डीजल इंजन पर निर्भर हो गए हैं। किसानों का कहना है कि धान की फसल की कटाई के बाद खेतों में नमी बनाए रखना जरूरी होता है, लेकिन नहरों में पानी न आने से पलेवा के लिए डीजल इंजन का सहारा लेना पड़ रहा है, जिससे लागत बढ़ रही है। किसान दीनबंधु, राम अवतार, विक्रम सिंह, छोटेलाल, पंकज कुमार, सुरजीत, दिलबाग सिंह, जरनैल सिंह और गुरमीत सिंह ने बताया कि कई हफ्तों से नहर में पानी नहीं आया है। बार-बार शिकायत करने के बावजूद सिंचाई विभाग की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

धनुष भंग की लीला का किया गया मंचन

सिंगाही, अमृत विचार : कस्बे में चल रहे पारंपरिक दशहरा मेले में सोमवार की रात धनुष यज्ञ लीला का मंचन हुआ। मंचन के दौरान भगवान राम के धनुष भंग करते ही पूरा रामलीला मैदान जय श्रीराम के नारों से गूंज उठा और दर्शकों ने तालियां बजाकर मंचन का स्वागत किया। रामलीला में दिखाया कि राक्षसी ताड़का वध के बाद मुनि विश्वामित्र राम और लक्ष्मण को लेकर राजा जनक के दरबार पहुंचते हैं, जहां सीता स्वयंवर का आयोजन होता है। देशभर से आए वीर धनुष तोड़ने का प्रयास करते हैं, पर कोई सफल नहीं होता। जब मुनि विश्वामित्र राम से धनुष तोड़ने का आग्रह करते हैं तो गुरु की आज्ञा का पालन करते हुए धनुष उठाकर एक झटके में तोड़ देते हैं। यह दृश्य देखते ही पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट और जयकारों से गूंज उठा।

पराली जलाने वाले किसान से वसूला जुर्माना

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : तहसील मोहम्मदी के ब्लॉक पसगवां क्षेत्र के ग्राम उचौलिया में किसान मोसीन अली ने अपनी खेत कीपराली जला दी, लेकिन खेत से उठा धुआं सीधे सैटेलाइट मॉनिटरिंग सिस्टम की नजर में आ गया। जैसे ही एसडीएम मोहम्मदी चलुवराजू आर को सैटेलाइट से सूचना मिली, उन्होंने राजस्व और कृषि विभाग की टीम को मौके पर भेजा। जांच में घटना सही पाई गई, जिस पर प्रशासन ने बिना देरी के किसान पर कार्रवाई करते हुए 5,000 का जुर्माना लगाया और मौके पर वसूला। साथ ही किसान के खिलाफ बीएनएस की धारा 126, 135 व 170 के तहत तीन लाख की पाबंदी लगाते हुए किसान को कड़ी चेतावनी दी गई। जॉइंट मजिस्ट्रेट चलुवराजू आर ने बताया कि जिले में सैटेलाइट से सतत निगरानी की जा रही है। किसी भी पराली जलाने की घटना पर त्वरित कार्रवाई होगी।

अनुशासन, नेतृत्व क्षमता व धैर्य रखना सिखाते हैं खेल

पहला मैच मूड़ा सरकटा-एलाइड के बीच खेला गया, गनेशपुर 15-13, 16-14 बनाकर गोला खेल महोत्सव में वालीबॉल चौंपियन बने

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

गोला के लालबहादुर शास्त्री कालेज में बालीवॉल खेलते खिलाड़ी। ● अमृत विचार

गोला में विजयी टीम के साथ अतिथि। ● अमृत विचार

अमृत विचार: स्वच्छ भारत-नगरीय के तहत नगर पालिका परिषद गोला द्वारा आयोजित युवा शक्ति का उत्सव गोला खेल महोत्सव के तृतीय दिवस वालीबाल प्रतियोगिता का शुभारंभ लाल बहादुर शास्त्री इंटर कालेज के मैदान में मुख्य अतिथि प्रभारी निरीक्षक कोतवाली गोला अम्बर सिंह, विशिष्ट अतिथि सभासद सुफियान खान, नानक चन्द्र वर्मा, भाजपा नगर अध्यक्ष शत्रोहन मिश्रा, समाजसेवी डॉ. जगदीश वर्मा, रवि अवस्थी, खालिद रियाज, मनोज कनौजिया, लाल बहादुर शास्त्री कॉलेज के प्रधानाचार्य दिनेश कुमार यादव, साहित्यकार ब्रजेश तिवारी, महेन्द्र कुमार सक्सेना एवं गोला खेल महोत्सव संयोजक श्याममूर्ति शुक्ला, नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने फीता काटकर वॉलीबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ किया।

आयोजक नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने अतिथियों का माल्यार्पण कर स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए कहा कि छोटी काशी गोला में पहली बार 14 दिवसीय खेल महोत्सव कराने का सौभाग्य मिला है। जिसमें नगर के सामाजिक संगठनों का विशेष सहयोग मिल रहा है, इसके लिए मै सभी का आभार व्यक्त करता हूँ।

मुख्य अतिथि कोतवाली निरीक्षक अंबर सिंह ने कहा कि खेलों से हम अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और धैर्य जैसे गुण सिखाते हैं, जिससे व्यक्ति का सामाजिक जीवन सुखमय होता है। विशिष्ट अतिथि डॉ. जगदीश वर्मा ने कहा कि खेलों से हृदय स्वस्थ रहता है, मांसपेशियां मजबूत होती है, टीम वर्क से कार्यक्षमता का विकास होता है तथा आत्मविश्वास में वृद्धि होती है।

अतिथियों ने वालीबॉल प्रतियोगिता का उद्घाटन खिलाड़ियों से परिचय कर किया। पहला मैच मूड़ा सरकटा और एलाइड के मध्य खेला गया, जिसमें मूड़ा सरकटा 21-07, 21-10 से विजयी रहा। दूसरा मैच कुकरा और चौहान क्लब के मध्य खेला गया, जिसमें चौहान क्लब 21-07, 21-15 से विजयी रहा। तीसरा मैच वीरेन्द्र नगर कालोनी और कृषक समाज के मध्य खेला गया, जिसमें कृषक समाज 2-1 सेट से विजयी रहा। चौथा मैच पब्लिक कालेज और प्राथमिक विद्यालय अहमद नगर के मध्य रहा, जिसमें पब्लिक कालेज 15-08, 15-04 से विजयी रहा। पांचवां मैच गुरुनानक देव बांसी और मिल क्लब गोला के मध्य हुआ, जिसमें मिल क्लब 15-10, 15-04 से विजयी रहा। छठा मैच ईदगाह गोला और चिल्ड्रन्स एकेडमी के मध्य खेला गया जिसमें ईदगाह गोला 2-0 से विजयी रहा।फाइनल मैच गनेशपुर और रायपुर के मध्य खेला गया जिसमें गनेशपुर 15-13 ,16-14 से विजयी रहा। वालीबॉल प्रतियोगिता के निर्णायक सरोज कुमार वर्मा, मकसूद अली, कपिल वर्मा, कदीर अहमद, धनंजय सिंह, अनिल वर्मा, संदीप वर्मा रहे।

इस अवसर पर सभासद आशीष अवस्थी, इजरान अहमद, रज्जन खान, समाजसेवी सुयश त्रिवेदी, सभासद राजेश वर्मा, हरिओम वर्मा, चिल्ड्रेन्स एकेडमी के डायरेक्टर अनुभव गुप्ता, सफाई एवं खाद्य निरीक्षक संदीप वर्मा, वरिष्ठ लिपिक अमित श्रीवास्तव, लेखाकार मोहित अवस्थी, विमलेश वर्मा, अंकित गुप्ता, अवधेश कुमार सहित सैकड़ों की संख्या में खेलप्रेमी मौजूद रहे।

गोला खेल महोत्सव में आज

नगर पालिका परिषद द्वारा कराये जा रहे गोला खेल महोत्सव में बांकेगंज रोड स्थित चिल्ड्रेन्स एकेडमी में बास्केटबॉल प्रतियोगिता प्रातः नौ बजे से।

पलिया के दो युवक नेपाल के धनगढ़ी में गिरफ्तार

पलियाकलां, अमृत विचार: भारत-नेपाल सीमा पर इन दिनों सटाई (भारतीय व नेपाली मुद्रा के अवैध विनिमय) का धंधा तेजी से फैलता जा रहा है। इसी क्रम में पड़ोसी देश नेपाल के धनगढ़ी शहर में पलिया कलां के दो युवकों को 28 लाख से अधिक नेपाली मुद्रा के साथ गिरफ्तार किया गया है। धनगढी उपमहानगर पालिका-3 के मिलन चौक से भारत के पलिया कलां निवासी हरचित गुप्ता और सागर गुप्ता को पुलिस ने पकड़ा। दोनों के पास से 28 लाख 340 नेपाली रुपये नकद बरामद किए गए हैं, जिनके बारे में गिरफ्तार आरोपी कोई सटीक जानकारी नेपाली पुलिस को नहीं दे सके। नेपाल के जिला पुलिस कार्यालय कैलाली की टीम ने नायब निरीक्षक गजेन्द्र बहादुर चन्द के नेतृत्व में यह कार्रवाई की। पुलिस ने बताया कि गोपनीय सूचना के आधार पर दोनों युवकों को हिरासत में लिया गया और अवैध मुद्रा कारोबार की जांच शुरू कर दी गई है। धनगढ़ी पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह रकम सटाई कारोबार से जुड़ी है या किसी अन्य अवैध गतिविधि से संबंधित है।

पुलिस व यातायात विभाग ने दो डबल डेकर बसें कीं सीज

नेशनल हाईवे पर सीज की गईं डबल डेकर बस। ● अमृत विचार

संवाददाता, मैगलगंज

अमृत विचार: एसडीएम मितौली मधुसूदन गुप्ता के निर्देश पर सोमवार को मैगलगंज पुलिस व यातायात विभाग ने बड़ा अभियान चलाया। इस दौरान दिल्ली जा रही दो डबल डेकर बसों को पकड़कर सीज कर दिया गया। प्रभारी निरीक्षक रविंद्र कुमार पांडेय और यातायात प्रवर्तन अधिकारी कौशलेन्द्र यादव के नेतृत्व में हाईवे पर बसों की सघन चेकिंग की गई।

जांच में पता चला कि बसों में क्षमता से अधिक सवारियां बैठाई गई थीं, सीटों की संख्या और आकार मानकों से अधिक पाए गए तथा कई सुरक्षा प्रावधानों की अनदेखी थी। एसडीएम मधुसूदन गुप्ता ने बताया कि हाल में मैगलगंज क्षेत्र में डबल डेकर बस में आग लगने की घटना के बाद प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। यात्री सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

एसडीएम ने खुवाया टोल प्लाजा पर बंद रास्ता

मैगलगंज-नेशनल हाईवे 30 पर बने टोल प्लाजा के पास हैरमखेड़ा गांव जाने वाला रास्ता टोल कंपनी के बंद कर दिए जाने से ग्रामीणों में नाराजगी थी। ग्राम प्रधान और ग्रामीणों ने इस संबंध में एसडीएम मितौली से लिखित शिकायत की। शिकायत पर एसडीएम मधुसूदन गुप्ता मौके पर पहुंचे और टोल मैनेजर बृजेश सिंह को फटकार लगाते हुए रास्ता खुलवाया। एसडीएम ने निर्देश दिए कि ग्रामीणों के आने-जाने का रास्ता दोबारा बंद नहीं किया जाएगा, अन्यथा टोल कंपनी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। मौके पर ग्राम प्रधान सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

बाघ के हमले में किसान घायल, खेत पर चारा लेने गया था

संवाददाता, बांकेगंज

खरेहटा में घटना स्थल देखते वनकर्मी और ग्रामीण। ● अमृत विचार

अमृत विचार: मैलानी वन क्षेत्र की खरेहटा बीट में खेत पर चारा लेने गए किसान पर बाघ ने हमला कर उसे घायल कर दिया, जिसको परिजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बांकेगंज उपचार के लिए ले गये, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार कर जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया।

सुबह के समय खरेहटा निवासी राम नारायण सिंह (45) पुत्र श्रीकृष्ण अपनी पत्नी के साथ गन्ने के खेत में चारा लेने गए थे। जब वह चारा काट रहा था तभी गन्ने से निकलकर बाघ ने उस पर हमला कर दिया, जिससे वह चिल्लाने लगा। उसकी पत्नी ने भी शोर मचाना शुरू कर दिया, जिससे आसपास के खेतों में काम कर रहे अन्य लोग हल्ला मचाते हुए खेत की ओर दौड़े। इस बीच रामनारायण सिंह लहूलुहान हो चुके थे। शोर सुनकर बाघ उसे छोडकर गन्ने के खेत में चला गया। मौके पर पहुंचे परिजन उसे बांकेगंज सीएचसी लाए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

घटना की सूचना पर वन विभाग के अधिकारी, कर्मचारी भी घटना स्थल पर पहुंच गए तथा परिजनों से घटना के संबंध में जानकारी प्राप्त की। घायल व्यक्ति को देखने वन क्षेत्राधिकारी साजिद हसन बांकेगंज अस्पताल पहुंचे लेकिन तब तक परिजन उसे जिला अस्पताल के लिए लेकर चले गए थे। वन क्षेत्राधिकारी ने बताया कि घटना की सूचना पर वह पहुंचे थे। घटना स्थल का भी मौका मुआयना किया है। घायल से प्रार्थना पत्र लेकर मुआवजा दिलाया जाएगा। उन्होंने ग्रामीणों से सतर्क रहने को कहा है।

● वन कर्मियों ने ग्रामीणों के साथ देखा घटना स्थल, लोगों से सतर्क रहने की अपील

रामनारायण सिंह।

गन्ना सेंटर पर पहुंचा बाघ, मची अफरा-तफरी

फरधान, अमृत विचार : शारदानगर वन रेंज के देवकली बीट में सोमवार की दोपहर उस समय हड़कंप मच गया। जब एक बाघ अचानक गन्ने के खेत से निकलकर गुलरिया चीनी मिल के गन्ना क्रय केंद्र अम्बुपुर पहुंच गया। बाघ को देख मिल कर्मचारी और किसान दहशत में आ गए और शोर मचाने लगे। अफरा-तफरी के बीच बाघ फिर से गन्ने के खेतों की ओर चला गया। बाघ की दहशत इतनी थी कि मिल कर्मचारियों ने तत्काल तौल बंद कर दी। कुछ देर बाद हरगांव चीनी मिल के क्रय केंद्र हरिहरपुर बी में भी किसानों ने खेतों के पास बाघ देखा। शोर मचाने पर बाघ वहां से भी खेतों में चला गया। केंद्र पर तैनात चौकीदार दिनेश वर्मा ने बताया कि रविवार रात को भी बाघ की दहाड़ सुनाई दी थी, जिससे ग्रामीण पहले से ही भयभीत थे। डरे-सहमे किसानों ने तुरंत वन विभाग को सूचना दी। डिप्टी रेंजर अमित प्रकाश मिश्रा और वनरक्षक विकास सिंह मौके पर पहुंचे और गन्ने के खेतों में कांबिंग कराई। उन्होंने ग्रामीणों को सतर्क करते हुए कहा कि खेतों में जाने से पहले शोर मचाएं और समूह में ही जाएं। ग्रामीण भूपेंद्र वर्मा, वमेन्द्र वर्मा, रीटू सिंह, सुधीर वर्मा, मलखान सिंह, सुरेश कुमार, हरिओम वर्मा और अनुपम वर्मा ने वन कर्मियों से मांग की है कि खेतों में इन दिनों कटाई-बुआई का कार्य चल रहा है, इसलिए बाघ को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाकर तत्काल कार्रवाई की जाए।

21 हजार दीपकों से जगमगाएगा शारदा तट

संवाददाता, पलिया कलां

अमृत विचार: कार्तिक पूर्णिमा पर शारदा नदी तट पर इस बार भव्य देव दीपावली मनाई जाएगी। आध्यात्मिक श्रीकुल सेवा संस्थान से जुड़े श्रद्धालुओं द्वारा 21 हजार दीपकों को शारदा में प्रवाहित कर एवं आतिशबाजी जलाकर देव दीपावली मनाई जाएगी। जिसकी सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं।

आध्यात्मिक श्रीकुल सेवा संस्थान पलिया के नौ दिवसीय कल्पवास, देव दीपावली एवं महाचंडी यज्ञ का इन दिनों शारदा तट पर आयोजन चल रहा है। जिसमें सोमवार को श्रीकुल उपासक महाराज गोविंद माधव की देख देख में आचार्य प्रेम शंकर शुक्ला, आचार्य सोमेश माधव मिश्रा ने आज रोटरी क्लब अध्यक्ष गगन मिश्रा तथा पीलीभीत से आए कई यजमानों से संकल्प कराकर भगवती देवी चंडी के महायज्ञ में आहुतियां डलवाकर आरती कराई। शारदा तट पर कार्तिक पूर्णिमा को लगने वाले मेले की तैयारियां पूरी कर ली हैं। शारदा पुल सहित समूचे तट क्षेत्र को आकर्षक विद्युत झालरों से सजाया जा रहा है।

गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में निकाली प्रभातफेरी

संवाददाता, पलियाकलां

पलिया में प्रभातफेरी निकालते सिक्ख समुदाय के लोग। ● अमृत विचार

अमृत विचार: सिक्ख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव जी के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में स्थानीय गुरुद्वारा परिसर में गुरु साहब की पालकी के साथ कीर्तन करते हुए प्रभातफेरी निकाली गई। नगर की संपूर्णानगर रोड ,बाईपास रोड, मोहल्ला सुभाष नगर, मोहल्ला इंदिरा नगर व भीरा रोड, व चौकी चौराहा होते हुए पुन गुरुद्वारा पहुंची।

जहां कीर्तनी जत्था ने देर तक कीर्तन- भजन किया। बाद में इसमें शामिल सभी लोगों को भंडारा प्रसाद खिलाया गया। विशेष रूप से गुरुद्वारा प्रबंध समिति अध्यक्ष रेशम सिंह, कमलजीत सिंह, जसमेल सिंह मांगट, भूपेंद्र सिंह, सेवा सिंह, कीर्तन पाल सिंह ,परमजीत सिंह सहित तमाम श्रद्धालु शामिल रहे।

● सिक्ख समुदाय के सैकड़ों श्रद्धालु हुए शामिल

उधर गुरुद्वारे में अखंड पाठक आरंभ हो गया, जिसका बुधवार को भोग पड़ने के बाद दीवान सजाया जाएगा।

Rohilkhand INFERTILITY & IVF CENTRE
Creating life.... completing families.

दिल्ली का जाना-माना IVF सैन्टर
RISAA IVF
Creating life.... completing families.

अब अधूरे सपने होंगे पूरे

निःसन्तानता निवारण टेस्ट ट्यूब सैन्टर

परामर्श शुल्क

₹200/- ₹100/-

दिन : प्रत्येक सोमवार व शुक्रवार
समय : प्रातः 10:00 से 02 बजे तक

उपलब्ध सुविधायें :-
★ निःसन्तानता सम्बन्धित जाँचें
★ टेस्ट ट्यूब बेबी (IVF) रियायती दरो पर
★ लैब टेस्ट भारी छूट पर
★ इन्फर्टीलिटी अल्ट्रासाउंड मात्र 200/- में

अपनी नन्हीं खुशियों को आज ही अपने घर लाये हमारे साथ !

विशेषतायें:-
★ 25 वर्षों के अनुभव के साथ।
★ ICSI, I.U.I., लेप्रोस्कॉपी हिस्ट्रोस्कोपी (दुरबीन द्वारा बच्चेदानी व अंडेदानी की जाँच)
★ उच्चतम सफलता दर ★ विश्वस्तीय आधुनिकतम IVF लैब

देश विदेश में हजारों दम्पत्ति हुए लाभान्वित आइये आप भी यह उम्मीद पाएं.....

स्थान :
IVF सैन्टर Ist Floor न्यू बिल्डिंग कमरा नं. 106

रोहिलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल
सुरेश शर्मा नगर चौराहा, डेंटल कॉलेज रोड, बरेली
हेल्पलाइन नं० 6398018900

पूर्ण एन.ए.बी.एच (NABH) से मान्यता प्राप्त हॉस्पिटल

आज से यात्रियों को मिलेगा ट्रेन का सस्ता सफर

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

ट्रेनों के बंद होने से सूना पड़ा बेलरायां रेलवे स्टेशन। ● अमृत विचार

अमृत विचार: चार महीने से बंद पड़ा मैलानी-नानपारा रेलखंड आखिरकार फिर पटरी पर लौटने को तैयार है। रविवार को इस रूट पर रेलवे इंजीनियरिंग टीम ने सफल ट्रायल किया, जिसके बाद मंगलवार से नियमित ट्रेन संचालन शुरू करने की तैयारी पूरी कर ली है। मंगलवार सुबह से यात्रियों को फिर से सस्ता और सुहाना रेल सफर नसीब होगा।

रेल प्रशासन के मुताबिक बरसात के दौरान 29 जून को अतरिया रेलवे क्रॉसिंग के पास ट्रैक के नीचे से पानी रिसने लगा था। सुरक्षा कारणों से रेलवे ने तत्काल मैलानी से नानपारा के बीच सभी ट्रेनों का संचालन रोक दिया था। चार माह से ट्रेनें बंद होने से भीरा, पलिया, बेलरायां और तिकुनिया से लेकर नानपारा तक जाने वालों को तमाम दिक्कतें हो रही थी। गंतव्य तक जाने में प्राइवेट वाहनों का सहारा लेना पड़ता था। नानपारा तक सीधा साधन न होने से बार-बार वाहन बदलने पड़ते थे। ऐसे में तमाम असुविधाएं होती थी, जबकि सीधी ट्रेन सेवा होने से कम किराए में लोग आराम से गंतव्य तक पहुंच जाते थे। लंबे समय से बंद पड़ी इस लाइन की मरम्मत और मजबूती का काम पूरा होने के बाद रविवार को इंजीनियरिंग टीम ने डीजल इंजन से मैलानी से नानपारा तक ट्रायल रन किया। निरीक्षण में ट्रैक, सिग्नल और प्वाइंट सिस्टम पूरी तरह दुरुस्त पाए गए। मंगलवार को ट्रेन का संचालन शुरू हो जाएगा। ट्रेन बंद होने से भीरा, पलिया, बेलरायां, तिकुनिया से नानपारा तक यात्रियों को भारी परेशानियां झेलनी पड़ रही थीं। लोगों को प्राइवेट गाड़ियों पर निर्भर रहना पड़ा, जिससे यात्रा महंगी और थकाऊ हो गई थी। स्थानीय यात्रियों, व्यापारियों और दैनिक यात्रियों में ट्रेन सेवा बहाली की खबर से खुशी की लहर दौड़ गई है।

नानपारा में खड़ा था रैक

रेलवे अधिकारियों के मुताबिक संचालन सोमवार से ही शुरू हो जाता, लेकिन इसमें रैक का ग्रहण लगा था। अतरिया के पास रेलवे ट्रैक के नीचे से पानी रिसने से जो ट्रेन नानपारा गई थी वह वहीं पर खड़ी करा दी गई थी। अब रविवार को ट्रायल सफल होने पर सोमवार को नानपारा से पहले रैक मैलानी आएगा, जिसके बाद मंगलवार से ट्रेन संचालन शुरू होगा।

क्षेत्र के लोगों का ट्रेन से जहां 10 रुपये में सफर हो जाता था, वहीं बस से अगर जाया जाए तो 100 रुपये खर्च होते थे। अब ट्रेन शुरू होने से राहत मिलेगी। व्यापार को भी गति मिलेगी। -रमाशंकर पांडेय, सामाजिक कार्यकर्ता।

ट्रेनों का संचालन बंद होने से यात्रियों को काफी दिक्कतें उठानी पड़ती थीं। जरूरी काम हो तो अपने वाहन से जाते थे। मिहीपुरवा, नानपारा की तरफ जाने को कोई साधन भी नहीं था। -विनय जायसवाल, व्यापारी बेलरायां।

बसों की तुलना में ट्रेन यात्रा सस्ती है। अब फिर से समय और रुपयों की बचत होगी। वहीं ट्रेनों का आवागमन बंद होने से व्यापार चौपट हो गया था, जिसे गति मिलेगी। -तुषार लाहिड़ी, अध्यक्ष नगर व्यापार मंडल, बेलरायां।

न्यूज ब्रीफ

फंदे से लटका मिला महिला का शव

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : थाना शारदानगर क्षेत्र के गांव नवधन पटना निवासी सर्वेश की 30 वर्षीय पत्नी पूजा का शव रविवार को घर के अंदर कमरे में फंदे से लटकते पाया गया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मृतका के परिजनों ने बताया कि दो दिन पहले ससुरालियों से कहासुनी हुई थी। इसके बाद पूजा अपने मायके सोहरिया गांव चली गई। घटना के एक दिन पहले ही वह ससुराल वापस आई थी। मृतका के अपने पीछे दो छोटे-छोटे बच्चे छोड़ गई है।

जूते-चप्पल की दुकान में लगाई आग

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : थाना खमरिया के खमरिया पंडित निवासी पंकज भार्गव ने बताया कि उनकी बाजार में जूते-चप्पल की दुकान है। शनिवार की रात वह रोजाना की तरह लगभग रात 8 बजे दुकान बंद कर घर चले गए। दुकान के पीछे उनके ताऊ संतराम भार्गव रोज की तरह वहीं सो रहे थे। रात करीब 11 से 12 बजे के बीच पांच-छह लोग बाइक से आए और दुकान में आग लगा दी। जब संतराम ने आग देखी तो वे मौके पर पहुंचे और बुझाने लगे, तभी आरोपियों ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी। आग बुझाने के प्रयास में संतराम के हाथ झुलस गए। पीड़ित ने बताया कि आगजनी की घटना मोहित कुमार पुत्र परमेश्वर, उमेश उर्फ मस्तु पुत्र बाबूराम, कपिल पुत्र राधेश्याम न दो-तीन अज्ञात लोग शामिल थे।

सौर ऊर्जा संयंत्र से तांबे का तार चोरी

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : सेवानिवृत्त पुलिस उपाधीक्षक एवं कंपनी के सुरक्षा सलाहकार सुरेश दत्त मिश्र ने बताया कि कंपनी का सौर संयंत्र ग्राम कफारा में स्थापित है, जो आसपास के क्षेत्रों और टावरों को बिजली आपूर्ति करता है। उन्होंने बताया कि 12 अक्टूबर की रात करीब 12:05 बजे से सुबह 8 बजे के बीच अज्ञात चोरों ने संयंत्र में घुसकर पैनल स्टिंग में लगे 16 एमएम मोटाई के करीब 350 मीटर तांबे के तार को काटकर चोरी कर लिया। संयंत्र पर ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी मनोज कुमार ने सुबह घटना का पता लगते ही सूचना दी। 112 पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच की, लेकिन चोरी की रिपोर्ट दर्ज करने में पुलिस को 20 दिन लग गए। तांबे का तार कट जाने से सौर संयंत्र से बिजली उत्पादन और आपूर्ति ठप हो गई। थाना धौरहरा पुलिस ने सुरेश दत्त मिश्र की तहरीर पर मामला दर्ज कर उपनिरीक्षक पुष्कर वर्मा को जांच सौंपी है।

डॉ. आंबेडकर प्रतिमा को किया क्षतिग्रस्त

पार्क में झंडा उतारकर जलाया, अनुयायियों में आक्रोश, पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

काजरकोरी पार्क में देखते ग्रामीण और पुलिस। ● अमृत विचार

उंगली पर कट का निशान।

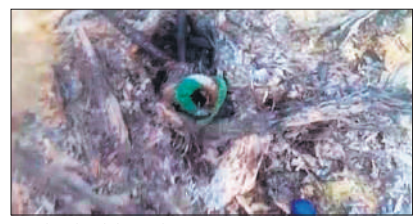

पार्क में जले झंडे के अवशेष।

अमृत विचार: थाना हैदराबाद की अजान चौकी क्षेत्र के गांव काजरकोरी में रविवार की शाम को एक युवक ने डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त करने का प्रयास किया। आरोपी ने प्रतिमा पर लोहे की सरिया से प्रहार कर दिया, जिससे उंगली पर निशान बन गया। आंबेडकर पार्क में लगे पंचशील झंडे को उतारकर भी जला दिया। गांव में बाबा साहब के अनुयायियों में आक्रोश है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

थाना क्षेत्र के गांव काजरकोरी में बने आंबेडकर पार्क में रविवार शाम गांव के ही मनीराम उर्फ मुशी पुत्र मेवालाल वर्मा ने पहुंचकर पार्क में लगे पंचशील झंडे को उतारकर वहीं जला दिया। सिर्फ इतना ही नहीं प्रतिमा क्षतिग्रस्त करने के लिये उंगली पर लोहे की सरिया से निशान बना दिया। ग्रामीणों को जब जानकारी मिली तो वह पार्क में पहुंचे, प्रतिमा की हालत देखी तो उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी।

गांव में बनी कमेटी के अध्यक्ष रंजनीश गौतम, रवि गौतम, राजन गौतम, वीरपाल, बालकराम, विमलेश गौतम आदि ने ग्राम प्रधान सर्वेश कुमार को घटना की जानकारी दी। अध्यक्ष रजनीश गौतम ने बताया कि 20 अक्टूबर को दीपावली पर सोचा कि आंबेडकर परिसर में साफ सफाई करा दी जायेगी, लेकिन अपने घरेलू कामों के कारण नहीं करा पाये। बाबा साहब के अनुयायियों का कहना है कि मनीराम ने लोहे की सरिया से दीवारों पर प्रहार किया और आंबेडकर की मूर्ति पर सरिया से प्रहार किया, जिससे प्रतिमा में उंगली पर हल्के निशान पड़ गए।

रात में ही हैदराबाद थाना प्रभारी सुनील कुमार मलिक मय फोर्स के साथ घटना स्थल पर पहुंचे और आक्रोशित लोगों को शांत करा कराया। पुलिस ने प्रतिमा स्थल का निरीक्षण किया और आसपास के लोगों से पूछताछ कर रजनीश गौतम की तहरीर पर आरोपी मनीराम पुत्र मेवालाल के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

> हैदराबाद थाना क्षेत्र के गांव काजर कोरी में एक युवक द्वारा आंबेडकर पार्क में लगा झंडा उतार कर जला दिया गया तथा मूर्ति पर सरिया मारकर पैंट क्षतिग्रस्त कर दिया था। आरोपी के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत कर उसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।
>
> **-प्रतीक्षा त्रिपाठी,** एसडीएम गोला गोकर्णनाथ।

आंबेडकर की प्रतिमा को तोड़ना झंडा जलाना निंदनीय

आंबेडकर पार्क में नुकसान पहुंचाने से समाज में घृणा और वैमनस्य फैलता है, जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। जो भी व्यक्ति या समूह सार्वजनिक संपत्ति, राष्ट्र प्रतीक या महान व्यक्तित्वों के सम्मान से खिलवाड़ करेगा, उसे भारतीय कानूनों के तहत सख्त सजा दी जानी चाहिए। हम न्याय, शांति और भाईचारे के पक्षधर हैं और किसी भी समुदाय को दोषी ठहराने के बजाय आरोपी को सजा दिलाने की मांग करते हैं। सरकार व न्यायपालिका इस मामले में न्यायोचित और दृढ़ कार्रवाई करें ताकि संविधान की गरिमा और बाबा साहब के आदर्शों की रक्षा हो सके।

-रमाकान्त चौधरी एडवोकेट, संस्थापक अध्यक्ष, मिशन सामाजिक परिवर्तन लखीमपुर खीरी।

गुरु हरिकिशन महाविद्यालय में पोस्टर देखते प्राचार्य डॉ. निर्मल सिंह। ● अमृत विचार

भाषण प्रतियोगिता में अनमोल प्रथम

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

● सड़क सुरक्षा, जागरुकता के लिए हुईं कई प्रतियोगिताएं

अमृत विचार: गुरु हरिकिशन महाविद्यालय में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन हुआ, जिसमें भाषण, निबन्ध, चित्रकला पोस्टर एवं क्विज आदि प्रतियोगिताएं हुईं। भाषण प्रतियोगिता में अनमोल गुप्ता प्रथम, बिट्टू देवी द्वितीय, उत्कर्षा पराशरी तृतीय, निबन्ध प्रतियोगिता में सारा फारूकी प्रथम, उत्कर्षा पराशरी द्वितीय, मुस्कान गुप्ता तृतीय तथा पोस्टर प्रतियोगिता में प्रिया प्रजापति प्रथम, जानवी सिंह द्वितीय, साजिया नूरी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सभी विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा शपथ ग्रहण कराकर सड़क सुरक्षा से सम्बन्धित जागरुकता रैली का आयोजन हुआ। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. निर्मल सिंह ने विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा से सम्बन्धित दिशा निर्देश दिए और यातायात से सम्बन्धित नियमों को पालन करने के लिए प्रेरित किया।

महाविद्यालय के शिक्षक अशोक कुमार वर्मा, सुनील गुप्ता, कन्हैया लाल मिश्रा, पदुमकान्त मिश्रा, सुधाकर मिश्रा, डॉ. आदर्श दीक्षित, आकाश कुमार शर्मा, शान्ती वर्मा, पीयूष वर्मा, अनुराधा रानी, वीरेंद्र प्रजापति आदि प्राध्यापक आदि शामिल रहे।

सुनकर श्रीकृष्ण का जन्म मिलन शिव शंकर आए हैं...

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

● श्रीमद् भागवत कथा में सुनाया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का प्रसंग

अमृत विचार: श्रीमद् भागवत कथा के दौरान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया, जिसमें कथाव्यास ने कंस के अत्याचार और भगवान कृष्ण के जन्म के उद्देश्य का वर्णन किया।

नरोत्तम शास्त्री।

श्रीकृष्ण जन्म होते ही भक्तों ने नंद घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की, सुनकर श्रीकृष्ण का जन्म, मिलन शिव शंकर आए हैं आदि भजनों पर झूमते गाते, जयकारे लगाते हुए पुष्प वर्षा की। श्रद्धालुओं ने माखन मिश्री का भोग लगाया। नगर के नीलकंठ मैदान में हो रही श्रीमद् भागवत कथा के चौथे दिन वृंदावन धाम के कथाव्यास नरोत्तम शास्त्री ने सुनाया कि जब पृथ्वी पर पाप और अत्याचार बढ़ जाते हैं तब धर्म की स्थापना के लिए भगवान अवतार लेते हैं। कंस की कारागार में वासुदेव और देवकी के यहां मध्य रात्रि में जन्म लेने के बाद वासुदेव नवजात श्रीकृष्ण को गोकुल ले गए, जहां मां यशोदा ने उनका पालन पोषण किया।

कंस के अत्याचारी शासन का अंत करने के लिए श्रीकृष्ण ने अवतार लिया था। श्रीकृष्ण जन्म के प्रसंग के साथ ही पंडाल में नंद के आनंद भयो जय कन्हैया लाल की, श्रीकृष्ण गोविंद हरे मुरारी, हे नाथ नारायण वासुदेवा, बंसी वाले ने देर कई अकेली पनिया गई आदि भजनों पर श्रद्धालु झूमते, गाते पुष्प वर्षा की। माखन, मिश्री आदि पकवानों का का भोग लगाया और आरती के बाद प्रसाद श्रद्धालुओं में वितरित किया गया। मुख्य यजमान अमित गुप्ता सप्तनीक, नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू, पंडित मुनेंद्र शुक्ला, विजय वाजपेयी, रमेश चंद्र दीक्षित आदि रहे।

आईसीआईसीआई बैंक पर डीएम की सख्ती

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना में सुस्ती दिखाना आईसीआईसीआई बैंक को भारी पड़ सकता है। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने बैंक को तीन दिन में कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि जवाब संतोषजनक नहीं मिला तो नगर निकायों के खाते अन्य बैंकों में स्थानांतरित कर दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत आईसीआईसीआई बैंक को जिले के 43 लाभार्थियों को ऋण सुविधा देने का लक्ष्य दिया था, लेकिन अब तक कोई प्रगति नहीं हुई है। कई बार हुई बैठकों में शाखा प्रबंधकों को निर्देशित किया गया, फिर भी बैंक की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। जब मामला समीक्षा बैठक में डीएम के संज्ञान में आया, तो उन्होंने तुरंत एक्शन लेते हुए कारण बताओ नोटिस जारी कर दी। नोटिस में डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने लिखा है कि लगातार निर्देशों के बावजूद बैंक की निष्क्रियता अस्वीकार्य है।

दावत में पत्तल लाने की जल्दबाजी बनी मौत की वजह

संवाददाता, बरवर

रोहित।

विजय।

जितेंद्र।

● साले-बहनोई सहित तीन की मौत से खुशियों का माहौल मातम में बदला

अमृत विचार: बरवर मोहम्मदी मार्ग पर सेमराजानीपुर गांव की मोड़ पर रविवार की रात दो बाइकों की टक्कर से साले-बहनोई समेत तीन लोगों की मौत ने सभी को झकझोर कर रख दिया। घर पर नामकरण संस्कार की दावत, उसमें मौजूद सभी नाते रिश्तेदार और मित्र... बस पत्तल कम पड़े तो रात में ही अपने बहनोई के साथ पत्तल लेने के लिए नवजात शिशु का पिता नजदीकी कस्बा बरवर निकल पड़ा, लेकिन दोनों वापस नहीं पहुंच पाये।

मृतकों में विजय (35) पुत्र शिवचरण और जितेंद्र (23) पुत्र राजाराम निवासी शाहपुर जागीर आपस में साले बहनोई थे। दोनों एक ही गांव के निवासी हैं। इसमें साले जितेन्द्र के नवजात पुत्र का नामकरण संस्कार था और उसकी दावत चल रही थी, लेकिन काल चक्र ने सेमरा जानीपुर मोड़ पर दोनों की जिंदगी छीन ली और खुशियां मातम में बदल गईं। जिसने सुना वह सन्न रह गया।

चीख-पुकार और विलाप के बीच सबके मुंह से एक ही आवाज आ रही थी कि क्यों गए पत्तल लेने। इस दुर्घटना में दूसरी मौत रोहित सिंह (32) पुत्र ओंकार सिंह निवासी गांव सेमरा जानीपुर की हुई। रोहित के साथ गांव का ही ऋतिक सिंह पुत्र हरनाम था। ऋतिक गंभीर घायल अवस्था में लखनऊ के मेडिकल कॉलेज में भर्ती है। रोहित मोहम्मदी स्थित हेल्थ केयर डायग्नोस्टिक सेंटर पर लैब में काम करता था। वह रात में वापस अपने गांव आ रहा था कि गांव की मोड़ पर विपरीत दिशा से आ रही जितेंद्र की बाइक टकरा गई। दुर्घटना की खबर सुनकर गांव और परिवार वाले आनन-फानन में मौके पर पहुंचे तो उन्हें संभालना मुश्किल पड़ गया। रोहित के परिवार से जुड़े अरुण कुमार तो बेहोश हो गए, उन्हें मोहम्मदी में भर्ती कराया गया।

रोहित की शादी 13 वर्ष पहले गांव पूजा फूलबेहड़ थाना क्षेत्र के गांव पूजा में रिंकी सिंह से हुई थी। उसके कोई संतान नहीं है। दो छोटे भाई हैं जिनमें मोहित विवाहित है। एक बहन क्षमा अविवाहित है। मृतक विजय की 18 वर्ष पहले गांव के राजाराम की पुत्री मधुबाला के साथ हुई थी। उसके एक बेटी शीतल (15) वर्ष, पुत्र सचिन (13) है। जितेंद्र की शादी दो वर्ष पहले पीलीभीत के थाना सेहरामऊ उत्तरी के बालागंज गांव की अनीता से हुई थी उसी के नवजात शिशु का नाम संस्करण था। उसकी एक छोटी बहन ऋषि अविवाहित है। दोनों गांवों में सोमवार की शाम दुःख और शोक के बीच मृतकों का अंतिम संस्कार किया गया। स्टेट हाइवे पर रात में ट्रैफिक के बिना भी दो बाइकों की तेज टक्कर में आन स्पाट तीन मौतों का होने में यह माना जा रहा है कि एक अपने घर पर चल रही दावत में जल्दी पहुंचने के लिए तेज गति में था और दूसरी बाइक वाला अपने गांव की ओर मुड़ने के लिए स्लो स्पीड में रहा होगा।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें

9756905552, 8445507002

सूचना

मेरी कुल तीन सन्ताने हैं जिनमें दो पुत्र एक पुत्री है मैंने अपने दोनों पुत्रों मौसूप आलम, मुशन्निफ व पुत्री हिरा खातून को उनके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उन्हें अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। **आगाज आलम पुत्र अशफाक निवासी वार्ड नं. 20, कस्बा ककराला थाना अलापुर जनपद बदायूं**

सूचना

मेरा पुत्र अमरपाल पुत्र कल्लू लगभग 30 वर्ष पहले बगैर बताये घर से चला गया था जिसे काफी खोजबीन की गई लेकिन वह नहीं मिला। अगर वह जीवित है तो आज से 15 दिन के अन्दर घर आ जाये वरना उसे मृतक मान लिया जायेगा। **विजय देवी पत्नी कल्लू निवासी देवचरा तहसील आंवला जिला बरेली।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी हाईस्कूल की अंकतालिका वर्ष 2022 में उत्तीर्ण की थी जिसका अनुक्रमांक 1220746224 जन्मतिथि 01.01.2007 है जो वास्तव में कहीं खो गई है जो तलाश करने के बाद भी नहीं मिली है। **भाव्या पुत्री श्री राजवीर सिंह निवासी मो. अम्बेडकर नगर, उदयपुर खास, तहसील व जिला बरेली।**

आवश्यकता है

अनुभवी व्यक्तियों की

- लाइब्रेरियन (अनुभवी)
- लैब टेक्नीशियन (अनुभवी)
- ओ टी टेक्निशियन (फीमेल)
- नर्सिंग स्टाफ (मेल)
- कैंटीन (कुक)
- सफाईकर्मी/स्वीपर

वेतन:- योग्यतानुसार

सम्पर्क करें:-

रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल

सेक्टर-7, रामगंगा नगर योजना डोहरा रोड बरेली

मो:- 8077808309, 9837557497

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

पलिया बचाओ समिति ने डीआरएम रेलवे को भेजा ज्ञापन

पलिया रेलवे स्टेशन पर ज्ञापन देने से पहले बैठक करते संघर्ष समिति के सदस्य।

संवाददाता, पलियाकलां

अमृत विचार: स्थानीय रेलवे स्टेशन पर सोमवार को रेल चलाओ, पलिया क्षेत्र बचाओ संघर्ष समिति की बैठक हुई। बैठक में सदस्यों ने लंबे समय से ट्रेन संचालन की बहाली के लिए चल रहे आंदोलन में सहयोग देने वालों का आभार जताया और डीआरएम रेलवे लखनऊ को रेलवे स्टेशन अधीक्षक के माध्यम से ज्ञापन भेजा।

ज्ञापन में मांग की गई कि मैलानी-नानपारा रेलखंड पर ट्रेनों का संचालन बढ़ाया जाए। साथ ही ट्रेनों का लखनऊ, बरेली और गोंडा जाने वाली ट्रेनों से मिलान किया जाए। ताकि यात्रियों को सुविधा मिल सके। छोटी लाइन पर जल्द ब्रॉड गेज का कार्य प्रारंभ किया जाए। समिति ने चेतावनी दी कि यदि रेलवे प्रशासन ने इस पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की तो लगातार प्रदर्शन व ज्ञापन अभियान चलाया जाएगा। बैठक में निर्णय हुआ कि शारदा और सुहेली नदियों पर ठोकर बांध बनाकर कटान और बाढ़ नियंत्रण के ठोस उपाय किए जाएं तथा रेलवे ट्रैक पर हो रहे रिसाव की स्थायी मरम्मत कराई जाए। बैठक को किसान नेता कमलेश राय, ऐपवा जिलाध्यक्ष आरती राय, भोजपुरी समाज के लल्लन गौड़, अजय तिवारी, ग्रामीण एवं खेत मजदूर सभा के रामकिशुन, बसपा नेता कमरुद्दीन कादरी ने संबोधित किया। इस दौरान शिवदयाल, सनौवर अली, मुमताज रजा, रामप्रवेश मौर्य, हरिनाथ, विश्वकांत त्रिपाठी, उमाशंकर मिश्र, निर्भय नारायण सिंह रहे।

7 नवंबर तक हर बूथ पर बन जाएं कमेटियां

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

समीक्षा बैठक को संबोधित करते कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रह्लाद पटेल। ● अमृत विचार

● जिलाध्यक्ष बोले- हीला हवाली नहीं की जाएगी बर्दाश्त

● कांग्रेस संगठन सृजन अभियान को लेकर समीक्षा बैठक

अमृत विचार: जिला कांग्रेस कमेटी की संगठन सृजन अभियान के तहत समीक्षा बैठक कांग्रेस भवन में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रहलाद पटेल ने की। उन्होंने कहा कि 7 नवंबर तक हर बूथ की कमेटियां बना लें, इसमें लापरवाही किसी कीमत पर क्षम्य नहीं होगी।

जिलाध्यक्ष प्रहलाद पटेल ने कहा कि सभी ब्लॉक व नगर अध्यक्ष बूथ कमेटियों का गठन शीघ्र पूरा करें। निर्वाचन आयोग के कराए जा रहे एसआईआर कार्य के प्रति भी सभी को सजग रहना होगा। साथ ही उन्होंने प्रत्येक बूथ पर बीएलए 2 का गठन आगामी 7 नवम्बर तक पूर्ण करने का निर्देश दिया। बैठक में संभावित विधानसभा प्रभारियों की प्रगति रिपोर्ट की भी समीक्षा की गई। जिलाध्यक्ष ने कहा कि सभी प्रभारी अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर ब्लॉक अध्यक्षों के साथ मिलकर बूथ कमेटियों का गठन सुनिश्चित करें, ताकि संगठन सृजन अभियान तय समय में पूरा किया जा सके। बैठक का संचालन जिला उपाध्यक्ष मोहन चंद्र उप्रेती ने किया। इस दौरान कांग्रेस प्रवक्ता रवि तिवारी, कैप्टन मोनिस अली नकवी, अन्नू मिश्रा, प्रेम वर्मा, राजेंद्र गुप्ता, अब्दुल रहीम, रामजीवन राज, मोनू सिंह, चंद्र प्रभा अवस्थी, कोमल सिंह, किरण पटेल, सरोजनी अवस्थी, पंकज दीक्षित आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

जुनुनापुर में पिंजड़े में कैद हुई मादा तेंदुआ

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: धौरहरा वन रेंज के गांव जुनुनापुर में सोमवार की सुबह उस समय हड़कंप मच गया। जब एक तेंदुआ अचानक आबादी क्षेत्र में घुस आया। ग्रामीणों ने इसकी सूचना वन विभाग को दी। सूचना मिलते ही दुधवा टाइगर रिजर्व की विशेष टीम मौके पर पहुंची और घंटों की मशक्कत के बाद मादा तेंदुए को सकुशल रेस्क्यू कर पिंजड़े में कैद कर लिया।

रेस्क्यू अभियान उप निदेशक दुधवा टाइगर रिजर्व बफर जोन कीर्ति चौधरी के निर्देशन में चलाया गया। उन्होंने बताया कि तेंदुए की स्थिति पूरी तरह सामान्य है। स्वास्थ्य परीक्षण के बाद उसे सुरक्षित रूप से जंगल के प्राकृतिक आवास में छोड़ दिया जाएगा। टीम में रेंजर धौरहरा, वन दरोगा और वनकर्मी शामिल रहे। पूरे अभियान के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुटे रहे, जिन्हें सुरक्षा कारणों से दूर रखा गया। उप निदेशक ने ग्रामीणों से अपील की कि जंगली जानवरों के दिखने पर वे किसी भी स्थिति में खुद न पास जाएं, बल्कि तुरंत वन विभाग को सूचना दें।

पिंजड़े में कैद मादा तेंदुआ। ● अमृत विचार

सड़क हादसे में डॉ. राजा व साथी घायल

मितौली, अमृत विचार : कस्बा निवासी डॉ. फैजान शेग उर्फ राजा बाबू पास जमात अली के साथ रविवार देर रात दोस्त को छोड़ने उमरपुर चठिया गए थे। लौटते वक्त थाना क्षेत्र के कस्ता भीखमपुर मार्ग पर कुतलुपुर गांव के मोड़ पर गन्ना लदी ट्राली से उनकी कार टकरा गई। हादसा इतना भीषण था कि कार के परखच्चे उड़ गए। उसमें बैठे डॉ. राजा व जमात अली गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने कार से उनको निकालकर निजी अस्पताल में भर्ती कराया। डॉ. राजा के बड़े भाई चांद बाबू ने बताया हादसा देर रात हुआ था। अब उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। उनके सिर और गर्दन में चोटें आई हैं। वहीं उनके साथी जमात अली के पैर में चोट आई है। दोनों का उपचार चल रहा है।

संकुल स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताएं संपन्न

संवाददाता, मझगईं

● सकटूपुरवा के खिलाड़ियों का रहा दबदबा

● विजयी प्रतिभागी अब ब्लॉक स्तर पर दिखाएंगे प्रतिभा

अमृत विचार: संकुल स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता सोमवार को संपन्न हुई। प्रतियोगिता में प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्तर के तमाम छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विजयी प्रतिभागी अब ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

निघासन ब्लॉक की न्याय पंचायत गंगाबेहड़ के तहत संविलियन विद्यालय सकटूपुरवा में आयोजित इस प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया।

प्राथमिक स्तर पर कबड्डी बालक वर्ग में सकटूपुरवा प्रथम तथा खैरहना द्वितीय स्थान पर रहा। खो-खो बालक वर्ग में भी यही परिणाम रहा। 50 मीटर दौड़ में सकटूपुरवा के निहाल ने पहला स्थान प्राप्त किया, जबकि खैरहना के दिलीप दूसरे और द्वारिकापुरवा के रमन तीसरे स्थान पर रहे। 100 मीटर दौड़ में छेदुई के ताबिश अली ने बाजी मारी। बालिका वर्ग में कबड्डी व खो-खो दोनों प्रतियोगिताओं में सकटूपुरवा की टीम विजेता रही। उच्च प्राथमिक स्तर पर ऊंची कूद बालक वर्ग में द्वारिकापुरवा प्रथम तथा छेदुई पतिया द्वितीय स्थान पर रहा।

प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों में जबरदस्त उत्साह और जोश देखने को मिला। इस अवसर पर धर्मेंद्र सिंह, राजीव कुमार पांडे, मुदित सक्सेना, सतीश लोधी, मुन्नालाल और परमिंदर यादव सहित विद्यालय के शिक्षक व बड़ी संख्या में अभिभावकों मौजूद रहे।

रोजगार व कौशल विकास के नए अवसर बताए

संवाददाता, लखीमपुर खीरी

छात्र-छात्राओं को जानकारी देते प्रोफेसर हेमंत पाल। ● अमृत विचार

● युवराज दत्त कॉलेज में करियर काउंसलिंग का आयोजन

अमृत विचार: युवराज दत्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय में सोमवार को करियर काउंसलिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में छात्रों को विभिन्न रोजगारपरक पाठ्यक्रमों और कौशल विकास के अवसरों के बारे में जानकारी दी गई।

कार्यशाला में आईआईएसई ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन, लखनऊ की डा. प्रेरणा त्रिपाठी, डा. संजोली केडिया एवं आविष्कार गुप्ता ने छात्रों को कौशल विकास, मानव संसाधन, मास कम्युनिकेशन और रोजगारपरक क्षेत्रों से संबंधित मार्गदर्शन दिया। उन्होंने छात्रों के प्रश्नों का उत्तर देकर उनकी करियर संबंधी जिज्ञासाओं का समाधान भी किया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. हेमंत पाल ने कहा कि वर्तमान समय में युवाओं को पारंपरिक शिक्षा के साथ-साथ कौशल आधारित पाठ्यक्रमों को भी अपनाना चाहिए, ताकि स्वरोजगार के अवसर बढ़ सकें। कार्यशाला का संचालन प्रो. सुभाष चंद्रा ने किया। इस दौरान प्रो. ज्योति पंत, प्रो. विशाल द्विवेदी सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

अमृत विचार

बरेली, मंगलवार, 4 नवंबर 2025

लखनऊ को पांच जिलों से जोड़ेगा विज्ञान पथ

उत्तर प्रदेश स्टेट कैपिटल रीजन के लिए 250 किलोमीटर लंबी 6 लेन सड़क परियोजना को मंजूरी, एलडीए बनाएगा डीपीआर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- लखनऊ, सीतापुर, उन्नाव हरदोई, बाराबंकी और रायबरेली जिलों से गुजरेगी सड़क

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश स्टेट कैपिटल रीजन (यूपी एससीआर) में यातायात व्यवस्था और क्षेत्रीय संपर्क को मजबूत करने के लिए शासन ने 250 किमी छह लेन की 'विज्ञान पथ' को हरी झंडी दिखा दी है। लखनऊ को पांच जिलों से जोड़ने के लिए लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) को इस महत्वाकांक्षी सड़क परियोजना की डीपीआर बनाने के निर्देश दिए गए हैं।

एनसीआर की तरह प्रदेश की राजधानी समेत छह जिलों को मिलाकर यूपी एससीआर बनाया जा रहा है। इसमें लखनऊ, सीतापुर, उन्नाव, हरदोई, बाराबंकी और रायबरेली के करीब 26,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल को शामिल किया गया है। जीआइएस आधारित क्षेत्रीय महायोजना तैयार करने के लिए कंसल्टेंट के रूप में एईकाम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड व एजीस इंडिया कंसल्टिंग इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड के कंसोर्टियम का चयन हो चुका है। कंसल्टेंट कंपनी एक वर्ष में रीजनल प्लान तैयार करेगी। कंपनी अगले पांच वर्ष में रीजनल प्लान के मुताबिक परियोजनाओं को चिह्नित करते हुए उनका डीपीआर तैयार करके स्थल पर परियोजनाओं को क्रियान्वित कराने का कार्य कराएगी। नगर विकास विभाग ने यूपी एससीआर में करीब 250 किलोमीटर लंबे और छह लेन चौड़े विज्ञान पथ की कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए हैं। विज्ञान पथ से लखनऊ से हरदोई, सीतापुर, बाराबंकी, रायबरेली और उन्नाव को सीधे जोड़ा जाएगा। विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) में यह मार्ग राजधानी के चारों ओर एक बाह्य परिधीय कनेक्टिविटी की तरह काम करेगा, जिससे शहर के अंदर आने वाले भारी वाहनों और लंबी दूरी के ट्रैफिक का दबाव काफी हद तक कम होने की उम्मीद है।

शहीद पथ और किसान पथ के बाद तीसरा बड़ा कॉरिडोर

- राजधानी में पहले से दो प्रमुख लिंक शहीद पथ और किसान पथ संचालित हैं। इन दोनों ने शहर के दक्षिण और पूर्वी हिस्से में यातायात का संतुलन साधा है। अब विज्ञान पथ के जुड़ने से शहर के उत्तर और पश्चिम हिस्से को भी वैकल्पिक मार्ग मिलेगा। योजना के अनुसार, यह मार्ग विभिन्न प्रमुख हाइवे और राज्य मार्गों से जुड़ते हुए एक पूर्ण रिंग रोड का स्वरूप लेगा। इसके साथ ही प्रस्ताव है कि मार्ग के किनारे औद्योगिक क्षेत्र, लॉजिस्टिक हब, संस्थागत और आवासीय ज़ोन विकसित किए जाएं, ताकि क्षेत्रीय विकास को नया आयाम मिले।

एलडीए ने शुरू की प्रारंभिक सर्वेक्षण

- नगर विकास विभाग के अधिकारियों के अनुसार, परियोजना के लिए प्रारंभिक सर्वेक्षण और संभावित भूमि चिह्नांकन का काम शुरू हो चुका है। विस्तृत परियोजना रिपोर्ट को एससीआर योजना में जोड़ा जा रहा है। इस योजना के तहत सड़क की संभावित लागत, निर्माण चरण, भूमि आवश्यकताएं और वित्तीय मॉडल तय किए जाएंगे। परियोजना का उद्देश्य केवल शहर का यातायात सुधारना नहीं, बल्कि लखनऊ को एक रिंग-इकोनॉमिक ज़ोन के रूप में विकसित करना भी है। इससे न सिर्फ शहर के बाहरी क्षेत्रों में विकास को गति मिलेगी, बल्कि रोजगार और निवेश के नए अवसर भी खुलेंगे।

न्यूज ब्रीफ

पर्यटन स्थल के रूप में विकसित हों बड़े गो आश्रय स्थल

अमृत विचार, लखनऊ : पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने बड़े गो आश्रय स्थलों में उपलब्ध भूमि को गो पर्यटन के रूप में विकसित किए जाने को लेकर तेजी से कवायद किए जाने का निर्देश दिया है। प्रदेश में ऐसी जमीनों पर पीपीपी मोड पर यह प्रोजेक्ट विकसित किया जाएगा। मंत्री ने यह भी हिदायत दी कि गो आश्रय स्थलों में जो भी सुविधाएं अनुमन्य हैं वह पूरे रूप से उपलब्ध कराई जाएं। पशुधन मंत्री के मुताबिक, गोशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने पर निरन्तर कार्य किया जाए और इसमें स्थानीय जनप्रतिनिधियों का भी सहयोग लिया जाए। उन्होंने कहा है कि भूसा व साइलेज टेंडर प्रक्रिया नियमानुसार सम्पन्न कराई जाए और जहां से भी टेंडर की दरों में भिन्नता की शिकायत प्राप्त हो, वहां जांच कर आवश्यक कवायद की जाए।

दिन में धूप, रात में सर्दी फिर पड़ेगा कोहरा

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश में अब दिन में धूप, रात में सर्दी और उसके बाद कोहरा पड़ने की संभावना है। पश्चिमी-उत्तर हवा की वजह से प्रदेश में मौसम बदलेगा। फिलहाल पश्चिमी और पूर्वी संभाग में कोई चेतावनी नहीं जारी की गई है। हालांकि आने वाले दिनों में बढ़ती सर्दी का असर पश्चिमी उत्तर प्रदेश तक देखा जाएगा। राष्ट्रीय राजधानी में पिछले कुछ दिनों से अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के आसपास है, लेकिन न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे जा चुका है। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से आने वाले कुछ दिनों तक यहां बूंदाबांदी और उत्तर-पश्चिमी हवाओं का असर रहेगा, जिससे सर्दी बढ़ेगी। हवा की दिशा बदलने से प्रदूषण में भी अस्थायी बढ़ोतरी हो सकती है। वहीं, तीन-चार दिन बाद हालात सुधरने शुरू हो जाएंगे। कुछ दिनों में न्यूनतम तापमान चार डिग्री तक नीचे जा सकता है।

बुनकरों के बिजली फ्लैट रेट दर में संशोधन जल्द

अमृत विचार, लखनऊ : अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने बुनकरों को आश्वासन दिया है कि पसमांदा-बुनकर समाज द्वारा बिजली के फ्लैट रेट को और कम किए जाने की मांग पर मुख्यमंत्री ने गंभीरता से विचार किया है, और इस दिशा में सरकार शीघ्र ही ठोस निर्णय लेगी। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य केवल योजनाएं चलाना नहीं, बल्कि हर बुनकर परिवार को आत्मनिर्भर और सम्मानजनक जीवन देना है। दानिश आजाद अंसारी के मुताबिक, अटल बिहारी वाजपेयी पावरलूम विद्युत फ्लैट रेट योजना के माध्यम से सरकार बुनकरों को सस्ती दर पर बिजली उपलब्ध करा रही है, जिससे उनके व्यवसाय को नई ऊर्जा मिली है। मंत्री ने यह भी बताया कि बुनकर कार्ड योजना, बुनकर सौर ऊर्जा योजना और प्रधानमंत्री मुद्रा योजना जैसी योजनाओं के माध्यम से सरकार बुनकरों को वित्तीय सहायता और तकनीकी सशक्तिकरण प्रदान कर रही है।

दो आईएएस अधिकारियों के कार्यभार में बदलाव

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य सरकार ने दो आईएएस अधिकारियों के कार्यभार में बदलाव किया है। इस संबध में सोमवार को जारी आदेश के अनुसार प्रयागराज विकास प्राद्यिकरण के उपाध्यक्ष ऋषिराज को माघ मेलाधिकारी का अतिरिक्त प्रभार मिला है। वहीं, कृषि निदेशालय के अपर निदेशक प्रशासन एवं अपर मेलाधिकारी कुंभ मेला दयानंद प्रसाद अब इसी पद के साथ माघ मेला का भी प्रभार संभालेंगे।

रालोद का राष्ट्रीय अधिवेशन 16 को

अमृत विचार, लखनऊ : राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) का राष्ट्रीय अधिवेशन आगामी 16 नवम्बर 2025 को मथुरा में आयोजित किया जाएगा। इस अधिवेशन में राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की घोषणा की जाएगी। इस ऐतिहासिक अधिवेशन में देशभर से रालोद के सभी प्रतिनिधि शामिल होंगे। यह जानकारी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) त्रिलोक त्यागी ने सोमवार को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रालोद का सदस्यता अभियान 14 अप्रैल 2025, डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती के अवसर पर आरम्भ किया गया था, जो 31 अक्टूबर पटेल की जयंती तक चला।

प्रदेशवासियों की सुरक्षा को सरकार संकल्पित

जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने समयबद्ध निस्तारण व फीडबैक लेने का दिया निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बिहार की चुनावी रैली में जाने से पहले सोमवार सुबह ''जनता दर्शन'' में लोगों की समस्याएं सुनी। अफसरों को निर्देश दिया कि निश्चित समयावधि में उचित निस्तारण कराएं और पीड़ितों से फीडबैक लें। लोगों से मिलने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार हर प्रदेशवासियों की सुरक्षा और सम्मान के लिए संकल्पित है।

जनता दर्शन में लगभग 60 से अधिक पीड़ितों ने एक-एक कर अपनी समस्या से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। कई पीड़ितों ने पुलिस कार्रवाई पर असंतोष जताया। पीड़ितों ने चोरी की घटना के अनावरण के बाद भी रिकवरी न होने पर असन्तुष्टि जताई। साथ ही जमीन कब्जे की भी शिकायत मुख्यमंत्री के समक्ष रखी गई। इस पर मुख्यमंत्री ने इसकी जांच कर तत्काल कब्जा हटवाने के निर्देश दिए। एक पीड़ित ने इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मांग की। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सिर्फ अस्पताल से एस्टिमेट बनवाकर भिजवाइये और अपने मरीज का ध्यान रखिये। बाकी हम पर छोड़ दीजिए। धन के अभाव में किसी पीड़ित का इलाज नहीं रुकेगा। सरकार हर जरूरतमंद के इलाज के लिए पहले दिन से ही खड़ी है। मुख्यमंत्री ने ''जनता दर्शन'' में लोगों के साथ आए बच्चों का हालचाल जाना। नन्हे-मुन्नों के सिर पर हाथ फेर दुलार किया और अपनत्व का अहसास कराया। सीएम योगी ने सभी बच्चों को चॉकलेट दी। उन्होंने बच्चों से कहा कि खूब पढ़ो-जमकर खेलो और माता-पिता का नाम रोशन करो।

लखनऊ में जनता दर्शन के दौरान लोगों की समस्याएं सुनते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। ● अमृत विचार

वोटर लिस्ट का विशेष गहन पुनरीक्षण आज से

अमृत विचार, लखनऊः उत्तर प्रदेश में मंगलवार से वोटर लिस्ट का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) शुरू हो जाएगा। इस दौरान 1.62 लाख बीएलओ घर-घर जाकर गणना प्रपत्र बांटेंगे और फिर उनसे जमा भी करेंगे। वह मतदाताओं को दो प्रतियों में गणना प्रपत्र देंगे। जिसके जरिए से वोटर लिस्ट का पुनरीक्षण कार्य किया जाएगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा की ओर से पारदर्शी ढंग से एसआईआर किए जाने के आदेश दिए गए हैं।

बीएलओ चार दिसंबर तक इय कवायद करेंगे और फिर संग्रह भी करेंगे। माना जा रहा है कि उन्हें इस कार्य के लिए तीन-तीन बार लोगों के घर जाना पड़ सकता है। गणना प्रपत्र पर मतदाता का नाम, एपिक संख्या, भाग संख्या, क्रम संख्या, विधानसभा का नाम एवं राज्य की प्रविष्टियां पहले से भरी होंगी और फोटो भी पहले से छपी होगी। बाकी जन्म तिथि, आधार संख्या (वैकल्पिक), पिता व अभिभावक का नाम, एपिक संख्या, माता का नाम एपिक संख्या, पति-पत्नी का नाम (यदि लागू हो) और पति या पत्नी की एपिक संख्या (यदि उपलब्ध हो) इसे भरेंगे।

गणना प्रपत्र में वर्ष 2003 में हुए एसआईआर की निर्वाचक नियमावली से संबंधित विवरण भी मतदाता भरेंगे। मतदाता भारत निर्वाचन आयोग के पोर्टल http://voters.eci.gov.in से वर्ष 2003 की मतदाता सूची में अपना व परिवार का नाम देखा जा सकता है। अगर किसी व्यक्ति का नाम वर्ष 2003 की मतदाता सूची में नहीं है और यदि उसके संबंधी का नाम इसमें शामिल है तो वह इसकी जानकारी गणना प्रपत्र में भरेगा।

13 जिलों के फैमिली कोर्ट में प्रधान न्यायाधीशों की तैनाती

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- शासनादेश जारी, इलाहाबाद हाईकोर्ट की सहमति से राज्यपाल ने दी नियुक्ति
- बरेली, रामपुर, शाहजहांपुर, लखनऊ,कानपुर देहात, कासगंज में हुए फेरबदल

अमृत विचार: शासन ने राज्य के 13 जिलों में फैमिली कोर्ट (कुटुंब न्यायालय) के नए प्रधान न्यायाधीशों की तैनाती का आदेश जारी किया है। यह नियुक्तियां कुटुंब न्यायालय अधिनियम, 1984 की धारा 4 और उत्तर प्रदेश कुटुंब न्यायालय नियमावली, 1995 के तहत इलाहाबाद उच्च न्यायालय की सहमति से राज्यपाल ने दी है।

शासनादेश के अनुसार पीठासीन अधिकारी, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, शाहजहांपुर रूपेश रंजन को प्रधान न्यायाधीश, फैमिली कोर्ट, गाजीपुर तैनात किया गया है, जबकि पीठासीन अधिकारी, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, सीतापुर शकील-उर-रहमान को प्रधान न्यायाधीश, फैमिली कोर्ट, कासगंज बनाया गया है। इसी तरह पीठासीन अधिकारी, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, बिजनौर संजीव फौजदार को प्रधान न्यायाधीश, फैमिली कोर्ट, अलीगढ़, पीठासीन अधिकारी, वाणिज्यिक न्यायालय, अलीगढ़ विवेक त्रिपाठी को प्रधान न्यायाधीश, फैमिली कोर्ट, औरैया और पीठासीन अधिकारी, वाणिज्यिक न्यायालय, बरेली देवराज प्रसाद सिंह को प्रधान न्यायाधीश, फैमिली कोर्ट, मैनपुरी बनाया गया है। जबकि वर्तमान में प्रधान न्यायाधीश, फैमिली कोर्ट, बिजनौर पीयूष पांडेय को इसी पद पर हापुड़ भेजा गया है।

पीठासीन अधिकारी, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, हाथरस सुधीर कुमार (चतुर्थ) को प्रधान न्यायाधीश, फैमिली कोर्ट, बिजनौर, पीठासीन अधिकारी, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, ललितपुर अरविंद कुमार (द्वितीय) को प्रधान न्यायाधीश, फैमिली कोर्ट, रामपुर, प्रधान न्यायाधीश, फैमिली कोर्ट, गाजीपुर नरेंद्र कुमार (तृतीय) को इसी पद पर शाहजहांपुर, पीठासीन अधिकारी, भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन प्राधिकरण, वाराणसी किरण पाल सिंह को प्रधान न्यायाधीश, फैमिली कोर्ट, चंदौली, अपर प्रधान न्यायाधीश, फैमिली कोर्ट, लखनऊ कल्पना को प्रधान न्यायाधीश, फैमिली कोर्ट, रामाबाई नगर (कानपुर देहात), अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, कासगंज शक्ति तोमर को अब प्रधान न्यायाधीश, फैमिली कोर्ट, मऊ, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश और हरदोई प्रीति श्रीवास्तव (द्वितीय) को प्रधान न्यायाधीश, फैमिली कोर्ट, जौनपुर में तैनाती दी गई है। यह सभी नियुक्तियां इलाहाबाद उच्च न्यायालय के प्रशासकीय प्रस्ताव संख्या 294/एडमिन (सेवायें)/2025 के आधार पर की गई हैं। शासनादेश पर मुख्य सचिव विनोद सिंह रावत और विशेष सचिव दिनेश सिंह के हस्ताक्षर हैं।

जनता की सुविधा को प्राथमिकता दें

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- ऊर्जा एवं नगर विकास मंत्री ने अधिकारियों को दिए निर्देश

अमृत विचार : ऊर्जा एवं नगर विकास मंत्री ए.के. शर्मा ने कहा कि जनता की समस्याओं का त्वरित और गुणवत्तापूर्ण समाधान हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसलिए जनसामान्य के कार्यो में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी, बल्कि अधिकारी संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए जनता की सुविधा को प्राथमिकता दें।

मंत्री ने सोमवार को राजधानी स्थित अपने कैंप कार्यालय में जनसुनवाई करते हुए आम नागरिकों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि जनता और शासन के बीच सीधा संवाद और विश्वास का माध्यम है। बड़ी संख्या में आए फरियादियों ने विद्युत आपूर्ति, बिल सुधार, ट्रांसफार्मर परिवर्तन, सड़क निर्माण, जल निकासी, सीवरेज व्यवस्था, पार्कों के रखरखाव और नगर निगम सेवाओं से संबंधित शिकायतें रखीं। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को शीघ्र और स्थायी निस्तारण के निर्देश दिए। साथ ही अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी लंबित शिकायतों की साप्ताहिक समीक्षा की जाए और प्रत्येक मामले को कार्यालय में सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित की जाए, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही बनी रहे।

फोन कर बिजली समस्या सुलझाई

- सुल्तानपुर से आए एक फरियादी की शिकायत पर एके शर्मा ने तत्काल संज्ञान लिया और मध्यांचल विद्युत वितरण निगम की प्रबंध निदेशक रिया केजरीवाल से फोन पर बात कर समस्या के तुरंत समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कोई भी शिकायत बिना निस्तारण के लंबित नहीं रहनी चाहिए। जनता की सुविधा ही हमारी जिम्मेदारी है।

आज से चलेगी लखनऊ-दुधवा वातानुकूलित बस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- लखनऊ के कैसरबाग बस स्टेशन से प्रतिदिन सुबह 8 बजे चलेगी बस
- सीतापुर बाईपास, लखीमपुर बाईपास होते हुए 13:30 बजे दुधवा पहुंचेगी

अमृत विचार : परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया कि लखनऊ के कैसरबाग बस स्टेशन से दुधवा नेशनल पार्क तक वातानुकूलित बस सेवा मंगलवार से शुरू होगी। इससे प्रदेश में पर्यटन को प्रोत्साहन मिलने के साथ ही पर्यटकों को सुरक्षित, सुगम व आरामदायक परिवहन सुविधा उपलब्ध होगी।

परिवहन मंत्री ने बताया कि यह सेवा 4 नवम्बर 2025 से पायलट प्रोजेक्ट के रूप में 15 दिनों के लिए प्रारंभ की जा रही है। बस सेवा का संचालन अवध डिपो से किया जाएगा।

यह बस प्रतिदिन सुबह 8:00 बजे लखनऊ कैसरबाग बस स्टेशन से प्रस्थान कर सीतापुर बाईपास, लखीमपुर बाईपास होते हुए अपराह्न 13:30 बजे दुधवा नेशनल पार्क पहुंचेगी। वापसी में बस दुधवा से 14:30 बजे चलकर रात्रि 20:00 बजे लखनऊ पहुंचेगी। उन्होंने बताया कि वातानुकूलित 2X2 बाईपास बस सेवा का किराया 487 रुपये निर्धारित किया गया है।

इस सेवा से दुधवा नेशनल पार्क जाने वाले पर्यटकों को एक सुखद और सुरक्षित यात्रा अनुभव मिलेगा। परिवहन मंत्री ने कहा कि ये योजना पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह के प्रस्ताव पर लागू की जा रही है। यह पहल प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों को राजधानी लखनऊ से बेहतर जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पर्यटन मंत्री ने कहा कि इस पहल से प्रदेश के पर्यटन स्थलों की कनेक्टिविटी और पर्यटन कारोबार दोनों को बढ़ावा मिलेगा। सफल संचालन के बाद इस सेवा को नियमित रूप से संचालित करने पर विचार किया जाएगा।

तैयारी | सिर्फ एमओयू नहीं होगा, निवेश प्रस्तावों को जमीन पर दिखाएगी योगी सरकार

चुनावी मोड में अहम होगी पांचवीं ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- जिला व विभागों को लक्ष्य के साथ नगर पंचायतों तक विकास का नया फंड-मॉडल

यूपी की चार ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी का रिकॉर्ड

आयोजन वर्ष	निवेश प्रस्ताव (करोड़ रु)	धरातल पर उतरे प्रोजेक्ट (%)	अनुमानित रोजगार
2018	61,500	73%	81,000
2019	65,000	68%	90,000
2022	80,000	60%	1.25 लाख
2023	1,65,000	52%	2.5 लाख

अमृत विचारः विधानसभा चुनाव के मद्देनजर योगी सरकार पांचवीं ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी-V) की रूपरेखा में काफी बदलाव कर रही है। औद्योगिक विकास विभाग ने इस बार आयोजन को केवल निवेश प्रदर्शन तक सीमित न रखकर, हर जिले और विभाग को निवेश का स्पष्ट टारगेट सौंपा है। इसका मकसद है कि निवेश समझौते अब कागज पर नहीं, जमीन पर उतरते नजर आएं। सरकार सिर्फ एमओयू नहीं करेगी, बल्कि निवेश प्रस्तावों को जमीन पर उसी समय उतारने की योजना बना रही है।

विभाग ने सभी जिलों और विभागों को एक मानक रिपोर्टिंग शीट भेजी है। जिसमें उन्हें हर सप्ताह अपनी प्रगति रिपोर्ट देनी होगी। इसमें निवेश प्रस्तावों की स्थिति, भूमि आवंटन, एनओसी, और परियोजनाओं की मंजूरी से जुड़ी सूचनाएं शामिल होंगी। इस बार सरकार ने निवेश कार्यान्वयन को लेकर सिंगल-पॉइंट सिस्टम बनाया है। हर विभाग और हर जिले में नोडल अधिकारी नियुक्त किए जा रहे हैं, जिनका मुख्य काम निवेशकों की दिक्कतें मौके पर ही सुलझाना होगा।

सबसे बड़ा लक्ष्य उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) को दिया गया है। विभाग ने यूपीसीडा को करीब 70,000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों को जमीन पर उतारने का दायित्व सौंपा है। औद्योगिक विकास आयुक्तालय इन प्रोजेक्ट्स की हर सप्ताह समीक्षा करेगा। सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री कार्यालय ने भी अब इस आयोजन की निगरानी सीधे अपने स्तर से शुरू कर दी है। हर प्रस्ताव का अद्यतन विवरण सीएम डैशबोर्ड पर अपलोड किया जाएगा ताकि प्रगति पारदर्शी ढंग से मॉनिटर हो सके।

छोटे शहरों को भी 'बराबर हिस्सेदारी' की नीति

- औद्योगिक विकास विभाग के साथ-साथ नगर विकास विभाग ने तय किया है कि नगर पंचायतों को आबादी के अनुपात में विकास फंड आवंटित किया जाएगा। खास बात यह है कि यह फंड सभी नगर पंचायतों में बराबर-बराबर वितरित किया जाएगा ताकि विकास का फायदा छोटे कस्बों तक पहुंचे। फिलहाल प्रदेश में 545 नगर पंचायतें हैं। इनमें से नई गठित पंचायतों में यह व्यवस्था अनिवार्य रूप से लागू की जाएगी। उनसे विकास कार्यों के प्रस्ताव ऑनलाइन लिए जाएंगे और स्वीकृत राशि सीधे पोर्टल पर अपलोड की जाएगी।

फंड उपयोग का ट्रैक रखने को बनेगा पोर्टल

- निकायों द्वारा प्राप्त फंड की खर्च रिपोर्टिंग के लिए एक डिजिटल पोर्टल विकसित किया जा रहा है। स्थानीय निकाय निदेशालय इसके लिए ढांचा तैयार कर रहा है, ताकि हर खर्च का ऑनलाइन रिकॉर्ड उपलब्ध हो। इस पोर्टल पर पंचायतों को अपने प्रोजेक्ट की फोटो, प्रगति रिपोर्ट और भुगतान विवरण अपलोड करने होंगे। इससे निगरानी और पारदर्शिता दोनों बढ़ेंगी। सूत्रों का कहना है कि सरकार का लक्ष्य इस आयोजन के जरिए अब तक मिले साढ़े चार लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों को कार्यान्वयन के स्तर पर ले जाना है।

लंदन में महकेगा कन्नौज का इत्र

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- परंपरा, विरासत और संस्कृति से लुभाएंगे विदेशी पर्यटकों को

अमृत विचार: ब्रिटेन की राजधानी लंदन में 4 से 6 नवम्बर तक होने वाले 'वर्ल्ड ट्रैवल मार्केट' (डब्लूटीएम) में कन्नौज का इत्र महकेगा तो बुद्ध के संदेश उत्तर प्रदेश की पहचान को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे। वर्ल्ड ट्रैवल मार्केट में यूपी टूरिज्म के स्टॉल पर कन्नौज की इत्र विरासत, प्रयागराज-अयोध्या-काशी का स्पिरिचुअल ट्रायंगल, ताजमहल, अयोध्या श्रीराम मंदिर, बौद्ध सर्किट और अन्य प्रमुख पर्यटन स्थलों का प्रदर्शन किया जाएगा।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने सोमवार को जारी बयान में कहा कि डब्लूटीएम पर्यटन उद्योग की दिशा तय करता है। उप्र. अपनी सांस्कृतिक विविधता, आध्यात्मिक विरासत और पर्यटन संभावनाओं के माध्यम से विश्व पर्यटन मानचित्र पर मजबूत उपस्थिति दर्ज कराएगा। साथ ही उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश भगवान बुद्ध से जुड़े छह पवित्र स्थल सारनाथ, कुशीनगर, संकिसा, कपिलवस्तु, कौशांबी और श्रावस्ती हैं। इन स्थलों को जोड़ने वाला 'बौद्ध सर्किट' अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों के लिए 'बोधि यात्रा' का मार्ग प्रशस्त करता है, जिसे डब्ल्यूटीएम में प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि कन्नौज का इत्र उत्तर प्रदेश की प्राचीन सुगंध कला की पहचान है। जब यह खुशबू लंदन में फैलेगी, तो प्रदेश की सांस्कृतिक समृद्धि और कारीगरों की कला को वैश्विक पहचान मिलेगी।उन्होंने कहा कि ऐसे अंतरराष्ट्रीय आयोजन न केवल निवेश और रोजगार के अवसर बढ़ाते हैं, बल्कि उत्तर प्रदेश को वैश्विक पर्यटन का केंद्र बनाने में भी अहम भूमिका निभाते हैं।

पर्यटन केवल करियर नहीं, विकास का माध्यम भी : जयवीर

- अमृत विचार, लखनऊ : पर्यटन केवल करियर का क्षेत्र नहीं है, बल्कि देश और प्रदेश के सर्वांगीण विकास का एक सशक्त माध्यम है। इससे न केवल हम अपनी संस्कृति, परंपराओं और विरासत को संरक्षित करते हैं बल्कि उन्हें वैश्विक पहचान भी दिलाते हैं। नई पीढ़ी की कल्पना शक्ति और ऊर्जा पर्यटन क्षेत्र को नई दिशा देने में सक्षम है। ये बात पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने सोमवार को अपने आवास पर 'टूरिज्म टेल्स – बचपन की नजर से' प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित करने के दौरान कही।

न्यूज ब्रीफ

युवक की जेब काटकर उड़ाए 64 हजार रुपये

बरेली, अमृत विचार : प्रेमनगर थाना क्षेत्र में एक युवक की ई-रिक्शा पर बैठे लोगों ने जेब काटकर 64 हजार रुपये उड़ा दिए। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। गांव खडारामनगर थाना देवरनिया निवासी राजकुमार ने बताया कि 31 अक्टूबर को घर से बरेली आ रहा था। रास्ते में मिनी बाईपास इज्जतनगर से आगे कुदेशिया ओवर ब्रिज से पहले एक ई-रिक्शा पर बैठ गया, जो कि कोहाड़ापीर जा रही थी। रास्ते में दो युवक बैठ गए। दोनों ने उनकी जेब काट कर64 हजार रुपये चोरी कर लिए।

पुलिस कर्मचारी बताकर महिला से 2500 रुपये ठगे

बरेली, अमृत विचार : बारादरी थाना क्षेत्र की एक महिला को ठगों ने फोन कर खुद को पुलिस कर्मी बता कर 25 सौ रुपये की ठगी कर ली। महिला की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। शहामतगंज निवासी महिला ने बताया कि 7 अक्टूबर को उसने बहेड़ी थाने में एक छेड़छाड़ की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोप है कि उसके पास 8 अक्टूबर को फोन आया। फोन करने वाले ने खुद को बहेड़ी थाने से पुलिस कर्मी बता कर ऑनलाइन 2500 रुपये डलवा लिए, बाद में उसे पता चला कि शशि यादव नाम का कोई पुलिस कर्मी नहीं है।

फर्जी जीएसटी अधिकारी की एसएसपी से शिकायत

बरेली, अमृत विचार : फरीदपुर इंडस्ट्रियलिस्ट एसोसिएशन के प्रेसिडेंट गुरप्रीत सिंह ने बताया कि संस्था की सदस्य एवरग्रीन ट्रेडर्स की प्रोपराइटर शाहजहांपुर निवासी रिचा मोंगा का फोन आया कि जीएसटी के अधिकारी ने उनके लकड़ी के ट्रक को रोककर एक लाख रुपये जुर्माना डालने की बात कह रहे हैं। जब फोन पर कांफ्रेंस कॉल के माध्यम से अधिकारी से बात की तो पता चला अधिकारी फर्जी थे। उनसे उनका सीयूजी मोबाइल नंबर मांगा गया तो टालमटोल करने लगे। फर्जी अधिकारी ने सुविधा शुल्क 50 हजार मांगे और नहीं देने पर ट्रक को सीज कर एक लाख का जुर्माना डालने की बात कही गई। इटावा के अपर आयुक्त ग्रेड 2 सुरेंद्र मोहन को सूचना दी तो उन्होंने बताया कि इस नाम को कोई विभाग में व्यक्ति नहीं है।

मंडलीय पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता में जिले के लिफ्टरों का जलवा

रिद्धि व वेदांश बने मंडल के स्ट्रॉन्ग वुमन एवं मैन, 113 खिलाड़ियों ने दिखाया दम

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : मंडल स्तरीय पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता में जिले के खिलाड़ियों का दबदबा रहा। दो दिवसीय प्रतियोगिता में 113 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया, इसमें 24 महिला और 89 पुरुष लिफ्टर शामिल रहे।

बदायूं रोड स्थित एक बैंक्वेट हाल में इंटरनेशनल पावरलिफ्टिंग फेडरेशन के नियमों के तहत हुई प्रतियोगिता में यूथ, सब जूनियर, सीनियर और मास्टर वर्गों में मुकाबले हुए। सभी खिलाड़ियों ने स्क्वाट, बेंच प्रेस और डेडलिफ्ट इवेंट में दमखम दिखाया। महिला यूथ वर्ग में बरेली की रिद्धि सिंह ने स्ट्रॉन्ग वुमन ऑफ बरेली मंडल (यूथ) का खिताब अपने नाम किया। शाविका सिसौदिया और खुशी गुप्ता ने सब जूनियर और सीनियर वर्ग में स्ट्रॉन्ग वुमन ऑफ बरेली मंडल का खिताब जीता। वहीं रीता सिंह ने मास्टर और ओपन बेंच प्रेस दोनों श्रेणियों में शीर्ष स्थान प्राप्त किया। पुरुष वर्ग में वेदांश ने यूथ, अमन शर्मा ने सब जूनियर और मृदुल सिंह ने सीनियर वर्ग में स्ट्रॉन्ग मैन ऑफ बरेली मंडल का खिताब जीता। विकास सिंह को मास्टर वर्ग का स्ट्रॉन्ग मैन घोषित किया गया, जबकि विवेक वर्मा इक्विप्ड सब जूनियर और आसिम इक्विप्ड सीनियर ने अपनी श्रेणियों में बाजी मारी। प्रतियोगिता के अंत में बरेली पावरलिफ्टिंग एसोसिएशन के सचिव मुकेश कुमार ने सभी विजेता खिलाड़ियों को पदक और प्रमाण पत्र प्रदान किए और बेस्ट लिफ्टर पुरुष और महिला दोनों वर्गों को विशेष ट्रॉफी देकर सम्मानित किया।

विजेता को पुरस्कार देकर सम्मानित करते अतिथि। • अमृत विचार

विवादित भूमि पर उर्स के आयोजन का किया विरोध

बरेली, अमृत विचार : ग्राम सरनिया में विवादित भूमि पर तीन दिवसीय उर्स के आयोजन को लेकर विरोध शुरू हो गया है। लिखित शिकायत मिलने पर डीएम ने भूमि की जांच शुरू कराई है। एसडीएम सदर से जांच कर आख्या मांगी है।

सरनिया निवासी शौकीन शाह ने डीएम से शिकायत करते हुए कहा है कि सीबीगंज थाना क्षेत्र के ग्राम सरनिया में गाटा संख्या 81 की भूमि राजस्व रिकार्ड में कर्बला के रूप में दर्ज है।

कर्बला में हजरत खलील मियां की मजार है। कुछ लोग प्रशासन की अनुमति के बिना छह साल से लगातार कोरोना अवधि को छोड़कर उर्स लगा रहे हैं।

विवादित भूमि का मामला उच्च न्यायालय इलाहाबाद में विचाराधीन है। डीएम से विवादित भूमि के संबंध में कोई निर्णय न आने तक उर्स आयोजन की अनुमति न देने की मांग की है। डीएम ने एसडीएम सदर से जांच आख्या मांगी है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का चेंज ओवर आज, पुलिस-प्रशासन अलर्ट

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- त्रिशूल एयरफोर्स स्टेशन पर 10 मिनट रुकेंगी महामहिम
- सर्किट हाउस को वैकल्पिक रूप से रखा गया आरक्षित

अमृत विचार : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मंगलवार को बरेली में त्रिशूल एयरबेस पर चेंज ओवर करेंगी। इसके मद्देनजर पुलिस-प्रशासन अलर्ट हो गया है। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने वीवीआईपी प्रोटोकॉल के तहत सर्किट हाउस से त्रिशूल एयरफोर्स के मुख्य गेट तक वैकल्पिक व्यवस्था में अफसरों की ड्यूटी लगाई है। एयरफोर्स परिसर में ग्रीन हाउस बनाया है। एयरफोर्स में व्यवस्थाओं को देखने के लिए कई वरिष्ठ अफसरों की ड्यूटी लगाई गई है।

प्रभारी अधिकारी वीआईपी अलंकार अग्निहोत्री की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार राष्ट्रपति मुर्मू मंगलवार की दोपहर बाद 3.45 बजे आर्मी हेलीपैड हल्द्वानी से आईएएफएमआई-17 हेलीकाप्टर से उड़ान भरकर 4.20 बजे त्रिशूल एयरफोर्स स्टेशन पहुंचेंगी। चेंज ओवर में करीब 10 मिनट का समय लगने के बाद 4.30 बजे आईएएफ बीबीजे से पालम एयरपोर्ट दिल्ली के लिए उड़ान भरेंगी। राष्ट्रपति के भ्रमण के दौरान वैकल्पिक व्यवस्था में सर्किट हाउस को आरक्षित रखा गया है। एयरफोर्स से लेकर सर्किट हाउस तक वैकल्पिक मार्ग भी दुरुस्त कराया गया है। पावर कारपोरेशन के महाप्रबंधक को विद्युत आपूर्ति निर्बाध रखने और कार्यक्रम के दृष्टिगत वैकल्पिक वीवीआईपी मार्ग एयरफोर्स से लेकर सर्किट हाउस तक प्रकाश व्यवस्था करने और विद्युत खंभों पर लटके हुए तारों का यथाशीघ्र निरीक्षण कराकर दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। एफएसडीए के अफसरों को जांच परख के बाद 55 व्यक्तियों के लिए स्नैक्स वायुयान में रखने के निर्देश दिए गए हैं। सीएमओ की ओर से नियुक्त चिकित्सा अधिकारी के परीक्षण करने के बाद खाद्य एवं पेय पदार्थ रखे जाएंगे। सुरक्षा की दृष्टि से सैंपलिंग भी होगी।

सपा विधायक और पूर्व मंत्री पर चलेगा मुकदमा

कार्यालय संवाददाता, संभल

- कांवड़ियों पर आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में संभल की एमपी-एमएलए कोर्ट ने दाखिल किया परिवाद

अमृत विचार: सावन माह में कांवड़ यात्रा और कांवड़ियों को लेकर दिए गए विवादित बयानों के मामले में संभल के सपा विधायक इकबाल महमूद व पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य पर मुकदमा चलेगा। संभल की एमपी-एमएलए कोर्ट ने दोनों पर भारतीय न्याय सुरक्षा संहिता की धारा 223 के अंतर्गत परिवाद दर्ज किया है।

इकबाल महमूद, विधायक

हिंदू रक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष सिमरन गुप्ता ने सोमवार को बताया कि 21 जुलाई को विधायक इकबाल बयान दिया था कि कांवड़ यात्रा में शिवभक्त कम गुंडे-मवाली ज्यादा होते हैं। स्वामी प्रसाद मौर्य ने भी कांवड़ यात्रा को लेकर इसी तरह की टिप्पणी की थी। इन बयानों को लेकर पुलिस में शिकायत दर्ज कराने का प्रयास किया लेकिन रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई। इसके बाद चंदौसी कोर्ट में सीधे वाद दायर किया गया। अब अदालत ने इस वाद को परिवाद के रूप में स्वीकार कर लिया। अधिवक्ता प्रसून कुमार वार्ष्णेय ने बताया कि न्यायालय ने यह मामला धारा 223 भारतीय न्याय सुरक्षा संहिता में दर्ज कर लिया है। 27 नवंबर को मुवक्किल के बयान दर्ज करने की तारीख तय की गई है। इसके बाद मुलजिमान को भी तलब किया जाएगा।

लापरवाही पर जोनल हेड को हटाया, सात मीटर रीडर निलंबित

बरेली, अमृत विचार: बिजली उपभोक्ताओं की शत प्रतिशत बिलिंग नहीं करने पर मुख्य अभियंता ने एजेंसी के जोनल हेड को हटा दिया और सात मीटर रीडरों को निलंबित कर दिया। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर काम में सुधार नहीं हुआ तो लापरवाही करने वालों पर रिपोर्ट दर्ज कराई जाएगी।

बरेली जोन प्रथम के मुख्य अभियंता ज्ञान प्रकाश ने सोमवार शाम को बिजली विभाग के सभागार में एक से चार किलोवाट तक के बिलिंग कार्य की समीक्षा की। बैठक में मुख्य अभियंता ने सितंबर एवं अक्टूबर माह की बिलिंग प्रगति की तुलनात्मक समीक्षा की। अक्टूबर में कम बिलिंग प्रतिशत रहने पर उन्होंने मेसर्स वैभव इंफ्राटेक लिमिटेड के प्रतिनिधियों को कड़ी चेतावनी दी और कार्य में शिथलता बरतने पर जोनल हेड को हटा दिया।

राजश्री मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर की कार ट्रक में घुसी, पत्नी की मौत

कार्यालय संवाददाता, बरेली/बिथरी चैनपुर

- बिथरी चैनपुर थाना क्षेत्र में रविवार की देर रात हुआ सड़क हादसा कार के परखच्चे उड़े जुटी भीड़

अमृत विचार : बिहार से छठ पूजा के बाद लौटते समय राजश्री मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर की कार रविवार रात लखनऊ हाईवे पर खड़े ट्रक में पीछे से जा टकरा गई, जिससे उनकी पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल भिजवाया, जबकि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतका की पहचान बिहार के शेखपुरा निवासी रश्मि (40) के रूप में हुई।

हादसे में क्षतिग्रस्त हुई कार। • अमृत विचार

कार सवार राकेश कुमार सिंह ने बताया कि वह शेखपुरा बिहार के रहने वाले हैं और यहां राजश्री मेडिकल कॉलेज में डॉक्टर हैं। वह अपनी पत्नी, बच्ची और माता-पिता के साथ छठ पूजा पर बिहार अपने घर गए थे। वह रविवार की रात परिवार के साथ लौट रहे थे। लखनऊ-दिल्ली हाईवे पर आलमपुर गांव के पास उनकी गाड़ी अनियंत्रित होकर सामने खड़े ट्रक के पीछे जा घुसी। हादसे में पत्नी रश्मि की मौत हो गई, जबकि माता-पिता व बेटी को मामूली चोट आई है। पुलिस ने सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। हादसा इतना जबरजस्त था कि कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई।

बिथरी चैनपुर थाना प्रभारी चंद्र प्रकाश शुक्ला ने बताया कि छठ पूजा के बाद बिहार से लौट रहे परिवार की कार खड़े ट्रक में पीछे से टकरा गई।

इससे कार सवार महिला की मौत हो गई, जबकि अन्य परिजन घायल हो गए। मौके पर पहुंचकर घायलों को अस्पताल और मृतका का शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

एक बार फिर से राशन कार्ड धारकों के बनेंगे आयुष्मान कार्ड

बरेली, अमृत विचार: राशन कार्ड धारकों के एक बार फिर से आयुष्मान कार्ड बनाए जाएंगे। इसके लिए राशन कार्ड में 6 यूनिट को होना जरूरी है। इसकी वजह से बड़ी संख्या में राशन कार्ड धारक कार्ड में पत्नी और बच्चों के नाम बढ़वाने के लिए आपूर्ति विभाग के कार्यालय पहुंच रहे हैं।

डीएसओ मनीष सिंह ने बताया कि अगले साल 2026 में ऐसे लोगों को सर्वे कराया जाएगा जिनके परिवार में राशन कार्ड में 6 या उससे अधिक लोगों के नाम दर्ज हैं या जिनमें सभी सदस्य 60 वर्ष से अधिक हैं तो उनके आयुष्मान कार्ड बनाए जाएंगे। इसकी जानकारी होने पर कार्यालय में हर रोज बड़ी संख्या में लोग अपने राशन कार्ड के यूनिट में पत्नी से लेकर बच्चों के नाम बढ़वाने के लिए आवेदन दे रहे हैं।

स्वयं उपसंजात होने के लिए समन (आदेश 5 नियम 3)
वाद सं. 216/2023

भीमसेन आयु 80 वर्ष पुत्र स्व. श्री भवनी प्रसाद निवासी मो. संजयनगर (हवाई जहाज कोठी के पास) परगना तहसील व जिला बरेली

बनाम

1. सोनू व 2. मोनू पुत्रगण रामनिवास निवासी गण ग्राम खुदागंज तहसील तिलहर जिला शाहजहाँपुर 3. चेतराम मौर्य पुत्र जागन लाल निवासी मो. संजयनगर तहसील व जिला बरेली 4. दीपक शर्मा पुत्र भगवान दास निवासी पिपरौली, तहसील बहेड़ी जिला बरेली भीमसेन ने आपके विरूद्ध स्थाई निषेधाज्ञा के लिए वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में तारीख 20.11.2025 को दिन में 10 बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात (उपस्थित) होने के लिए समन किया जाता है। आपको निर्देश दिया जाता है कि आप उस दिन उन सब दस्तावेजों को पेश करें जिन पर अपनी अभिरक्षा के लिए निर्भर रहना चाहते हैं। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका अवधारणा आपकी अनुपस्थिति में किया जाएगा। आज तारीख 01.11.25 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायासलय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

अपर सिविल जज (सी.डि.)
कक्ष सं. 6, न्यायालय बरेली।

कुत्ते को पीट-पीट कर मार डाला

बरेली, अमृत विचार : इज्जतनगर थाना क्षेत्र में एक युवक ने एक कुत्ते को पीट-पीट कर मार डाला। जब पशु प्रेमी ने इसका विरोध किया तो उसके साथ भी बदसलूकी की। पशु प्रेमी ने आरोपी युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

नार्थ सिटी निवासी पशु प्रेमी दंपती रविंद्र जुयाल और आभा जुयाल ने बताया कि वह आवारा कुत्तों को आसरा देते हैं। सर्दी और गर्मी से बचने के लिए कुत्तों को वह अपने घर तक में पनाह देते हैं।

सीडीओ ने लिया संज्ञान, मॉडल प्रधानमंत्री आवास की होगी जांच

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: बिथरी ब्लॉक परिसर में बने मॉडल पीएम आवास की जांच होगी। सीडीओ देवयानी ने सोमवार के अंक में प्रकाशित खबर ऐसा पीएम आवास का मॉडल...जो पूरे ब्लॉक के आवासों का नक्शा ही बिगाड़ दे ! का संज्ञान लेते हुए पीडी डीआरडीए चंद्र प्रकाश श्रीवास्तव को जांच सौंपी है। साथ ही, बीडीओ की कार्यशैली पर नाराजगी जताते हुए जमकर फटकार लगाई। सीडीओ ने स्पष्ट कहा कि जांच में आवास में खामियां मिलीं तो बीडीओ पर कार्रवाई तय है।

दरअसल, ब्लॉक परिसर में 1.20 लाख रुपये की लागत से बनाए गए मॉडल पीएम आवास को मॉडल के तौर पर बनाकर ब्लाक की सभी ग्राम पंचायतों में इसी तरह के आवास बनाने की बात कही गई थी, लेकिन कमाई के चक्कर में जिम्मेदारों ने इस आवास का नक्शा ही बिगाड़ दिया। शासन से तय मानकों की अनदेखी कर बनाए गए इस आवास में न तो शौचालय बनवाया गया, न किचन और स्नानघर। यही नहीं, सरकारी धन का बंदरबाट करने को आवास की चार दीवारों में से एक दीवार पुरानी ही रहने दी गई। यही नहीं, यह आवास एक माह में बनकर तैयार होना था, लेकिन बीडीओ ने इसमें दिलचस्पी नहीं ली। छह माह से यह अधूरा पड़ा हुआ है। सीडीओ ने सोमवार को बीडीओ कौशल कुमार गुप्ता को कार्यालय तलब कर पहले मॉडल पीएम आवास के बारे में पूछा फिर फटकार लगाते हुए जांच के आदेश दिए। पीडी डीआरडीए मंगलवार को ब्लॉक परिसर में बने मॉडल आवास की जांच करने जाएंगे। सीडीओ का कहना है कि शासन के तय मानक के अनुरूप पीएम आवास में निर्माण कार्य नहीं मिला तो बीडीओ समेत जो भी इसमें संलिप्त मिलेगा उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

तो तत्कालीन बीडीओ भी कार्रवाई होना तय

जानकारी के मुताबिक इस आवास का निर्माण कार्य पूर्व बीडीओ के समय में ही शुरू हो गया था। बिना नक्शा के काम कराने पर ग्रामीणों ने विरोध भी किया था, लेकिन उनकी नहीं सुनी गई। इसके बाद नए बीडीओ कौशल गुप्ता ने चार्ज संभाला, लेकिन उन्होंने भी मानकों की अनदेखी कर निर्माण कार्य जारी रखा। ऐसे में जांच की आंच तत्कालीन बीडीओ पर आना भी तय मानी जा रही है।

जंक्शन पर लगेंगे स्टील के डस्टबिन

बरेली, अमृत विचार : बरेली जंक्शन पर स्वच्छता और यात्री सुविधा को बेहतर बनाने के लिए रेलवे प्रशासन ने नई पहल शुरू की है। सोमवार को मुख्य वाणिज्य निरीक्षक (सीएमआई) मोहम्मद इमरान और मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक (सीएचआई) अमर सिंह मीना ने संयुक्त रूप से स्टेशन परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया। इस दौरान प्लेटफार्म, वेटिंग हॉल, टिकट काउंटर और सर्कुलेटिंग एरिया का निरीक्षण किया।

अधिकारियों ने स्टॉल संचालकों और सफाईकर्मियों को जरूरी निर्देश दिए और यात्रियों से सफाई व्यवस्था को बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की। इस दौरान यह निर्णय लिया गया कि स्टेशन परिसर के सभी प्लेटफार्मों पर अब पुराने प्लास्टिक के डस्टबिन हटाकर स्टील के डस्टबिन लगाए जाएंगे। अधिकारियों के अनुसार यह कार्य अगले सप्ताह से शुरू किया जाएगा।

घर में घुसकर मारपीट में पांच को तीन वर्ष कैद

विधि संवाददाता, बरेली

- 15 साल पहले इज्जतनगर में वारदात, कोर्ट ने सुनाया फैसला

अमृत विचार: 15 साल पहले बंदी रक्षक के घर में घुसकर मारपीट करने के मामले में स्पेशल जज एससी-एसटी एक्ट कोर्ट अफशां ने चउआ उर्फ फिरासतउल्ला, उसके भाई मन्नू उर्फ विरासतउल्ला, मो. नाजिम उर्फ यासमीन, उसके भाई नदीम उर्फ नजीम और भूरा को परीक्षण में दोषी पाते हुए प्रत्येक को 3-3 वर्ष कारावास और 3500-3500 रुपये जुर्माने की सजा सुनायी।

सरकारी वकील स्वतंत्र पाठक ने बताया कि सेंट्रल जेल में कांस्टेबल चंद्र पाल उर्फ विशालराय ने थाना इज्जतनगर में तहरीर देकर बताया था कि वह एससी वर्ग का है। 27 दिसम्बर 2010 को वह अपनी ड्यूटी समाप्त करने के बाद अपने बसंत विहार कालोनी स्थित आवास पर आया और गेट खोलकर अपने घर में घुसा तब ही पीछे से 14-15 व्यक्ति हाथों में लाठी-डंडा, सरिया लेकर घर में घुस आये और गालियां देते हुए लाठी-डंडे, सरिया से उसे व उसके भाई सूरजपाल, मां किरन, बहन नीतू को मारने पीटने लगे। घर में रखे 50 हजार रुपये, मां के गले से सोने की चैन, अंगूठी आदि लूट ली। सूरजपाल की नाक में राड, सरिया मारी जिससे उसकी नाक की हड्डी टूट गयी। उनके पड़ोस में विवादित जमीन पर रात में निर्माण कर रहे थे, इसकी सूचना उनके भाई सूरजपाल ने थाने में देकर निर्माण रुकवा दिया था। इसी रंजिश में हमला किया था। अदालत ने घर में घुसकर मारपीट, चोट पहुंचाने की धाराओं में दोषी करार दिया और एससी एक्ट और अपमानित करने की धारा में बरी कर दिया।

कार्यालय ग्रा.प. कोहरा विकास खंड इस्लामनगर बदायूं

पत्रांक : निविदा/विज्ञप्ति/2025-26 03.11.2025

अल्पकालीन निविदा

समस्त सामग्री आपूर्ति यथा (सीमेंट, रेता, बजरी, बदरफुट ईट, इन्टरलाक, सरिया, एंगिल, टीन, पेन्ट, रोडा) आदि को सूचित किया जाता है कि मनरेगा, राज्य वित्त, केन्द्र वित्त योजना (2025-26) के अंतर्गत प्राप्त धनराशि से ग्राम पंचायत कोहरा विकास खण्ड इस्लामनगर बदायूं में निम्न कार्य हेतु निविदाएं आमंत्रित की जाती है। अत: समस्त संबंधित आपूर्तिकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि निविदा की तारीख से सामग्री की दरे बन्द लिफाफे में ग्राम पंचायत कार्यालय पर दिनांक 06.11.2025 को शाम 3:00 बजे तक जमा करना सुनिश्चित करें व इसी दिवस को 4:00 बजे प्रधान व सचिव के सामने खोली जाएंगी। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है –

क्र.सं.	कार्य का विवरण	अनुमानित धनराशि
1.	विजय सिंह के घर से बाबूराम के घर तक इंटरलॉक व सीसी निर्माण कार्य	प्रा. के अनु.
2.	भूरे के घर से पप्पू के घर तक खण्डजा निर्माण कार्य	प्रा. के अनु.

सचिव प्रधान

कार्यालय ग्रा.पं. लक्ष्मीपुर विकास खंड आसफपुर बदायूं

पत्रांक : मिमो/निविदा, विज्ञप्ति/2025-26 03.11.2025

अल्पकालीन निविदा

समस्त पंजीकृत फर्मो एवं आपूर्तिकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि ग्राम सभा द्वारा अनुमोदित ग्राम पंचायत विकास योजना (2025 -26) द्वारा राज्य वित्त, केंद्र वित्त, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रा.)/RGSA मनरेगा के अंतर्गत निम्न कार्य कराए जाने है।

क्र.सं.	कार्य का विवरण	अनुमानित धनराशि
1.	सर्दियों में बचाव हेतु लकड़ी अलाव कार्य	100000
2.	उप स्वास्थ्य केंद्र मरम्मत कार्य	250000
3.	प्रशासनिक व्यय	100000
4.	कीटनाशक दवाई क्रय व छिडकाव कार्य	90000
5.	उप स्वास्थ्य केंद्र की टाईलीकरण व फर्श कार्य	150000
6.	पंचायत लर्निंग स्थापना कार्य	350000
7.	सचिवालय प्रांगण में अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य	150000
9.	सोलर लाइट स्थापना कार्य	150000
10.	प्राथमिक विद्यालय हेतु फर्नीचर व कायाकल्प कार्य	200000
11.	लोहे के कूड़ादान कार्य	100000
12.	मो. खालिद के घर से नूर हसन के घर तक सीसी व नाली निर्माण कार्य	150000
13.	भूरे के घर से कल्लू के घर तक सीसी व नाली निर्माण कार्य	150000
14.	साकिब के घर से राकिब के घर तक सीसी व नाली निर्माण कार्य	150000
15.	गंठे के घर से दिलशाद के घर तक सीसी नाली निर्माण कार्य	150000
16.	शम्मी के घर से कपिला के घर तक सी सी, नाली कार्य	300000
17.	लियाकत के घर से तालिब के घर से तक सीसी नाली निर्माण कार्य	3000000
18.	अब्दुल शकूर के घर से अकबर के घर तक सीसी नाली निर्माण कार्य	100000
19.	पूर्व दिशा कब्रिस्तान नाला सफाई निर्माण कार्य	100000
20.	परिवार रजिस्टर अनुरक्षण कार्य	50000

उपरोक्त समस्त कार्यो हेतु प्राक्कलन में दी गई सामग्री एवं मात्रा अनुसार सीमेंट, बदरफुट, गंगा रेता, पत्थर20mm, पत्थर 25-50mm, ईट प्रथम, ईट वलदार, ईट टुकड़ा, मिट्टी, पॉलिथीन, ईट सीमेंट, हेण्डपंप रिवर एवं मरम्मत सामग्री, (यथा -चौन , सरिया, पाइप, हत्था, सिलेंडर, चेक वाल्ब आदि) गाटर, चादर ,टीन, जाली, पिलर पाइप, पर्लिन पाइप, पेंटिंग सामग्री) यथा-डिस्टेम्बर वार्निश, चूना, सफेद सीमेंट ,कलर, पुट्टी, समोसम आदि) सफाई उपकरण, कूड़ा गाड़ी क्रय, कूड़ा गाड़ी मरम्मत सामग्री, डेस्कटांप, प्रिंटर, बैटरी, इन्वर्टर, CCTV कैमरे, कूडादान ,ऑफिस फर्नीचर, वृक्षारोपण, टाईल्स, ग्रेनाइट पत्थर, वासवेसिन, पानी टंकी फिटिंग आईटम, सोलर लाइट, पी पी ई किट, मास्क, वाटर कूलर, आर वाटर, आंगनबाड़ी केंद्र हेतु फर्नीचर, ओपन जिम सामग्री, फागिंग मशीन, स्प्रे मशीन, प्राइमरी विद्यालय हेतु फर्नीचर उच्च प्राथमिक विद्यालय हेतु फर्नीचर, सचिवालय हेतु फर्नीचर, उक्त सामग्री आपूर्ति हेड सील बंद निविदाऐ दिनांक 08.11.2025 तक 3:00 बजे तक सचिवालय पर जमा की जाएगी। उसी दिनांक को 4:00 बजे प्रधान/सचिव एवं फर्म प्रतिनिधियों की समक्ष खोली जाएगी। समस्त अधिकार ग्राम पंचायत के पास सुरक्षित है।

प्रधान सचिव

सड़क पर फैली रेत-बजरी जब्त, एक लाख का वसूला जुर्माना

बरेली, अमृत विचार : नगर निगम की प्रवर्तन टीम ने सोमवार को पीलीभीत बाईपास रोड पर अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया। टीम ने सड़क पर फैली निर्माण सामग्री को जब्त कर लिया और एक लाख रुपये का जुर्माना भी वसूला। इसके अलावा फड़ वालों को भी खदेड़ा। नगर निगम के राजस्व निरीक्षक सच्चिदानंद सिंह ने बताया कि पीलीभीत बाईपास पर सौ फुटा रोड से मॉल तक अभियान चलाया गया। इस दौरान सड़क किनारे नर्सरी के सामने फैली रेत-बजरी और अन्य निर्माण सामग्री जब्त किया गया। वहीं टीम को आते देख ठेले और फड़ वालों में अफरा तफरी मच गई। टीम ने सभी को खदेड़ दिया। वहीं चेतावनी दी कि भविष्य में सड़क पर सामान फैलाने या कब्जा करने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। रोड से वाहनों को तत्काल हटवाया गया। वहीं अतिक्रमणकारियों से एक लाख जुर्माना भी टीम ने वसूल किया।

बीसलपुर किसान सहकारी चीनी मिल लि., बीसलपुर (पीलीभीत)

पत्रांक: बी.के.एस./क्रय/2025-26/1782 दिनांक: 03.11.2025

ई-निविदा सूचना

इस मिल समिति में वर्ष 2025-26 में अनुभवी पार्टियों से मिल के दो गन्ना क्रय केन्द्रों यथा चुर्रासकतपुर एवं क्योलड़िया द्वितीय से गन्ना परिवहन कार्य हेतु, विभिन्न स्टेशनरी की आपूर्ति हेतु, स्टेशनरी, प्रिंटिंग की आपूर्ति हेतु दिनांक 10.11.2025 तक ई-निविदायें निर्धारित धरोहर राशि जमा करने के उपरांत आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा की नियम एवं शर्ते व विस्तृत विवरण www.etender.up.nic.in से एवं संघ कार्यालय लखनऊ की वेबसाइट www.upsugarfed.org से डाउनलोड की जा सकती है। यदि आवश्यक हुआ तो एल-1 बिडर्स से निगोसियेशन किया जा सकता है। अद्योहस्ताक्षरी को निविदा की शर्तो में परिवर्तन करने एवं बिना कारण बताये एक या समस्त ई-निविदायें निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित होगा।

डॉ. हरी कृष्ण गुप्ता
प्रधान प्रबन्धक

अवैध निर्माण की होगी पहचान

बरेली, अमृत विचार : बीते दिनों शहर में हुए बवाल के बाद बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) लगातार अवैध अतिक्रमण पर कार्रवाई कर रहा है। अब वह क्षेत्र में अवैध निर्माणों की पहचान के लिए ड्रोन सर्वे शुरू करेगा। अवैध निर्माण और कब्जों को चिह्नित कर कार्रवाई करेगा। ड्रोन सर्वे से पूरे शहर का सटीक एरियल नक्शा बनेगा।

नाथधाम टाउनशिप जल्द धरातल पर उतरेगी, उद्यमियों को मिलेंगी सहूलियतें

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- हर महीने की 6 और 7 तारीख को बिजली के मेगा कैम्प का किया जाएगा आयोजन

अमृत विचार : नये साल पर नाथ धाम टाउनशिप लांच होगी। इससे उद्यमियों के साथ ही अन्य वर्ग के लोगों को काफी सहूलियत मिलेंगी। बिजली सुधार और परिवहन संबंधी कई विकास कार्य भी धरातल पर होंगे। ये योजनाएं सोमवार को कमिश्नर भूपेन्द्र एस कुमार की अध्यक्षता में कमिश्नरी सभागार में हुई मंडलीय उद्योग बन्धु समिति की बैठक में बनी है। इसमें औद्योगिक क्षेत्रों के विकास के साथ कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई है।

बैठक में एनएचएआई मुरादाबाद के अधिकारियों ने जानकारी दी कि फतेहगंज पश्चियमी के पास ग्राम ट्यूलिया में राष्ट्रीय राजमार्ग के दोनों ओर 2 नंबर ट्रक ले बाय बनाने का काम लगभग 50 फीसदी पूरा हो चुका है। अगले महीने के अंत तक पार्किंग निर्माण कार्य पूरी तरह से खत्म हो जाएगा, जिससे औद्योगिक इकाइयों के वाहनों की समस्या कम होगी। इसके साथ ही औद्योगिक क्षेत्र परसाखेड़ा और औद्योगिक आस्थान, सीबीगंज में विद्युत आपूर्ति सुचारू करने के लिए मुख्य अभियन्ता विद्युत वितरण को निर्देश दिए गए कि हर महीने की 6 और 7 तारीख को मेगा कैम्प का आयोजन किया जाए। उद्यमियों की विद्युत संबंधी समस्याओं का समाधान समय पर किया जाएगा और व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से लाइन मेंटेनेंस स्टाफ की जानकारी भी तुरंत उपलब्ध कराई जाएगी। बैठक में रामा श्यामा पेपर मिल वाली रोड के निर्माण का मुद्दा भी सामने आया। अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत ने बताया कि इसे बोर्ड की अनुपूरक योजना में शामिल कर लिया गया है और नवंबर 2025 तक टेंडर प्रक्रिया पूरी कर शीघ्र निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

औद्योगिक क्षेत्र परसाखेड़ा में फायर स्टेशन की स्थापना की योजना पर भी चर्चा हुई। अधिकारियों ने बताया कि यूपीसीडा द्वारा उपलब्ध कराई गई भूमि फायर स्टेशन के मानक के हिसाब से कम है। बैठक में निर्देश दिए गए कि शेष भूमि उपलब्ध कराकर अग्निशमन केंद्र जल्द स्थापित किया जाए। बीडीए उपाध्यक्ष डॉ. मनिकंडन ए, नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य, अपर जिलाधिकारी प्रशासन पूर्णिमा सिंह, प्रभागीय वन अधिकारी दीक्षा भंडारी, संयुक्त आयुक्त उद्योग वीरेन्द्र कुमार, उपायुक्त उद्योग बरेली विकास यादव समेत कई अधिकारी रहे।

अमृत विचार

मंगलवार, 4 नवंबर 2025

आप दीवार के चित्रों को बदल कर इतिहास के तथ्यों को नहीं बदल सकते।

–जवाहर लाल नेहरू, पूर्व प्रधानमंत्री

हर मन की जीत

बेशक, यह जीत मात्र ट्रॉफी की नहीं, बल्कि आधी आबादी के आत्मविश्वास की है। यह 140 करोड़ भारतीयों के दिलों में बसी आशाओं को फलीभूत करने वाली विजय है। यह क्षण उन दशकों लंबे सफर का प्रतिफल है, जिसका रास्ता डायना इदुल्जी, शांता रंगास्वामी, अंजुम चोपड़ा, मिताली राज और झूलन गोस्वामी जैसी कई दिग्गजों ने अपने पसीने से हमवार किया था। कभी अनुभव और संसाधनों की कमी से जूझने वाली टीम अब अनुशासन, तकनीक और मानसिक दृढ़ता के बल पर विश्वविजेता बन चुकी है। भारतीय महिला क्रिकेट की इस ऐतिहासिक जीत ने दिखाया कि महिला क्रिकेट अब पुरुष क्रिकेट का पूरक नहीं है। विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड से पूर्व में मिली पराजयों से यह भारतीय महिला क्रिकेट टीम टूटी नहीं, बल्कि और सशक्त बनी। यह टीम अब पहले से अधिक संगठित, फिटनेस और फील्डिंग में उन्नत तथा डेटा-आधारित रणनीति में दक्ष हो चुकी है। कोच अमोल मजूमदार और बीसीसीआई सचिव जय शाह की भूमिका इस रूपांतरण में निर्णायक रही है। एक ओर जय शाह ने महिला आईपीएल की स्थापना कर आर्थिक स्थिरता और अवसरों का विस्तार किया, वहीं मजूमदार ने टीम की रणनीति और मानसिक प्रशिक्षण को नए स्तर पर पहुंचाया। बीसीसीआई के प्रयासों ने छोटे शहरों से नई महिला क्रिकेट प्रतिभाओं को आगे लाने में योगदान दिया।

यह जीत केवल क्रिकेट के मैदान पर नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन के पिच पर भी खेली गई विजयी पारी है। जब किसी गांव की बेटी यह देखेगी कि भारतीय महिला टीम विश्वविजेता बनी है, तो वह यह भी मानेगी कि खेल सिर्फ पुरुषों का क्षेत्र नहीं। यह जीत नारी सशक्तिकरण की ऐसी प्रभावी प्रेरणा है, जो किसी भाषण या योजना से कहीं गहरी पहुंच रखती है। क्रिकेट की दुनिया में यह सफलता 'डिप्लोमैटिक सॉफ्ट पॉवर' का भी प्रतीक है। भारतीय महिला क्रिकेट की यह उपलब्धि वैश्विक मंच पर भारत की खेल-क्षमता, प्रबंधन और खेल संस्कृति का नया चेहरा पेश करती है। बाजार भी इसे पहचान रहा है। विज्ञापनदाता अब महिला खिलाड़ियों को ब्रांड वैल्यू मानने लगे हैं। भविष्य में महिला क्रिकेट के प्रसारण अधिकारों और प्रायोजन मूल्य में उल्लेखनीय वृद्धि लगभग तय है। दर्शकों की भीड़, टीवी और इंटरनेट के जरिए दर्ज दर्शनीयता के आंकड़े यह संकेत दे रहे हैं कि महिला क्रिकेट अब घर-घर की बातचीत का हिस्सा बन गया है। दर्शक बढ़ेंगे तो निवेश भी बढ़ेगा और तब वह दिन दूर नहीं जब महिला खिलाड़ियों को पुरुषों के समान पारिश्रमिक मिलेगा।

अब जिम्मेदारी सरकार और बीसीसीआई की है कि महिला क्रिकेट के लिए अलग नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, राज्य स्तर पर अकादमियां और स्कूल-स्तर से टैलेंट खोजने के लिए संरचित लीग प्रणाली शुरू करे। महिला खिलाड़ियों के लिए खेल विज्ञान, मानसिक स्वास्थ्य सहायता और करियर सुरक्षा योजनाएं भी बनाई जानी चाहिए। भारतीय महिला क्रिकेट की यह विश्व विजेता पारी केवल खेल की विजय नहीं, यह उस नए भारत की घोषणा है, जहां प्रतिभा का लिंग नहीं, सिर्फ जज़्बा मायने रखता है। यह जीत आने वाली पीढ़ियों को बताएगी कि जब महिलाएं मैदान में उतरती हैं, तो युगांतरकारी इतिहास लिखा जाता है।

प्रसंगवश

हिंदी दुनिया के 'सबसे बड़े नागरिक' का गुजर जाना

सदी के साहित्यकार कहे जाने वाले डॉ. रामदरश मिश्र अब हमारे मध्य नहीं रहे। अपनी एक सौ एक वर्ष की जीवन यात्रा पूर्ण कर पिछले महीने 31 अक्टूबर को उन्होंने अपने जीवन की अन्तिम सांस ली। उनके आकस्मिक निधन के समाचार से साहित्य जगत में शोक की लहर है। उनका महाशून्य में विलीन हो जाना हिंदी साहित्य की अपूरणीय क्षति है। डॉ. रामदरश मिश्र की गणना हिंदी के प्रतिष्ठित साहित्यकारों में होती है। वे जितने समर्थ कवि हैं, उतने ही समर्थ उपन्यासकार और कहानीकार भी। उनकी लंबी साहित्य-यात्रा समय के कई महत्वपूर्ण मोड़ों से गुजरी है। अपने परिवेशगत अनुभवों एवं सोच को सृजन में उतारते हुए, उन्होंने गांव की मिट्टी, सादगी और मूल्यधर्मिता को अपनी रचनाओं में व्याप्त होने दिया, जो उनके व्यक्तित्व की पहचान बन गए।

सुरेश बाबू मिश्रा

साहित्यकार

उन्होंने साहित्य की सभी विधाओं में अपनी लेखनी चलाई। गीत, नई कविता, छोटी कविता, लंबी कविता यानी कि कविता की कई शैलियों में सर्जनात्मक प्रतिभा से अपनी प्रभावशाली अभिव्यक्ति के साथ-साथ गजल में भी उन्होंने अपनी सार्थक उपस्थिति रेखांकित की। इसके अतिरिक्त उपन्यास, कहानी, संस्मरण, यात्रावृत्तांत, डायरी, निबंध आदि सभी विधाओं में उनका साहित्यिक योगदान बहुमूल्य है।

डॉ. रामदरश मिश्र का जन्म गोरखपुर जिले के कछार अंचल के गांव डुमरी में हुआ था। इनके पिता का नाम रामचंद्र मिश्र और माता का नाम कमलापति मिश्र है। बनारस विश्वविद्यालय से ही उन्होंने डीलिट की उपाधि हासिल की। सन् 1956 में उनकी नियुक्ति सयाजीराव गायकवाड़ विश्वविद्यालय में प्राध्यापक के रूप में हुई। सन् 1958 में वे गुजरात विश्वविद्यालय से संबद्ध हो गए। उन्होंने 8 बर्ष तक गुजरात विश्वविद्यालय में प्राध्यापक के रूप में कार्य किया। सन् 1964 में उनकी नियुक्ति दिल्ली विश्वविद्यालय में हो गई। वे 26 बर्ष तक दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रोफेसर रहे और 1990 में वे सेवानिवृत्त हुए।

डॉ. रामदरश बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। उन्होंने साहित्य की हर विधा में अपनी लेखनी चलाई। लंबी साहित्य यात्रा के मध्य उन्होंने विपुल साहित्य की रचना की। 'पथ के गीत', 'बैरंग-बेनाम चिट्ठियां', 'पक गई है धूप', 'कंधे पर सूरज', 'दिन एक नदी बन गया', 'मेरे प्रिय गीत', 'बाजार को निकले हैं लोग', 'जुलूस कहां जा रहा है?', 'रामदरश मिश्र की प्रतिनिधि कविताएं', 'आग कुछ नहीं बोलती', 'शब्द सेतु', 'बारिश में भीगते बच्चे', 'हंसी होंठ पर आंखें नम हैं', 'ऐसे में जब कभी', 'आम के पत्ते' तथा 'रामदरश मिश्र की लम्बी कविताएं' आदि उनकी प्रमुख काव्य कृतियां हैं।

उन्होंने कई गजल संग्रह भी लिखे। इनमें प्रमुख गजल संग्रह है, 'तू ही बता ऐ जिंदगी', कभी-कभी इन दिनों, 'सपना सदा पलता रहा', 'दूर घर नहीं हुआ', 'बनाया है मैंने ये घर धीरे-धीरे' पाठकों के मध्य बहुत लोकप्रिय हुए। डॉ. रामदरश ने कई प्रसिद्ध उपन्यासों की रचना की, जिनमे 'पानी के प्राचीर', 'जल टूटता हुआ', 'सूखता हुआ तालाब', 'अपने लोग', 'रात का सफर', 'आकाश की छत', 'बिना दरवाजे का मकान', 'दूसरा घर', 'थकी हुई सुबह' तथा 'एक था कलाकार' आदि उपन्यास शामिल हैं।

उनकी लिखी कहानी लोग बड़े चाव से पढ़ते हैं। उनके प्रमुख कहानी संग्रह हैं- 'खाली घर', 'एक वह', 'दिनचर्या', 'सर्पदंश', 'बसंत का एक दिन', 'इकसठ कहानियां', 'मेरी प्रिय कहानियां', 'अपने लिए', 'अतीत का विष', 'चर्चित कहानियां', 'श्रेष्ठ आंचलिक कहानिया' तथा 'चुनी हुई कहानियां' आदि।

'नीले समंदर' में भारतीय बेटियों का 'ज्वार'

अनिल त्रिगुणायत

लखनऊ

हमारी बेटियां 'विश्व चैंपियन' बन गईं। रविवार रात फाइनल में मिली जीत ने भारत में दिन जैसा उजियारा फैला दिया। राष्ट्रीय भावना की रोशनी में समूचा भारत जगमगा गया। 'वुमेन इन ब्लू' के नाम से मशहूर बेटियों ने अरब सागर के किनारे स्थित नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम के 'नीले समंदर' (ब्लू टीशर्ट पहने दर्शक) में 'ज्वार' ला दिया। रविवार की रात गहरी नींद में सोया हिंदुस्तान मारे खुशी जग गया... और जगे भी क्यों न? हमारी बेटियां क्रिकेट जगत की 'नई मल्लिका' जो बन गई हैं। आईसीसी महिला क्रिकेट की 'सिरमौर' जो बन गई हैं। वर्ष 1983 की रात (शनिवार) कपिलदेव की अगुवाई वाली टीम वेस्टइंडीज को हराकर विश्व विजेता बनी थी। समूचे देश को उमंग से भर दिया था। क्रिकेट प्रमियों को आह्लादित कर दिया था। कुछ उसी प्रकार बीती दो नवंबर की रात (रविवार) कप्तान हरमनप्रीत की टीम ने देशवासियों को जीत की रस से सराबोर कर दिया।

वर्ष 2005 तथा वर्ष 2017 का फाइनल हार जाने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने विश्व चैंपियन बनकर साल 2025 को कभी न भूलने वाला साल बना दिया। जीत के जज्बे से हर भारतीय को गौरवान्वित कर दिया। यह बेटियों की जीत है। यह 140 करोड़ भारतीयों की जीत है। यह जीत पूर्व भारतीय महिला क्रिकेट लीजेंड्स शांता रंगास्वामी, डायना एडुलजी, अंजुम चोपड़ा, झूलन गोस्वामी व मिताली राज की भी है, जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी देश में महिला क्रिकेट के उत्थान के लिए अपना सब कुछ न्योछावर कर दिया था।

यह जीत देश में महिला क्रिकेट के बढ़ावे की 'टानिक' मानिंद होगी। यह जीत आने वाली पीढ़ियों की रगों में दौड़ेगी। जान लें, महिला क्रिकेट इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है कि कोई एशियाई टीम विश्व चैंपियन बनी। इससे पहले आस्ट्रेलिया ने सात, इंग्लैंड ने चार और न्यूजीलैंड की टीम ने एक बार यह खिताब अपने नाम किया है। हमारे देश में क्रिकेट एक जुनून है। महिला क्रिकेटरों का जीवन संघर्षों और चुनौतियों से भरा होता है। पुरुष क्रिकेट खिलाड़ियों को 'सिर आंखों' पर बिठाने वाले भारत में महिला क्रिकेटरों को अभी वह स्थान नहीं मिल पाया है। भारतीय महिला क्रिकेटर अपनी पहचान बनाने व मौजूदगी साबित करने के लिए भी लड़ते दिखती हैं। वर्ष 1976 में शांता रंगास्वामी की कप्तानी में भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहला टेस्ट मैच पटना में खेला था। वर्ष 1978 में भारतीय महिला टीम ने पहला विश्व कप खेला था। अंतर्राष्ट्रीय व घरेलू स्तर पर भारतीय महिला टीम ने 1979 से पूर्णरूपेण क्रिकेट खेलना शुरू किया।

अफसोसनाक यह कि पैसे की कमी के कारण हमारी महिला टीम 1986 से वर्ष 1991 के मध्य एक भी अंतर्राष्ट्रीय मैच नहीं खेल पाई थी। इससे पहले डब्लूसीएआई टीम के प्रबंधन को जिम्मेदारी थी। महत्पूर्ण यह कि डबल्यूसीआई धन की तंगी से ही घिरा रहता था। देश में महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 1973 में वूमेंस क्रिकेट एसोसिएशन इन इंडिया (डब्लूसीएआई) का गठन किया गया था। वर्ष 1997 में महिला विश्व कप का आयोजन भारत में हुआ था, जिसमें भारतीय महिला टीम सेमीफाइनल तक पहुंची थीं। वर्ष 2004 में खेले गए पहले एशिया कप में श्रीलंका को हराकर भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने खिताब जीता था। भारतीय महिला क्रिकेट टीम वर्ष 2005 में पहली बार विश्व कप के फाइनल में पहुंची थीं।

वर्ष 2006 से बीसीसीआई मेंस टीम की भांति भारतीय महिला क्रिकेट का संरक्षक बना। वर्ष 2015 में बीसीसीआई ने महिला क्रिकेटरों को पहली बार 'सेंट्रल कांट्रैक्ट' प्रदान किया। पहले वे केवल दैनिक भत्ते और मैच फीस पर निर्भर हुआ करती थीं। वर्ष 2016 में भारत ने पहली बार महिला टी-20 विश्व कप की मेजबानी की। वर्ष 2017 भारतीय महिला क्रिकेट में सौगात लेकर आया। इस वर्ष खेले गए विश्व कप सेमीफाइनल मैच को सिर्फ भारत में ही करीब 15.6 करोड़ दर्शकों ने देखा, जिससे 'टीवी व्यूअरशिप' में जबरदस्त उछाल आया। बाजार का ध्यान भारतीय महिला क्रिकेट की ओर गया।

वर्ष 2017 के विश्व कप तथा वर्ष 2020 के टी-20 वर्ल्ड कप में भारतीय महिला क्रिकेट टीम फाइनल तक पहुंचीं। इस सफलता से भारतीय महिला क्रिकेट टीम को विश्व में अत्यधिक 'एक्सपोजर' मिलने लगा। भारत की शीर्ष महिला क्रिकेटर आस्ट्रेलिया में वीमेंस बिग बैश टूर्नामेंट और इंग्लैंड में सुपर लीग और वीमेंस हंड्रेड में खेलने लगीं। वर्ष 2022 में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीता। आईपीएल की तर्ज पर वर्ष 2023 में महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) की शुरुआत हुई। डब्ल्यूपीएल से भारत में महिला क्रिकेट में और जान आ गई। भारत में महिला क्रिकेट की प्रगति और सफलता पिछले दो दशकों में ही हुई है।

टेस्ट, एकदिवसीय व टी-20 में भारतीय महिला क्रिकेट टीम अपनी प्रतिभा का पताका विश्व में फहरा रही हैं। अब उन्हें टेस्ट मैच खेलने पर प्रति मैच 15 लाख, एकदिवसीय मैच खेलने पर छह लाख और टी-20 मैच खेलने पर तीन लाख रुपये मिलते हैं। 'पावरहाउस लीडर' हरमनप्रीत कौर हों या 'एलिगेंट स्ट्रोक-मेकर' स्मृति मंधाना, बेहतरीन आलराउंडर दीप्ति शर्मा हों या 'हिट वूमेन' रिचा घोष। 'भारतीय वाल' जेमिमा रोड्रिग्स हों या नई सनसनी शेफाली वर्मा। विश्व चैंपियन बनकर इन 'शेरनियों' ने भारतीय महिला क्रिकेट की माली माने जाने वाली शांता रंगास्वामी, डायना एडुलजी, अंजुम चोपड़ा, मिताली राज व झूलन गोस्वामी के सपनों को भी साकार किया है।

हमारी बेटियां 'विश्व चैंपियन' बन गईं। 'वुमेन इन ब्लू' के नाम से मशहूर बेटियों ने अरब सागर के किनारे स्थित मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में 'नीले समंदर' में 'ज्वार' ला दिया।

आमने

नामांकन दाखिल करने से एक दिन पहले बंद दरवाजों के पीछे गुंडागर्दी चल रही थी। कांग्रेस नहीं चाहती थी कि राजद का मुख्यमंत्री बने, लेकिन राजद ने कांग्रेस की कनपटी पर कट्टा रखकर तेजस्वी को सीएम चेहरा घोषित कराया।

–नरेंद्र मोदी

प्रधानमंत्री

सामने

भाजपा यह बात अच्छी तरह जानती है कि नीतीश कुमार अब मुख्यमंत्री नहीं बनने वाले, इसलिए अब वे भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। जनता महागठबंधन के साथ है और कट्टे की नोक नहीं बल्कि जनता के वोट की ताकत से परिवर्तन होगा।

–तेजस्वी यादव

नेता आरजेडी

रक्षा समझौते से पिघलेगी रिश्तों पर जमी बर्फ

अरविंद जयतिलक

लेखक

वैश्विक स्तर पर तेजी से बदल रहे सामरिक-आर्थिक समीकरण के दरमियान भारत और अमेरिका के बीच दस साल के लिए रक्षा समझौता दोनों देशों के रिश्ते में मिठास घोलने वाला है। अमेरिकी रक्षा सचिव हेगसेथ और भारतीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने समझौते पर हस्ताक्षर करते हुए उम्मीद जताई कि इस से दोनों देशों के सैन्य संबंधों को मजबूती मिलेगी। यह समझौता ऐसे समय में हुआ है, जब अमेरिका द्वारा भारत पर पचास फीसदी टैरिफ लगाने से दोनों देशों के कारोबारी रिश्ते में असहजता उत्पन्न हुई है। पर उम्मीद है कि इस रक्षा समझौते के उपरांत अब दोनों देशों के रिश्ते पर जमी बर्फ पिघलेगी।

यह समझौता पहली बार नहीं हुआ है। यह समझौता वर्ष 1962 से ही चला आ रहा है, जब अमेरिका ने भारत-चीन युद्ध में भारत का साथ दिया था। 1984 के एक अन्य समझौते के तहत दोनों देशों के बीच तकनीक हस्तांतरण को लेकर समझौता हुआ। इसी तरह 2004 में दोनों देशों के बीच नेक्स्ट स्टैप्स इन स्ट्रेटजिक पार्टनरशिप की शुरुआत हुई। इन समझौते से भारत की रक्षा तकनीकी और सैन्य ताकत में लगातार वृद्धि होती रही है।

वर्ष 2023 में अमेरिका की कंपनी जीईएयरोस्पेस और हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के बीच फाइटर प्लेन के एफ-414 इंजन बनाने का समझौता हुआ, जिसके तहत दोनों देशों की कंपनियां भारत में फाइटर प्लेन का इंजन बनाने के लिए सहमत हुईं। यह समझौता इस मायने में ज्यादा महत्वपूर्ण रहा कि भारत ने अभी तक एरो-इंजन बनाने में सफलता हासिल नहीं की है। दुनिया में सिर्फ चार देश ही अमेरिका, रूस, फ्रांस और ब्रिटेन हैं, जिहोंने फाइटर जेट का इंजन बनाने में दक्षता हासिल की है।

इसके अलावा भारत को अमेरिका से 31 प्रिडेटर ड्रोन एमक्यू-9बी मिलने पर मुहर लग चुकी है। प्रिडेटर ड्रोन एमक्यू-9बी के जरिए हिंद महासागर में निगरानी तंत्र को मजबूत किया जा सकेगा। चूंकि हिंद महासागर क्षेत्र से भारत को उर्जा जरूरतों और व्यवसायिक सामानों का आयात-निर्यात होता है, ऐसे में निगरानी के लिए प्रिडेटर ड्रोन कवच का काम करेगा। इस इलाके में तकरीबन 12 हजार जहाजों की मौजूदगी लगातार बनी रहती है। चीन का 80 फीसदी व्यापार इसी रूट के जरिए मलक्का स्ट्रेट से होकर गुजरता है। भारत को अमेरिका से मिलने जा रहा प्रिडेटर ड्रोन एमक्यू-9बी मिसाइल से लैस होगा, ऐसे में इस इलाके में चीन के बढ़ते दखल का जवाब दिया जा सकेगा।

विगत एक दशक में भारत और अमेरिका के बीच सामरिक साझेदारी को नया पंख लगा है। गत वर्ष पहले दोनों देशों के बीच रक्षा-सुरक्षा संबंधों को नई ऊंचाई देने के लिए तकरीबन तीन अरब डॉलर रक्षा सौदे का एलान हुआ। इसके तहत भारत अमेरिका से एडवांस मिलिट्री इक्विपमेंट सिस्टम के साथ छः एएच 64ई अपाचे और 23 एमएच-60 रोमियो हेलीकॉप्टर खरीदेगा। इससे भारतीय वायुबेड़ा को बेहद मजबूती मिलेगी।

अमेरिका दुनिया के सबसे अत्याधुनिक और उच्चकोटि के हथियारों, जिसमें एयर डिफेंस सिस्टम, मिसाइल और रॉकेट और नौसैनिक जहाज शामिल हैं, को भी भारत को देने को तैयार है। ये दोनो हेलीकॉप्टर हर तरह के मौसम में दिन के किसी भी समय हमला करने में निपुण हैं। चौथी पीढ़ी वाला यह हेलीकॉप्टर छिपी हुई पनडुब्बियों को आसानी से निशाना बना सकता है। इस हेलीकॉप्टर के जरिए भारत को अब अपने समुद्री इलाके को शत्रु मुक्त करने में मदद मिलेगी।

उल्लेखनीय है कि अमेरिकी नेवी के बेड़े में शामिल एमएच-60 रोमियो सी-हॉक हेलीकॉप्टर की गणना दुनिया के सबसे अत्याधुनिक हथियारों में होती है। अमेरिका भारत को 13 एमके-45 नौसैनिक तोप बेचने का भी एलान कर चुका है। अमेरिका भारत को इसका अपग्रेडेड वर्जन सौंपेगा। यह तोप युद्धपोतों से सतह और हवाई हमले करने में सक्षम है। अमेरिका भारतीय सैनिकों को इन तोपों को चलाने का प्रशिक्षण भी देगा। इन तोपों के मिलने से भारतीय नौसेना की समुद्री ऑपरेशनों की क्षमता बढ़ेगी। अमेरिका-भारत रक्षा सौदे का बजट जो पिछले एक दशक में 2008 तक शून्य था, वह आज 2025 में बढ़कर 22 बिलियन डॉलर के पार पहुंच चुका है।

अगर दोनों देशों के बीच इसी तरह सामरिक सामंजस्य और भरोसा बना रहा, तो वर्ष 2030 तक दोनों देशों के बीच रक्षा सौदा 30 बिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है। आज अमेरिका भारत के साथ मिलिट्री टू मिलिट्री संबंध व सहयोग बढ़ाने की दिशा में काम कर रहा है। इसका प्रमुख कारण उसके द्वारा दक्षिण एशिया में शक्ति संतुलन स्थापित करना है। इसी को ध्यान में रखते हुए, उसने 2016 में भारत को 'प्रमुख रक्षा साझेदार' के तौर पर मान्यता दी। याद होगा कि वर्ष 2018 में भारत और अमेरिका के बीच कॉमकासा (कम्युनिकेशंस कमपैटबिलिटी एंड सिक्योरिटी एग्रीमेंट) पर हस्ताक्षर हुआ। इस कारर पर हस्ताक्षर के बाद से अब भारत अमेरिका से अति-आधुनिक रक्षा तकनीक प्राप्त करेगा। अभी तक भारत को अमेरिका से ऐसी कोई तकनीकी नहीं मिलती थी। एफ-16 बनाने वाली अमेरिकी कंपनी लॉकहीड मार्टिन ने भी भारत में अपने नए रोल आउट एफ-21 का निर्माण करने की पेशकश कर चुकी है।

भारत-अमेरिका के बीच रक्षा समझौते पर अमेरिकी रक्षा सचिव हेगसेथ और भारतीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने उम्मीद जताई है कि इस से दोनों देशों के सैन्य संबंधों को मजबूती मिलेगी।

सोशल फोरम

साहिर, अमृता व इमरोज

प्रसिद्ध लेखिका अजीत कौर लिखती हैं कि यह उन दिनों की बात है जब मैं दिल्ली हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रही थी। अमृता प्रीतम के घर मेरा आना-जाना हुआ करता था। उस दिन मैं अमृता के घर गई, तो देखा बरामदे में कोई लड़का बैठा हुआ है। पहले मैंने उसे अमृता के बेटे नवराज का दोस्त समझा। बाद में पता चला कि कोई चित्रकार है। किताबों के कवर डिजाइन करता है और नाम इंद्रजीत है। कुछ समय बाद खबर मिली कि इंद्रजीत को मुंबई में कोई अच्छा कॉन्ट्रैक्ट मिल गया है और अमृता भी उसके साथ मुंबई चली गई हैं। लगभग डेढ़ बरस के बाद एक दिन बलवंत गार्गी मेरे हॉस्टल आए और उन्होंने बताया कि सुन! अमृता मुंबई से वापस आ गई है। बहुत परेशान है बेचारी। तू चलेगी उससे मिलने?

प्रतिभा नैथानी

ब्लॉगर

हम गए तो देखा कि अमृता सूखकर कांटा हो गई है। आंखों के नीचे भी स्याह घेरे पड़े हुए हैं। उसे इतना उदास हमने पहले कभी नहीं देखा। वह बिल्कुल खामोश बैठी रही। बहुत देर बाद उसने बताया कि मुंबई में इंद्रजीत और उसके बीच साहिर को लेकर रोज़ झगड़ा होता था। एक दिन इंद्रजीत ने इसका बक्सा उठाकर सड़क पर फेंक दिया कि साहिर-साहिर की रट लगाए रहती है हरदम! जा उसी के पास जाकर मर। वहां से सीधे अपने घर जाने की हिम्मत तो थी नहीं, इसलिए वह बलवंत गार्गी के घर पर ही रुकी हुई थी। हमने अमृता के पति भापा प्रीतम सिंह जी से बात की, उसे घर लिवा ले जाने के लिए। वे सचमुच आए और अमृता की झेंप मिटाते हुए उन्होंने कहा- 'आओ चलो अपने घर चलें।' अब अमृता एक बार फिर अपने घर में थी।

फिर पता चला कि इंद्रजीत भी मुंबई से वापस दिल्ली लौट आया है। वह अमृता से मिलने उसके घर गया, लेकिन बार-बार नहीं। अब अमृता उससे मिलने जाती थी, जो सड़क के दूसरी तरफ कुछ दूर था। मिलने-मिलाने की यह ऊहापोह ज़्यादा दिन न चल सकी। कुछ दिन बाद ही वे दोनों साथ रहने लगे और फिर पता नहीं कब इंद्रजीत, इमरोज़ हो गया। अजीत कौर यह भी लिखती हैं कि साहिर ने कभी भी अमृता के प्रति अपने लगाव को जाहिर नहीं किया, बस अमृता ही उसके नाम की आहें भरती रहती थीं। अमृता प्रीतम ने साहित्य में इतना नाम कमाया है कि उन्हें इसके लिए ही याद किया जाता तो बेहतर था, मगर अफसोस कि उनकी मिसाल दी जाती है, 'रसीदी टिकट' भर पर समा जाने वाले इस मामूली प्रेम त्रिकोण के लिए।

–फेसबुक वाल से

सामयिकी

ग्रामीण जीवन पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव

अरब सागर में जन्मा मोनथन तूफान जब मध्य भारत की ओर बढ़ा, तो वह अपने साथ केवल हवाओं और वर्षा का उग्र रूप नहीं लाया, बल्कि किसानों की वर्षों की मेहनत, उनकी उम्मीदें और भविष्य की संभावनाएं भी अपने साथ बहा ले गया। यह केवल एक मौसमी घटना नहीं थी, यह प्रकृति की उस कठोर भाषा में कही गई चेतावनी थी, जो हमें बार-बार यह याद दिलाती है कि विकास की दौड़ में हमने संतुलन की रेखा बहुत पीछे छोड़ दी है।

मध्यप्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र के अनेक जिलों में इस तूफान ने भारी तबाही मचाई। खेतों में पककर तैयार खड़ी कपास, सोयाबीन, मक्का और उड़द जैसी फसलें पानी में डूब गईं। कटाई से ठीक पहले आई लगातार बारिश ने खेतों को दलदल में बदल दिया। मौसम विभाग के अनुसार, यह तूफान अरब सागर में बने गहरे निम्न दबाव क्षेत्र से उत्पन्न हुआ, जिसने मध्य भारत में असामान्य और दीर्घकालिक वर्षा की स्थिति पैदा कर दी। यह अस्थिरता केवल मौसम के व्यवहार में नहीं, बल्कि हमारी विकास नीतियों में छिपी असंतुलन की परिणति है।

संध्याण राजपुरोहित

एक्टिविस्ट

इस आपदा का सबसे अधिक असर उन इलाकों पर पड़ा, जो पहले से ही आर्थिक और भौगोलिक रूप से कमजोर हैं, विशेषकर आदिवासी बहुल अंचल। मध्य प्रदेश के झाबुआ, अलीराजपुर, धार, बड़वानी और खरगोन जैसे जिलों में किसानों की मेहनत मिट्टी में मिल गई। इन क्षेत्रों की खेती मुख्यतः वर्षा पर निर्भर है। यहां न सिंचाई की स्थायी व्यवस्था है, न फसल बीमा की पर्याप्त पहुंच। कटाई से ठीक पहले आई इस विपत्ति ने किसानों को दोहरी मार दी। एक ओर फसल का नुकसान, दूसरी ओर कर्ज़ का बोझ। देशभर में मोनथन तूफान से हुए नुकसान के आंकड़े भी गंभीर चिंता पैदा करते हैं। आंध्रप्रदेश में 1.12 लाख हेक्टेयर से अधिक फसल क्षेत्र प्रभावित हुआ है, जबकि कपास में लगभग 30 प्रतिशत नुकसान दर्ज किया गया। मध्य प्रदेश में सोयाबीन उत्पादन क्षेत्र का लगभग छह प्रतिशत भाग बर्बाद हुआ। इन आंकड़ों के पीछे केवल प्राकृतिक अस्थिरता नहीं, बल्कि हमारी तैयारी और नीतिगत ढिलाई का भी दुष्परिणाम छिपा है।

जलवायु परिवर्तन अब किसी दूरस्थ भविष्य की चेतावनी नहीं रहा। यह हमारे वर्तमान का स्थायी यथार्थ बन चुका है। बीते वर्षों में हमने बार-बार इसकी विभीषिका देखी है। कभी असामान्य वर्षा, कभी लंबा सूखा, कभी ओलावृष्टि और अब समुद्री तूफान। वैज्ञानिक बताते हैं कि समुद्रों का बढ़ता तापमान तूफानों की तीव्रता और उनके विस्तार दोनों को बढ़ा रहा है। जो तूफान पहले तटीय क्षेत्रों तक सीमित रहते थे, वे अब भीतरी इलाकों तक पहुंच रहे हैं। यह एक नया परिदृश्य है, जो बताता है कि पर्यावरणीय असंतुलन किस गहराई तक जा पहुंचा है।

मौसम के इन अनिश्चित स्वरूपों का असर केवल कृषि तक सीमित नहीं रहता। आदिवासी अंचलों में, जहां किसान खेती के साथ पशुपालन और वन-आधारित आजीविका पर निर्भर रहते हैं, अतिवृष्टि ने चारे की कमी, पशुधन की हानि और वन उत्पादों के नष्ट होने से आय के तीनों स्रोतों को प्रभावित किया है। महिलाएं, जो घर, खेत और परिवार की आर्थिक रीढ़ हैं, अब रोजमर्रा की कठिनाइयों और असुरक्षा से जूझ रही हैं। हमारी सरकारी प्रतिक्रियाएं अब भी प्रायः राहत और मुआवजे की घोषणा तक सीमित रहती हैं। आपदा के बाद त्वरित राहत की आवश्यकता से इनकार नहीं किया जा सकता, परंतु केवल आर्थिक सहायता से स्थिति सुधर नहीं सकती। जरूरत इस बात की है कि कृषि और ग्रामीण विकास नीतियों को जलवायु-संवेदनशील दृष्टिकोण से पुनर्परिभाषित किया जाए।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

भारत में सूर्य उपासना के प्रमुख केंद्र

सूर्य देव की पूजा या आराधना हिंदू धर्म में एक महत्वपूर्ण परंपरा है। सूर्य को प्रत्यक्ष देवता माना जाता है और उनकी उपासना से आध्यात्मिक विकास, उत्तम स्वास्थ्य, सफलता और स्पष्ट सोच प्राप्त होती है। सूर्य की उपासना करके इंसान अपने जीवन को सर्वोत्तम बना सकता है। शिक्षा के क्षेत्र में सर्वोच्च स्थान पाने के लिए सूर्य उपासना सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। सूर्य उपासना प्रतिदिन और विशेष रूप से रविवार के दिन नियमित रूप से की जाती रही है। इसके अलावा मुख्य पर्वों में कार्तिक शुक्ल षष्ठी को छठ पूजा, भाद्रपद शुक्ल पक्ष का अंतिम रविवार को बड़ा रविवार और माघ शुक्ल सप्तमी को रथ सप्तमी प्रमुख रूप से शामिल है।

डॉ. राधेश्याम द्विवेदी
आचार्य

प्रमुख सूर्य मंदिर

भारत में मुख्यतः बीस सूर्य मंदिर का उल्लेख मिलता है। ये मंदिर भारत की समृद्ध सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत का हिस्सा हैं और सूर्य देव की पूजा के लिए महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं।

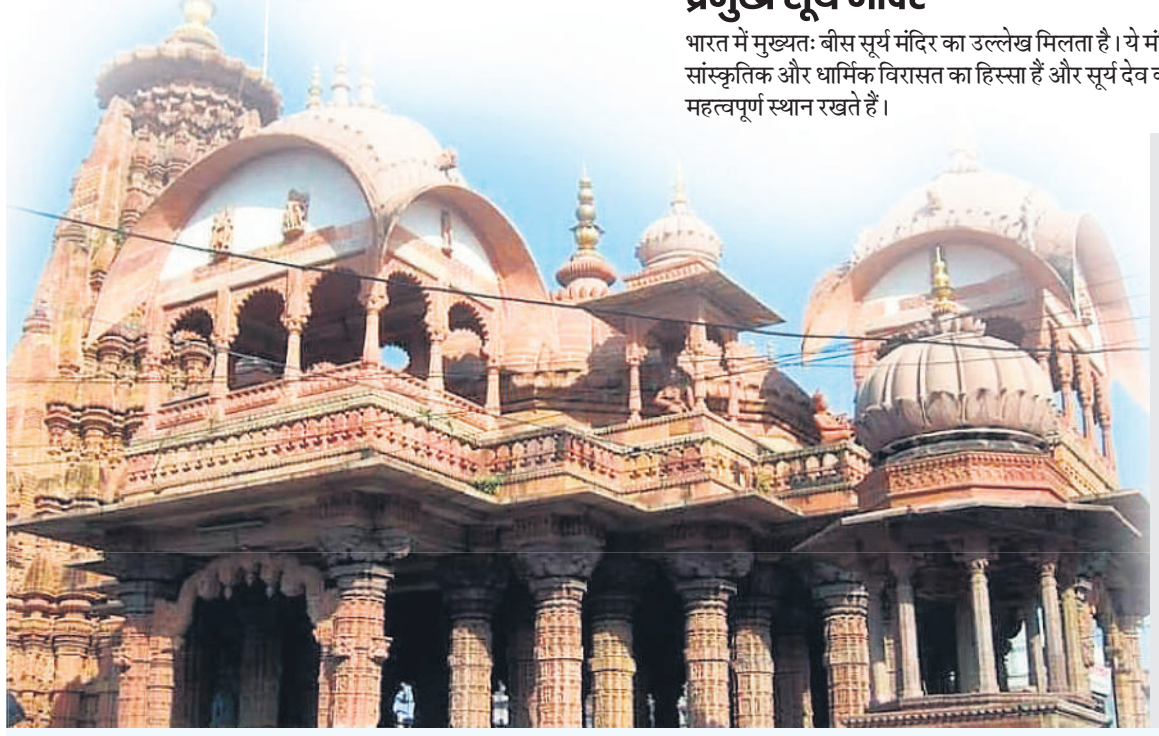

सूर्य मंदिर झालावाड़

झालावाड़ का सूर्य मंदिर, जिसे झालरापाटन का सूर्य मंदिर भी कहा जाता है। राजस्थान के झालावाड़ जिले के झालरापाटन शहर में स्थित है। यह मंदिर अपनी अनूठी वास्तुकला और धार्मिक महत्व के लिए प्रसिद्ध है।

सूर्य मंदिर, नीरथ- हिमाचल प्रदेश

यह एक प्राचीन और अनोखा सूर्य मंदिर है, जो उत्तर भारत में स्थित है। यह मंदिर सतलुज नदी के बाएं तट पर स्थित है और रामपुर से 18 किलोमीटर दूर है। यह मंदिर नागर शैली में बनाया गया है और भगवान सूर्य देव (सूर्य) और उनकी पत्नी छाया को समर्पित है।

- **सूर्य मंदिर, हंडिया**- हंडिया में सूर्य मंदिर, जिसे सूर्य नारायण धाम मंदिर भी कहा जाता है। बिहार के नवादा जिले के नारदीगंज प्रखंड में स्थित है। यह मंदिर द्वापर युग से जुड़ा हुआ है और माना जाता है कि इसका निर्माण भगवान कृष्ण के पुत्र साम्ब ने करवाया था। यह मंदिर कुष्ठ रोग से मुक्ति के लिए प्रसिद्ध है और माना जाता है कि मंदिर के पास स्थित तालाब के पानी में स्नान करने से कुष्ठ रोग ठीक हो जाता है।
- **सूर्य मंदिर, गया**- गया में सूर्य मंदिर, देव सूर्य मंदिर के नाम से प्रसिद्ध है, जो बिहार के औरंगाबाद जिले में स्थित है। यह मंदिर भगवान सूर्य को समर्पित है और छठ पूजा के दौरान विशेष रूप से प्रसिद्ध है।
- **सूर्य मंदिर, महोबा**- उत्तर प्रदेश के महोबा में सूर्य मंदिर राहिला सागर के पश्चिम दिशा में स्थित है। इस मंदिर का निर्माण चंदेल शासक राहिल देव वर्मन ने एक तालाब को खुदवाकर, जिसे राहिल सागर के नाम से जाना जाता है। 890 से 910 ई. के दौरान नौवीं शताब्दी में करवाया था। इस मंदिर की वास्तुकला काफी खूबसूरत है। 1203 में कुतुबुद्दीन ऐबक ने इस मंदिर को भारी नुकसान पहुंचाया।
- **रहली का सूर्य मंदिर, सागर-मध्य प्रदेश**- रहली का सूर्य मंदिर, मध्य प्रदेश के सागर जिले में स्थित एक प्राचीन मंदिर है। यह मंदिर सुनार नदी के तट पर स्थित है और कर्क रेखा पर स्थित देश का एकमात्र सूर्य मंदिर होने का गौरव रखता है। नौवीं सदी में चंदेल राजाओं द्वारा निर्मित, यह मंदिर ऐतिहासिक व धार्मिक महत्व रखता है।
- **सूर्य मंदिर, रांची**- यह झारखंड की राजधानी रांची से लगभग 40 किमी (25 मील) दूर एनएच-43 (रांची-टाटा रोड) पर एक पहाड़ी की चोटी पर स्थित है। मंदिर का निर्माण एक विशाल रथ के रूप में किया गया है, जिसमें सुंदर ढंग से डिजाइन किए गए अठारह पहिए और सात प्राकृतिक घोड़े हैं। मंदिर में शिव, पार्वती और गणेश सहित कई अन्य देवता भी हैं।
- **सूर्य मंदिर, कंदाहा**- कंदाहा गांव में स्थित सूर्य मंदिर, सहरसा जिले के महिषी प्रखंड की पस्तवार पंचायत में है। यह एक महत्वपूर्ण धार्मिक और ऐतिहासिक स्थल है, जो सहरसा जिला मुख्यालय से लगभग 16 किलोमीटर दूर है। इस मंदिर में सात घोड़ों के रथ पर सवार सूर्य भगवान की मूर्ति एक ग्रेनाइट स्लैब पर बनी हुई है।

- **उलार्क सूर्य मंदिर**- उलार्क सूर्य मंदिर, बिहार के पटना जिले में दुल्हिनबाजार प्रखंड के पास स्थित एक प्रसिद्ध सूर्य मंदिर है। यह देश के 12 प्रसिद्ध सूर्य मंदिरों में से एक माना जाता है। इसे भगवान भास्कर का तीसरा सबसे बड़ा सूर्य आर्क स्थल माना जाता है।
- **कोणार्क सूर्य मंदिर**- कोणार्क सूर्य मंदिर ओडिशा के पुरी जिले में समुद्र तट पर पुरी शहर से लगभग 35 किलोमीटर (22 मील) उत्तर-पूर्व दिशा में स्थित है। यह मंदिर 13 वीं शताब्दी में राजा नरसिंहदेव द्वारा बनवाया गया था और यह भारत की मध्ययुगीन वास्तुकला का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।
- **मोदेरा सूर्य मंदिर**- मोढेरा का सूर्य मंदिर, गुजरात के मेहसाणा जिले में स्थित एक प्राचीन मंदिर है, जो अपनी अनूठी वास्तुकला और जटिल नक्काशी के लिए प्रसिद्ध है। यह मंदिर 11 वीं शताब्दी में सोलंकी वंश के राजा भीम प्रथम के शासनकाल में बनाया गया था।

- कटारमल सूर्य मंदिर (उत्तराखंड)- यह मंदिर 9 वीं शताब्दी में बनाया गया था और यह उत्तराखंड के सबसे महत्वपूर्ण सूर्य मंदिरों में से एक है, जो उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले में स्थित एक प्राचीन सूर्य मंदिर है। यह मंदिर कुमाऊं क्षेत्र का एकमात्र सूर्य मंदिर होने का गौरव रखता है। इसे 'बड़ादित्य सूर्य मंदिर' के नाम से भी जाना जाता है। यह मंदिर 2,116 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है और कोणार्क के सूर्य मंदिर से भी पुराना माना जाता है।
- रणकपुर सूर्य मंदिर (राजस्थान) - यह मंदिर 15 वीं शताब्दी में बनाया गया था और यह अपनी जटिल नक्काशी और 1444 खंभों के लिए प्रसिद्ध है।
- सूर्य पहर मंदिर (असम)- यह मंदिर असम के गोलपारा जिले में स्थित है।
- सूर्य मंदिर, प्रतापगढ़ (उत्तर प्रदेश)- यह मंदिर उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में स्थित है।
- दक्षिणार्क सूर्य मंदिर (बिहार)- यह मंदिर बिहार के गया जिले में स्थित है।

- देव सूर्य मंदिर (बिहार)- यह मंदिर बिहार के औरंगाबाद जिले में स्थित है।
- मार्तंड सूर्य मंदिर (कश्मीर)- यह मंदिर 8 वीं शताब्दी में राजा ललितादित्य मुक्तापीड द्वारा बनवाया गया था और यह कश्मीर के सबसे पुराने सूर्य मंदिरों में से एक है।
- औंगारी सूर्य मंदिर (बिहार)- यह मंदिर बिहार के नालंदा जिले में स्थित है।
- बेलार्कसूर्य मंदिर- बेलाउर सूर्य मंदिर बिहार के भोजपुर जिले के बेलाउर गांव के पश्चिमी एवं दक्षिणी छोर पर अवस्थित एक प्राचीन सूर्य मंदिर है। इसका निर्माण राजा सूबा ने करवाया था। बाद में बेलाउर गांव में कुल 52 पोखरा (तालाब) का निर्माण कराने वाले राजा सूबा को 'राजा बावन सूब' के नाम से पुकारा जाने लगा। राजा द्वारा बनवाए 52 पोखरों में एक पोखर के मध्य में यह सूर्य मंदिर स्थित है।

बोध कथा

बुराई में अच्छाई

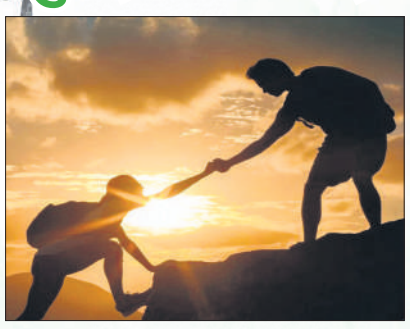

एक शिष्य अपने गुरु से सप्ताह भर की छुट्टी लेकर अपने गांव जा रहा था। वह गांव के लिए पैदल ही निकला। जाते समय रास्ते में उसे एक कुआं दिखाई दिया। शिष्य प्यासा था, इसलिए उसने कुएं से पानी निकाला और अपना गला तर किया। कुएं का जल बेहद मीठा और ठंडा था, शिष्य को अद्भुत तृप्ति मिली। शिष्य ने सोचा कि क्यों न यहां का जल गुरुजी के लिए भी ले चलूं। उसने अपना मटका भरा और वापस आश्रम की ओर चल पड़ा। वह आश्रम पहुंचा और गुरुजी को सारी बात बताई। गुरुजी ने शिष्य से पानी लेकर पिया और संतुष्टि महसूस की। उन्होंने शिष्य से कहा, "वाकई जल तो गंगाजल के समान है"। शिष्य को खुशी हुई। गुरुजी से इस तरह की प्रशंसा सुनकर शिष्य आज्ञा लेकर पुनः अपने गांव की ओर चल पड़ा। कुछ ही देर में आश्रम में रहने वाला एक दूसरा शिष्य गुरुजी के पास पहुंचा और उसने भी वह जल पीने की इच्छा जताई। गुरुजी ने मटका शिष्य को दे दिया। शिष्य ने जैसे ही घूंट भरा, उसने पानी बाहर कुल्ला कर दिया। शिष्य बोला- "गुरुजी इस पानी में तो कड़वापन है और न ही यह जल शीतल है। आपने बेकार ही उस शिष्य की इतनी प्रशंसा की"। गुरुजी बोले- "बेटा, मिठास और शीतलता इस जल में नहीं है, तो क्या हुआ। इसे लाने वाले के मन में तो है। जब उस शिष्य ने जल पिया होगा तो उसके मन में मेरे लिए प्रेम उमड़ा। यही बात महत्वपूर्ण है। मुझे भी जल तुम्हारी तरह ठीक नहीं लगा। मैं यह कहकर उसका मन दुखी करना नहीं चाहता था। हो सकता है, जब जल मटके में भरा गया, तब वह शीतल हो और मटके के साफ न होने के कारण यहां तक आते-आते यह जल वैसा नहीं रहा, लेकिन इससे लाने वाले के मन का प्रेम तो कम नहीं होता है न"। - फीचर डेस्क

पौराणिक कथा

संत का आशीर्वाद

महर्षि नारद वैकुंठ की यात्रा पर जा रहे थे, नारद जी को रास्ते में एक औरत मिली और बोली, "मुनिवर आप प्रायः भगवान नारायण से मिलने जाते हैं। मेरे घर कोई संतान नहीं है आप श्री प्रभु से पूछना मेरे घर संतान कब होगी"? नारद जी ने कहा, "ठीक है, पूछ लूंगा"। इतना कहकर नारदजी नारायण-नारायण कहते हुए यात्रा पर चल पड़े। वैकुंठ पहुंचकर श्री नारायण जी ने नारदजी से जब कुशलता पूछी तो नारदजी बोले "जब मैं आ रहा था तो रास्ते में एक औरत, जिसके घर कोई संतान नहीं है। उसने मुझे आपसे पूछने को कहा कि उसके घर पर संतान कब होगी"। नारायण बोले, "तुम उस औरत को जाकर बोल देना कि उसकी किस्मत में संतान का सुख नहीं है"।

डॉ.विपिन शर्मा
ज्योतिषाचार्य

नारदजी जब वापस लौट रहे थे, तो वह औरत बड़ी बेसब्री से नारदजी का इंतजार कर रही थी। औरत ने नारदजी से पूछा कि प्रभु नारायण ने क्या जवाब दिया! इस पर नारदजी ने कहा प्रभु ने कहा है कि आपके घर कोई औलाद नहीं होगी। यह सुनकर औरत दहाड़े मारकर रोने लगी नारदजी चलते बने। कुछ समय बीत गया। गांव में एक संत मधुकरी के लिए आए और उस संत ने उसी औरत के घर के पास ही आवाज लगाई। संत की आवाज सुनकर वो औरत मधुकरी के लिए भोजन ले आई। दान पाकर संत ने उसे पुत्रवती होने का आशीर्वाद दिया और जैसा उस संत ने कहा था वैसा ही हुआ। उस औरत के घर एक बेटा पैदा हुआ। उस औरत ने बेटे की खुशी में गरीबों में खाना बांटा और ढोल बजवाए। कुछ वर्षों बाद जब नारदजी पुनः वहां से गुजरे तो वह औरत नारद जी को उलाहना देते हुए कहने लगी, "क्यों नारदजी आप तो हर समय नारायण-नारायण करते रहते हैं, आपने तो कहा था, मेरे घर संतान नहीं होगी। यह देखो मेरा राजकुमार बेटा", फिर उस औरत ने उस संत के बारे में भी बताया। अब नारदजी को इस बात का जवाब चाहिए था कि यह कैसे हो गया। वह जल्दी-जल्दी नारायण धाम की ओर गए और प्रभु से ये बात कही कि आपने कहा था कि उस औरत के घर संतान नहीं होगी। क्या उस संत में आपसे भी ज्यादा शक्ति है? नारायण भगवान बोले आज मेरी तबियत कुछ ठीक नहीं है। मैं आपकी बात का जवाब बाद में दूंगा। पहले आप मेरे लिए औषधि का इंतजाम कीजिए। नारदजी बोले आज्ञा दीजिए प्रभु, श्री नारायण बोले नारदजी आप भूलोक जाइए और एक कटोरी रक्त लेकर आइए। नारदजी कभी इधर कभी उधर घूमते रहे, पर प्याले भर रक्त नहीं मिला। उल्टा लोग उपहास करते कि नारायण बीमार हैं। चलते-चलते नारदजी किसी जंगल में पहुंचे। वहां पर वही संत मिले, जिसने उस औरत को बेटे का आशीर्वाद दिया था। वो संत नारदजी को पहचानते थे, उन्होंने कहा, "अरे नारदजी आप इस जंगल में इस समय क्या कर रहे हैं"। इस पर नारदजी ने जवाब दिया। "मुझे प्रभु ने किसी इंसान का रक्त लाने को कहा है"। यह सुनकर संत खड़े हो गए और बोले कि प्रभु ने किसी इंसान का रक्त मांगा है। संत ने कहा, "आपके पास कोई छुरी या चाकू है"? नारदजी ने कहा कि "वह तो मैं हाथ में लेकर घूम रहा हूं"। उस संत ने अपने शरीर से एक प्याला रक्त दे दिया। नारदजी वह रक्त लेकर नारायण जी के पास पहुंचे और कहा आपके लिए मैं औषधि ले आया हूं। नारायण ने कहा यही आपके सवाल का जवाब भी है, जिस संत ने मेरे लिए एक प्याला रक्त मांगने पर अपने शरीर से इतना रक्त भेजकर मुझे अपना ऋणी बना लिया है, जो मुझसे इतना प्रेम करता हो, क्या उस संत के आशीर्वाद देने पर मैं किसी को बेटा भी नहीं दे सकता? उस बांझ औरत के लिए प्रार्थना आप भी तो कर सकते थे, पर आपने ऐसा नहीं किया। रक्त तो आपके शरीर में भी था, पर आपने नहीं दिया।

सप्ताह के प्रमुख व्रत

गंगा स्नान- 5 नवंबर

महत्व: कार्तिक पूर्णिमा का दिन हिंदू धर्म में बहुत खास माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन देवी-देवता स्वर्ग से धरती पर गंगा स्नान करने आते हैं। इसलिए इस दिन गंगा स्नान का बहुत महत्व है। साथ ही भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी के साथ भगवान शिव व माता पार्वती की पूजा करने का विधान है।

देव दीपावली - 5 नवंबर

पौराणिक कथाओं के अनुसार, इसी दिन भगवान शिव ने त्रिपुरासुर नामक शक्तिशाली राक्षस का वध किया था। इस खुशी में सभी देवताओं ने काशी में दीप जलाकर उत्सव मनाया था। इसलिए इस दिन भगवान शिव की पूजा करने और उनके मंत्रों का जाप करने से हर इच्छा पूरी होती है।

करुणा : मानवता और सहजीवन की आधारशिला

करुणा मानवीय हृदय का सुकोमल भाव है। यह मानवता का सर्जक और सहजीवन का मुख्य कारक भाव है। करुणा का भाव व्यक्ति को पीड़ित प्राणी के अंतः करण से जोड़ देता है। करुणा मानव हृदय की अनमोल संपदा है। सर्वोच्च विचार धारा और आत्मा का अमृत है। यह जब मानव हृदय से समाप्त हो जाता है, तो मानव मन मात्र पत्थर के रूप में परिणत हो जाता है। किसी पीड़ित प्राणी को देखकर अपने हृदय में एक हलचल खड़ी होना, एक स्पंदन खड़ा होना, मन को कंपन आना यह करुणा का जागरण है। करुणा प्रेरित व्यक्ति पीड़ित व्यक्ति को कष्ट मुक्त कर के अत्मिक आनंद का अनुभव करता है।

कांतिलाल मांडोत
लेखक

अमेरिका के राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन के जीवन की घटना इस तथ्य को अधिक स्पष्ट कर देगी। एक बार वे मित्रों के साथ कहीं जा रहे थे, उन्होंने गटर के नाले में एक सूअर के बच्चे को करुण रुदन करते सुना। वे तत्काल उस गटर में उतर गए और सूअर के बच्चे को बाहर ले आए। कपड़े सब खराब हो गए थे। मित्रों ने कहा आपने यह क्या कर दिया, सारे कपड़े गंदे कर दिए। लिंकन ने कहा ये तो अभी धुल जाएंगे यदि मैं इस सूअर के बच्चे को तड़पता छोड़कर चला जाता तो रात भर मैं चैन से सो भी नहीं पाता। इसे बचाकर मैंने अपना चैन ही बचाया है। अब मैं आराम से नींद ले सकूंगा। उक्त उदाहरण से स्पष्ट होता है कि करुणा प्रेरित व्यक्ति, जो सेवा करता है वह किसी पर उपकार करने के लिए नहीं, किंतु अपने आत्मिक आनंद के लिए वह ऐसा करता है। पांडु पत्नी राज माता कुंती देवी ने तो एक ब्राह्मण के बच्चे को बचाने को अपने पुत्र को मृत्यु के साक्षात अवतार बक राक्षस से भिड़ने को भेज दिया, मेघरथ और शिवि जैसे आदर्श हमारे इतिहास के अनमोल आदर्श हैं। अपने तन का बलिदान देकर भी एक कबूतर को बचा लेना, उनका परम धर्म बन गया था।

करुणा सहजीवन की प्रबल आधार शिला है। परिवार और समाज तभी आदर्श और श्रेष्ठ सिद्ध होता है, जब उनमें प्रत्येक व्यक्ति परस्पर करुणा भाव से अनुप्राणित होते हैं। सेवा का उच्चतम आदर्श करुणा से ही चरितार्थ होता है। आज जन-जीवन की मानसिकता में करुणा का स्रोत सूखता चला जा रहा है। फलत मानव राक्षस जैसी प्रवृतियां करने लगा है। हत्याएं लूटपाट अत्याचार देश में बढ़ रहे है। सभी चिंतित है, किंतु उसका उपाय करुणा भाव है। देश में इस भाव से जागरण का प्रयत्न करना चाहिए। हम अपनी आस्थाएं

खोकर, सब कुछ खो देंगे। हम पारंपरिक रूप से अनेक श्रद्धा और आस्थाओं से जुड़े हुए हैं। हमारी संस्कृति और हमारे धर्म बहुआयामी हैं। सभी धर्मों की श्रेष्ठ प्रवृतियों और सिद्धांतों के प्रति हम आस्थावान रहते आए हैं। एक दूसरे के प्रति सम्मान भाव से संयुक्त रहना हमारी मानसिक प्रतिबद्धता है। उदारता हमारे विचारों का प्रमुख तत्व है। स्यादवाद अर्थात् अनेकांतवाद हमारी समस्त प्रवृतियों का आस्थाओं का अंतर्निहित तत्व है, हम इसे कभी खो नहीं सकते। इस को खो देने का अर्थ होगा अपना अस्तित्व ही समाप्त कर देना।

कुछ संस्कृतियां जो भारत की मिट्टी में नहीं उपजी है, नितांत असहिष्णु और भोगवादी हैं। वे मानव को पाशविक स्तर तक भोगवादी बनाने को प्रस्तुत है। किन्हीं विशिष्ट तत्वों के प्रति आस्था का वहां कोई निश्चित आधार नहीं है। वे संस्कृतियां भारत की महान तप संस्कृति को क्षति पहुंचाने का कार्य कर रही हैं। ऐसी स्थिति में देश के प्रबुद्ध वर्ग को गहनता के साथ यह सोचना होगा कि हम इस महान संस्कृति के क्षरण को कैसे रोक पाए? आस्था और विश्वास का संबल वह शक्ति है, जो राष्ट्र और संस्कृति की मौलिकता को बचा सकती है, हमें दृढ़ता के साथ इस दिशा में प्रयत्न करना चाहिए। हमारे धर्म हमारी संस्कृति के प्राण हैं, धार्मिक अनुष्ठान साधनाएं हमारे श्रेष्ठ संस्कार और प्रेरणा हैं। इन्हें अक्षुण्ण रखकर ही हम अपनी संस्कृति को बचा सकते हैं। भारत के सभी धर्म संप्रदायों को पारस्परिक सम्मान और सहयोग के साथ जुड़कर रहना चाहिए। कोई धर्म संप्रदाय का शत्रु नहीं है।

सभी धर्म संप्रदायों का शत्रु अधर्म है। सभी को मिलकर अधर्म के विरुद्ध लड़ना चाहिए। तनिक सोचिए कि धार्मिक आस्था ही नहीं रहेगी, तो कोई धर्म संप्रदाय कैसे बचेगा? सभी धर्म संप्रदाएं आस्था के आंगन में ही फलते फूलते हैं। अतः जनता की आस्था अनास्था में न बदले इसके लिए सभी को प्रयास करना चाहिए। नास्तिकता ही धर्म विरोधी शक्ति है, उसे ही निरस्त करने का प्रयास होना चाहिए। धर्म संप्रदाएं परस्पर एक दूसरे को निरस्त करने का प्रयास क्यों करें? पारस्परिक संघर्षों से नास्तिकता के लिए भूमिका तैयार होती है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	83,978.49	25,763.35
बढ़त	39.78	41.25
प्रतिशत में	0.05	0.16

सोना 1,25,300 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,54,000 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, मंगलवार, 4 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2565, राज श्री 1800, फ़ॉर्चून कि. 2240, रविन्द्रा 2470, फॉर्चुन 13 किग्रा 1970, जय जवान 1990, सचिन 2025, सूरज 1990, अवसर 1895, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1930, क्लासिक (किग्रा) 2145, मोर 2185, चक्र टिन 2330, ब्लू 2160, आशीर्वाद मस्टर्ड 2360, स्वास्तिक 2520

निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि0) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल : (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5050, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 9500-11200, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 12800, उड़द धोवा 10000-11000,चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 7200, डबरा 7200-9200, सच्चा हीरा 8600, मोटा हीरा 10700, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पटका मोटा 8300, अरहर कोरा मोटा 8700, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : डालमियां NA, पीलीभीत 4440, सितारगंज 4350, धामपुर NA

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 4800, मसूरी- 1600, बासमती- 9200, परमल- 3100

दाल दलहन : काला चना- 6000, साबुत चना दाल- 5600, मूंग साबुत- 7400, राजमा- 11100-14000, दाल उड़द- 8000, साबुत मसूर दाल- 6800, मसूर दाल- 5200, उड़द साबुत- 8000, काबुली चना- 10100, अरहर दाल- 10400, लोबिया/करमानी- 6400

अमेरिकी समझौतों से निर्यातकों को मिलेगी राहत

फिच बोली- अमेरिका और एशिया-प्रशांत क्षेत्र के बीच हुए द्विपक्षीय व्यापार समझौते से अनिश्चितता होगी कम

नई दिल्ली, एजेंसी

वैश्विक रेटिंग एजेंसी फिच ने कहा कि अमेरिका और एशिया-प्रशांत क्षेत्र के कई देशों के बीच हाल में द्विपक्षीय व्यापार समझौते होने से निर्यातकों के लिए अनिश्चितता कम होगी। वहीं आगामी वर्षों में इन देशों की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में मामूली बढ़ोतरी हो सकती है।

भारत के संदर्भ में फिच ने कहा कि अमेरिका के साथ भले ही व्यापार समझौता अभी नहीं हुआ है, लेकिन भारत पर लगाया 50% शुल्क अधिकांश एशियाई निर्यातकों की तुलना में अधिक है। फिर भी, दोनों देशों के बीच निकट भविष्य में समझौता की संभावना है। फिच रेटिंग्स ने सोमवार को कहा कि 20-30 अक्टूबर के बीच अमेरिका ने चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, वियतनाम, मलेशिया, थाइलैंड, ऑस्ट्रेलिया और कंबोडिया के साथ समझौतों की घोषणा की है।

● वैश्विक रेटिंग एजेंसी ने कहा- एशियाई देशों की जीडीपी वृद्धि में हो सकती है मामूली बढ़ोतरी

इनमें सबसे अधिक आर्थिक प्रभाव चीन पर लगाई गई 20% फेंटानिल-संबंधित अमेरिकी शुल्क को आधा करने से आएगा। इससे चीन पर प्रभावी शुल्क दर 10% तक घट सकती है।

रेटिंग एजेंसी ने कहा कि अमेरिका और चीन ने एक वर्ष के लिए अपने हालिया व्यापार प्रतिबंधों को रोकने पर सहमति जताई है, जिनमें चीन द्वारा दुर्लभ तत्वों के निर्यात पर लगाई पाबंदियां और अमेरिका द्वारा अपनी प्रतिबंधित इकाइयों से जुड़ी कंपनियों पर निर्यात लाइसेंसिंग शर्तों का विस्तार शामिल है। फिच ने कहा कि उम्मीद है कि इन घटनाक्रमों का 2026-27 में चीन और अमेरिका की आर्थिक वृद्धि पर सकारात्मक असर पड़ेगा। अन्य एशियाई देशों, खासकर दक्षिण कोरिया और वियतनाम को भी अप्रत्यक्ष रूप से लाभ होगा। अमेरिका के चीन पर लगाए शुल्क अन्य देशों की तुलना में अब भी अधिक हैं। शुल्क दरों में स्पष्टता से निर्यातकों का भरोसा बढ़ेगा और वे आपूर्ति श्रृंखलाओं के दीर्घकालिक पुनर्गठन की योजना बना सकेंगे। इससे मलेशिया, थाइलैंड और वियतनाम जैसे देशों में निवेश वृद्धि को सहारा मिल सकता है। ये समझौते अमेरिका की उस नीति को दर्शाते हैं जिसके तहत वह दुर्लभ धातुओं के खनन और उत्पादन को बढ़ाना चाहता है।

भारत, बहरीन ने बातचीत शुरू की

नई दिल्ली। भारत और बहरीन ने सोमवार को महत्वाकांक्षी व्यापार समझौते के लिए बातचीत शुरू करने और निवेश समझौते पर हस्ताक्षर करने के करीब पहुंचने की घोषणा की। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बहरीन के अपने समकक्ष अब्दुल्लातिफ बिन राशिद अलजयानी के साथ आपसी संबंधों को और व्यापक बनाने के लिए बातचीत की। दोनों मंत्रियों ने दोहरा कराधान बचाव समझौते (डीटीएए) के लिए बातचीत शुरू करने को एक साझा समझ विकसित करने पर भी सहमति जताई। अधिकारियों ने कहा कि इससे दोहरे कराधान को खत्म करने, कर निश्चितता बहाल करने और व्यापार एवं निवेश को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। अलजयानी रविवार को दो दिवसीय यात्रा पर भारत पहुंचे। वह एक ऐसे वक्त में व्यापार, निवेश और रक्षा क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं, जब पश्चिम एशिया भू-राजनीतिक तनाव का सामना कर रहा है।

अबू धाबी में तेल शिखर सम्मेलन, उत्पादन वृद्धि रोकने की योजना

अबू धाबी। अबू धाबी में सोमवार को प्रमुख तेल शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया है। इससे कुछ ही घंटे पहले 'ओपेक प्लस' संगठन और उसके सहयोगियों ने बाजार में अत्यधिक आपूर्ति की चिंताओं के कारण 2026 की पहली तिमाही में योजनाबद्ध उत्पादन वृद्धि को रोकने की घोषणा की थी। अमीरात की राजधानी में वार्षिक अबू धाबी अंतर्राष्ट्रीय पेट्रोलियम प्रदर्शनी और सम्मेलन में अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी के प्रमुख सुल्तान अल-जबर ने कहा कि ऊर्जा बाजार को सुदृढ़ीकरण की जरूरत है, प्रतिस्थापन की नहीं। अमेरिका के आंतरिक सचिव डग बर्गम ने अल-जबर की टिप्पणियों की सराहना की और जलवायु अतिवाद से जुड़ी विचारधारा से प्रेरित नीतियों की आलोचना की।

यूपीआई से रिकॉर्ड 27.28 लाख करोड़ का लेनदेन

नई दिल्ली, एजेंसी

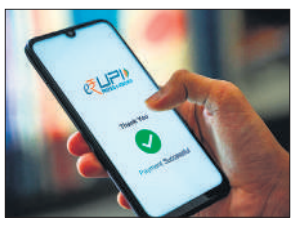

● एनपीसीआई के मुताबिक अबतक का सबसे ऊंचा आंकड़ा

त्योहार पर खरीदारी बढ़ने से एकीकृत भुगतान प्रणाली (यूपीआई) के जरिये रिकॉर्ड लेनदेन किया गया। अक्टूबर में कुल 20.7 अरब यूपीआई लेनदेन हुए जिनका मूल्य 27.28 लाख करोड़ रुपये रहा।

यूपीआई का संचालन करने वाले भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक, मूल्य के आधार पर यह अबतक का सबसे ऊंचा आंकड़ा है। इससे पहले मई, 2025 में 25.14 लाख करोड़ रुपये का रिकॉर्ड लेनदेन हुआ था, जबकि मात्रा के लिहाज से पिछला उच्चस्तर जुलाई में 19.47 अरब रहा था। अक्टूबर, 2024 की तुलना में इस साल अक्टूबर में यूपीआई लेनदेन का मूल्य 16% बढ़ गया। वहीं मासिक आधार पर यह वृद्धि 9.5% रही, क्योंकि सितंबर में लेनदेन मूल्य 24.90 लाख करोड़ और मात्रा 19.63 अरब रही थी। दशहरा और दिवाली पर यूपीआई से प्रतिदिन औसतन 66.8 करोड़ लेनदेन हुए जिनका औसत दैनिक मूल्य 87,993 करोड़ रुपये रहा।

स्पाइस मनी के सीईओ दिलीप मोदी ने कहा कि त्योहारी मौसम जैसे व्यस्त बिक्री समय में यूपीआई लेनदेन का बढ़ना भारत की डिजिटल अवसंरचना की मजबूती और वास्तविक समय में भुगतान संपन्न करने की क्षमता को दर्शाता है। डिजिटल भुगतान का व्यवहारगत परिवर्तन अब शहरों से लेकर भारत के गांवों तक मजबूती से स्थापित हो चुका है।

वर्ष 2030 तक 300 अरब डॉलर की हो सकती है भारत की जैव-अर्थव्यवस्था : नीति आयोग

नई दिल्ली, एजेंसी

देश की तेजी से बढ़ रही जैव-अर्थव्यवस्था वर्ष 2030 तक 300 अरब डॉलर के स्तर तक पहुंच सकती है। नीति आयोग की रिपोर्ट में यह अनुमान जताया गया है। किसी भी देश की जैव-अर्थव्यवस्था में कृषि, वानिकी, मत्स्य और जलीय कृषि समाहित होते हैं।

रिपोर्ट कहती है कि किसी भी देश की संप्रभुता के लिए एक मजबूत कृषि प्रणाली बहुत जरूरी है क्योंकि यह खाद्य सुरक्षा की मूलभूत गारंटी सुनिश्चित करती है। कृषि के नए स्वरूप पर केंद्रित इस रिपोर्ट के मुताबिक, कृषि का तकनीकी रूपांतरण भारत के वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य के केंद्र में प्रमुख भूमिका निभाएगा। खाद्य उत्पादन से आगे बढ़ते हुए भारत की कृषि प्रणाली आर्थिक वृद्धि का एक मजबूत इंजन बनने की क्षमता रखती है। तेजी से बढ़ रही जैव-अर्थव्यवस्था के 2030 तक 300 अरब डॉलर के स्तर तक पहुंचने की उम्मीद है।

गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल ने रिपोर्ट जारी करते हुए कहा कि हम खेती के हर चरण में प्रौद्योगिकी को समाहित करने वाली एक सहज पारिस्थितिकी तैयार कर

● कृषि प्रणाली भारत की आर्थिक वृद्धि का एक मजबूत इंजन बनने की रखती है क्षमता

रहे हैं। ये नवाचार किसानों को फसल रोगों से निपटने, उत्पादकता बढ़ाने और नई पीढ़ी के बीजों व उपकरणों को अपनाने में मदद कर रहे हैं जिससे लागत घट रही है। डिजिटल एकीकरण केवल दक्षता बढ़ाने का माध्यम नहीं है, यह किसानों को सशक्त भी बना रहा है। रिपोर्ट में जलवायु-प्रतिरोधी बीज, सटीकता-आधारित कृषि, डिजिटल ट्विन्स, एजेंटिक एआई और उन्नत मशीनों के इस्तेमाल जैसी अग्रणी प्रौद्योगिकियों के जरिये उत्पादकता, स्थिरता और आय में वृद्धि का रणनीतिक दृष्टिकोण पेश किया गया है।

जीएसटी सुधार, अच्छी मांग से विनिर्माण क्षेत्र मजबूत

पीएमआई सितंबर माह में 57.7 से बढ़कर अक्टूबर में 59.2 पर पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी

माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में कटौती, उत्पादकता में वृद्धि और प्रौद्योगिकी निवेश के दम पर भारत के विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां अक्टूबर में मजबूत हुईं। एक मासिक सर्वेक्षण में सोमवार को कहा गया कि मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) सितंबर में 57.7 से बढ़कर अक्टूबर में 59.2 हो गया। यह इस क्षेत्र की स्थिति में तेजी से सुधार का संकेत देता है। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर का अंक विस्तार जबकि 50 से नीचे का अंक संकुचन दर्शाता है।

एचएसबीसी के मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा कि भारत का विनिर्माण पीएमआई अक्टूबर में बढ़कर 59.2 हो गया जो पिछले महीने 57.7 था। मजबूत अंतिम मांग ने

उत्पादन, नए ऑर्डर और रोजगार सृजन में वृद्धि को बढ़ावा दिया। मूल्य के मोर्चे पर कच्चे माल की लागत में मामूली एवं धीमी वृद्धि हुई फिर भी मुद्रास्फीति की दर सितंबर के लगभग 12 वर्ष के उच्च स्तर के बराबर रही। अक्टूबर में कच्चे माल की कीमतों में नरमी आई जबकि औसत बिक्री कीमतों में वृद्धि हुई क्योंकि कुछ विनिर्माताओं ने अतिरिक्त लागत का बोझ अंतिम उपभोक्ताओं पर डाल दिया। अक्टूबर में रोजगार सृजन लगातार 20वें महीने जारी रहा। विस्तार की दर मध्यम रही और मोटे तौर पर सितंबर के समान ही रही। भविष्य की ओर देखें तो जीएसटी सुधार और अच्छी मांग को लेकर सकारात्मक उम्मीदों से भविष्य की कारोबारी धारणा मजबूत है। एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण पीएमआई को एसएंडपी ग्लोबल ने 400 कंपनियों के समूह में क्रय प्रबंधकों को भेजे गए सवालों के जवाबों पर तैयार किया है।

नए ऑर्डरों और घरेलू बाजार की मुख्य भूमिका

पीएमआई रिपोर्ट के अनुसार जीएसटी में राहत, उत्पादकता बढ़ने और प्रौद्योगिकी में निवेश से विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि की रफ्तार दी है। नए ऑर्डरों में तेजी से वृद्धि हुई है और इसमें घरेलू बाजार की भूमिका रही है, हालांकि विदेशों से मिले ऑर्डरों में बढ़ोतरी सुस्त पड़ी है। कच्चे माल के भंडार में रिकॉर्ड गति से तेजी आई है। विदेशी बिक्री 10 महीने में सबसे धीमी रफ्तार से बढ़ी है। प्रांजुल भंडारी ने कहा कि मांग मजबूत रहने से अक्टूबर में आउटपुट नये ऑर्डर और रोजगार सृजन में तेजी आई है। लागत मूल्य में कमी आई है जबकि औसत विक्रय मूल्य बढ़ा है। जीएसटी सुधार और मजबूत मांग से सकारात्मक उम्मीदों के कारण भविष्य को लेकर कारोबारी भावना मजबूत बनी हुई है। विनिर्माताओं ने कच्चे माल की खरीद बढ़ा दी और इसमें वृद्धि की रफ्तार 2023 के बाद सबसे अधिक रही। लगातार 12वें महीने नए रोजगारों का सृजन हुए, इसकी रफ्तार सितंबर की तरह धीमी रही।

राष्ट्रीय

राजद व कांग्रेस हैं कट्टा और कट्टरपंथी बिहार में फिर चाहिए सुशासन : मोदी

प्रधानमंत्री ने निशाना साधते हुए कहा-राजद ने कांग्रेस नेताओं को 'बौना' बना दिया है

बिहार के सहरसा में जनसभा के दौरान मखाना की माला से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सम्मानित करते नेता व कार्यकर्ता।

कटिहार/ सहरसा, एजेंसी

बिहार की तरक्की के लिए 'राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की डबल इंजन सरकार' को जरूरी बताते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद)-कांग्रेस गठबंधन पर आरोप लगाया कि ये दल भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण की राजनीति में लिप्त हैं। कटिहार की सभा में प्रधानमंत्री ने कहा कि आपका वोट बिहार को समृद्ध बनाएगा। फिर एक बार, बिहार में सुशासन सरकार।

कांग्रेस और राजद पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा, "राजद ने कांग्रेस नेताओं को 'बौना' बना दिया है। राजद के पोस्टरों पर कांग्रेस नेताओं की तस्वीरें गायब हैं। दोनों दलों में अंदरूनी कलह चल रही है। कांग्रेस के नामदार नेता ने राजद को जिताने के लिए छठी मइया का अपमान किया। इतना ही नहीं, केरल कांग्रेस नेताओं ने बिहार के लोगों की तुलना 'बीड़ी' से की, यह बेहद शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और राजद 'कट्टा और कट्टरपंथी' जैसे हैं। इन्होंने तीन तलाक कानून का विरोध किया। इससे पहले सहरसा की चुनावी सभा में प्रधानमंत्री ने कहा कि राजग विकास की पहचान है जबकि राजद-कांग्रेस विनाश की प्रतीक हैं।

● कटिहार और सहरसा की सभा को मोदी ने किया संबोधित

राजग की सरकार बनने पर बनेगा रक्षा गलियारा बाढ़ नियंत्रण आयोग का होगा गठन : शाह

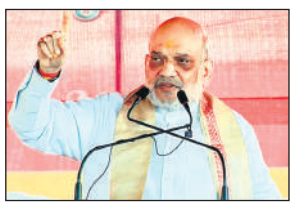

शिवहर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि राजग की सरकार बनने पर बिहार में रक्षा गलियारा (डिफेंस कॉरिडोर) तैयार किया जाएगा और प्रत्येक जिले में कारखाने लगाए जाएंगे। शाह ने शिवहर और सीतामढ़ी में चुनावी सभाओं में विश्वास जताया कि 14 नवम्बर को दोपहर एक बजे तक जब चुनाव परिणाम घोषित होंगे, तब तक राजद-कांग्रेस गठबंधन का सफाया हो जाएगा और बिहार में पुनः राजग की सरकार बनेगी। शाह ने कहा कि सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य के समय से लेकर प्रधानमंत्री मोदी के काल तक गंडक, कोसी और गंगा नदियों ने बिहार में तबाही मचाई है। राजग की सरकार बनने पर राज्य को बाढ़मुक्त बनाने के लिए आयोग का गठन किया जाएगा। कोसी नदी के जल का उपयोग कर मिथिलांचल क्षेत्र की 50,000 हेक्टेयर भूमि की सिंचाई की जाएगी। राज्य में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग (एमएसएमई) और औद्योगिक पार्कों का निर्माण किया जाएगा। सीतामढ़ी से अयोध्या तक 'वंदे भारत एक्सप्रेस' ट्रेन का संचालन मां सीता के मंदिर में उनकी प्रतिमा के प्राण प्रतिष्ठा दिवस पर शुरू किया जाएगा।

विपक्ष पर अपमान का आरोप लगाते हैं प्रधानमंत्री वह एक 'अपमान मंत्रालय' बनाएं : प्रियंका गांधी

सोनबरसा/लखीसराय। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने सोमवार को प्रधानमंत्री मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उन्हें अलग से एक 'अपमान मंत्रालय' बनाना चाहिए ताकि वह विपक्ष पर अपमान का आरोप लगाने में जो समय बर्बाद करते हैं, वह न करें। उन्होंने बिहार के सहरसा और लखीसराय में चुनावी सभाओं को संबोधित करते हुए महिलाओं का आह्वान किया कि वे राज्य सरकार से 10 हजार रुपये ले लें, लेकिन वोट राजग को कतई न दें क्योंकि इस सरकार की नीयत साफ नहीं है और यह 10 हजार रुपये 'राजनीतिक घूस' है। प्रियंका गांधी ने कहा कि बिहार में कोई 'डबल इंजन सरकार' नहीं है, बल्कि 'सिंगल इंजन सरकार' है जिसे प्रधानमंत्री मोदी चला रहे हैं। प्रधानमंत्री और गृह मंत्री हमेशा अतीत की बात करते हैं, ये लोग हमेशा कहीं न कहीं से, किसी के अपमान की बात निकाल लेते हैं।

नीतीश को डुबाने की चाल चल रहे मोदी: खरगे

पटना। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पटना में प्रधानमंत्री मोदी के रोडशो में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मौजूद नहीं रहने का हवाला देते हुए सोमवार को आरोप लगाया कि मोदी अब नीतीश को डुबाने की चाल चल रहे हैं। उन्होंने यह कटाक्ष भी किया कि भाजपा ने नीतीश को इस तरह गायब कर दिया है कि अब उन्हें मुख्यमंत्री बनाने का नाम ही नहीं लिया जा रहा है। कांग्रेस प्रमुख ने प्रधानमंत्री के रोडशो का उल्लेख करते हुए कहा, नीतीश कहां थे, नहीं दिखे। राजग सरकार बनाने की बात करने वालों ने उन्हें गायब कर दिया। इतना गायब कर दिए, उनको मुख्यमंत्री बनाने का नाम नहीं लेते।

कट्टा जैसे शब्द किसी प्रधानमंत्री से नहीं सुना

पटना। राजद नेता तेजस्वी यादव ने सोमवार को प्रधानमंत्री के 'कट्टा' वाले बयान पर कहा कि उन्होंने आज तक किसी प्रधानमंत्री को ऐसे शब्दों का प्रयोग करते नहीं सुना। तेजस्वी यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री की टिप्पणी को लेकर मेरे पास कहने को कुछ नहीं है। मैंने किसी प्रधानमंत्री को इस तरह के शब्दों का इस्तेमाल करते नहीं सुना। यह उनकी सोच को दर्शाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब प्रधानमंत्री गुजरात जाते हैं तो वहां आईटी फैक्ट्री, सेमीकंडक्टर यूनिट और डेटा सेंटर की बात करते हैं। लेकिन जब बिहार आते हैं तो 'कट्टा' की बात करते हैं।" प्रधानमंत्री ने रविवार को बिहार के भोजपुर और नवादा जिलों में चुनावी रैलियों को संबोधित किया था, जहां उन्होंने राजद की कथित दबंग छवि और सहयोगी दलों के साथ उसके विवादित संबंधों का जिक्र करते हुए यह टिप्पणी की थी।

आवारा कुत्तों को खाना खिलाने के बनेंगे नियम : सुप्रीम कोर्ट

● कुत्तों के खतरे के संबंध में सात नवंबर को जारी होगा शीर्ष निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि वह सरकारी और सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थानों सहित उन संस्थानों में आवारा कुत्तों के खतरे के संबंध में सात नवंबर को निर्देश जारी करेगा, जहां कर्मचारी कुत्तों को सहायता, भोजन और उन्हें प्रश्रय देते हैं जिससे वे उस जगह को छोड़कर नहीं जाते। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, संदीप मेहता और एनवी अंजारिया की विशेष पीठ ने इस मामले में सुनवाई की।

न्यायमूर्ति नाथ ने कहा कि उपस्थिति और हलफनामे आदि दर्ज करने के अलावा हम उन सरकारी, सार्वजनिक क्षेत्र और अन्य संस्थानों में संस्थागत खतरों के संबंध में भी कुछ निर्देश जारी करेंगे जहां कर्मचारी कुत्तों को सहायता, भोजन और प्रश्रय देते हैं। इसके लिए हम कुछ निर्देश जारी करेंगे। मामले में एक वकील ने पीठ से आग्रह किया कि इस मुद्दे पर निर्देश देने से पहले उनकी बात सुनी जाए। न्यायमूर्ति मेहता ने कहा कि माफ करिए हम संस्थागत मामलों में कोई दलील नहीं सुनेंगे।

ऑनलाइन जुआ, सट्टेबाजी मंच पर रोक की याचिका पर केंद्र से मांगा जवाब

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से उस याचिका पर जवाब मांगा, जिसमें सरकार को ऑनलाइन जुआ और सट्टेबाजी मंचपर रोक लगाने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है, जो सोशल और ई-स्पोर्ट्स गेम की आड़ में संचालित हो रहे हैं। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और केवी विश्वनाथन की पीठ ने वकील विराग गुप्ता की दलीलें सुनीं और कहा कि वह मंगलवार को अन्य लंबित याचिकाओं के साथ इस याचिका पर भी सुनवाई करेगी। पीठ ने सरकार से याचिकाकर्ता द्वारा दी गई ऑनलाइन गेमिंग एप की जानकारी पर कार्रवाई करने को कहा। गुप्ता ने केंद्र सरकार को 2,000 सट्टेबाजी और जुआ एप का विवरण सौंपा। न्यायालय सेंटर फॉर अकाउंटेबिलिटी एंड सिस्टेमिक चेंज (सीएएससी) और शौर्य तिवारी की याचिका पर सुनवाई कर रहा, जिसमें सरकार को इन एप के प्रसार पर रोक लगाने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया था। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया है कि ये एप देश में बड़े पैमाने पर सामाजिक और आर्थिक नुकसान पहुंचा रहे हैं।

पीठ ने इस बात का संज्ञान लिया कि अधिकतर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिव उसके समक्ष उपस्थित थे।

न्यायालय ने केरल के मुख्य सचिव द्वारा दायर छूट के अनुरोध वाले आवेदन को अनुमति दे दी और इस बात को संज्ञान में लिया कि प्रधान सचिव अदालत में उपस्थित हैं। पीठ ने कहा कि भारतीय जीव जंतु कल्याण बोर्ड को पक्षकार बनाया जाए। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ को बताया कि अधिकतर राज्यों ने इस मामले में अपने अनुपालन हलफनामे दाखिल किए हैं।

धर्मांतरण संबंधी याचिकाओं पर होगी सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट अवैध धर्मांतरण के खिलाफ राजस्थान में गत माह लागू हुए कानून के कई प्रावधानों की वैधता को चुनौती देने वाली दो याचिकाओं पर सुनवाई के लिए सोमवार को सहमत हो गया। न्यायमूर्ति विक्रमनाथ और संदीप मेहता की पीठ ने सितंबर में विधानसभा द्वारा पारित राजस्थान गैरकानूनी धर्म परिवर्तन निषेध अधिनियम, 2025 के खिलाफ याचिकाओं पर राज्य सरकार को नोटिस जारी कर चार सप्ताह में जवाब मांगा। पीठ ने याचिकाकर्ताओं के वकील से पूछा कि इसको उच्च न्यायालय के समक्ष चुनौती क्यों नहीं दी।

वक्फ संपत्तियों संबंधी याचिका सूचीबद्ध

सुप्रीम कोर्ट ने एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी की याचिका को सुनवाई के लिए फिर से सूचीबद्ध करने पर सोमवार को सहमति जताई, जिसमें वक्फ बाय यूजर समेत सभी वक्फ संपत्तियों को उम्मीद पोर्टल पर अनिवार्य रूप से पंजीकृत करने की समय सीमा बढ़ाने का अनुरोध किया गया है। याचिका को पहले 28 अक्टूबर को सूचीबद्ध किया गया था, लेकिन उस दिन सुनवाई नहीं हो सकी।

आंध्र प्रदेश : वाईएसआरसीपी नेता जोगी रमेश नकली शराब के मामले में गिरफ्तार

अमरावती। युवजन श्रमिक रायथु कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के वरिष्ठ नेता जोगी रमेश और उनके भाई को आंध्र प्रदेश में कथित रूप से नकली शराब के निर्माण और मिलावटी शराब की बिक्री के मामले में गिरफ्तार किया गया है। रमेश और उनके छोटे भाई जोगी रामू को रविवार सुबह आबकारी विभाग स्थानीय अदालत में पेश किया गया।

साझा की गई रिमांड रिपोर्ट के अनुसार, दोनों पर नकली शराब के अवैध निर्माण, परिवहन, आयात और बिक्री के आरोप पर हैं। यह गिरफ्तारियां राज्य में कई स्थानों पर संगठित तरीके से हो रहे नकली शराब के निर्माण, वितरण और बिक्री के खुलासे और जब्ती के बाद की गईं। वाईएसआरसीपी प्रमुख वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने इस बीच रमेश की गिरफ्तारी को लेकर मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू की आलोचना की।

साहित्यकार सम्मानित, पुस्तकों का लोकार्पण

संवाददाता, नई दिल्ली

अमृत विचार : युवा उत्कर्ष साहित्यिक मंच का 12वां अखिल भारतीय सहित्योत्सव दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी के गीतांजलि हाल में हुआ, जिसमें कई पुस्तकों का लोकार्पण हुआ, साथ ही, साहित्यकारों को सम्मानित किया गया।

'भारतेंदु हरिश्चंद्र शीर्षस्थ सम्मान प्रो. डॉ. मनोज कैन को, 'महादेवी वर्मा शीर्षस्थ महिला लेखन सम्मान' शिमला की मृदुला श्रीवास्तव को, डीपी चतुर्वेदी स्मृति लाइफ टाइम सम्मान' कोटा राजस्थान के डॉ. प्रभात सिंघल को, 'स्व.विनोद झा व आकाश झा स्मृति साहित्य सम्मान' इंदौर के चरण सिंह अमी को, 'केदार नाथ शर्मा अमीर ख़ुसरो युवा सम्मान' प्रयागराज के डॉ. प्रभांशु कुमार को, देवेंद्र शर्मा स्मृति मुंशी प्रेमचंद कथा सम्मान' हैदराबाद की डॉ. रमा द्विवेदी को दिया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते वक्ता।

उत्कृष्ट बाल साहित्य सृजन के लिए 'कमलेश प्रशांत स्मृति बाल साहित्य सम्मान बस्ती के देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव को और काव्य व हास्य-व्यंग्य विधा में उल्लेखनीय मौलिक सृजन के लिए प्रथम 'अनूप श्रीवास्तव स्मृति हास्य-व्यंग्य' सम्मान दिल्ली के डॉ. ब्रजपाल सिंह संत को दिया गया। साहित्यिक मंच ने उप्र इकाई के अध्यक्ष राजेश कुमार सिंह 'श्रेयस' को भी सम्मानित किया गया।

आस्था का संगम...

बोधगया के महाबोधि मंदिर में वर्षा ऋतु के समापन के उपलक्ष्य में सोमवार को आयोजित कथिना समारोह में भाग लेते हुए थाईलैंड के श्रद्धालु।

परमाणु परीक्षण

फिर से खतरनाक होड़

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर से परमाणु परीक्षण शुरू करने की बात कही है। इसके पीछे उन्होंने चीन, पाकिस्तान और कुछ अन्य देशों द्वारा परमाणु परीक्षण जारी रखने का हवाला दिया है। परमाणु परीक्षण एक जटिल और संवेदनशील मुद्दा है, जिसका सीधा प्रभाव वैश्विक सुरक्षा और पर्यावरण पर पड़ता है। परमाणु हथियारों के विकास और परीक्षण ने दुनिया भर में चिंता पैदा कर दी है, क्योंकि इसके दुष्परिणाम न केवल मानव जीवन के लिए खतरनाक हो सकते हैं, बल्कि पर्यावरण को भी भारी नुकसान पहुंचा सकते हैं।

समाधान क्या है

- **परमाणु निरस्त्रीकरण :** परमाणु निरस्त्रीकरण एक महत्वपूर्ण कदम है जो परमाणु हथियारों के प्रसार को रोकने में मदद कर सकता है।
- **अंतर्राष्ट्रीय सहयोग :** अंतर्राष्ट्रीय सहयोग परमाणु सुरक्षा और सुरक्षा को बढ़ावा देने में मदद कर सकता है।
- **पर्यावरण संरक्षण :** पर्यावरण संरक्षण परमाणु परीक्षण के दुष्परिणामों को रोकने में मदद कर सकता है।

परीक्षण के नियम और संधि

- आंशिक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि 1963 के तहत, देशों ने वायुमंडल, अंतरिक्ष और पानी के नीचे परीक्षण पर प्रतिबंध लगाने का समझौता किया।
- व्यापक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि : 1996 में हस्ताक्षरित इस संधि के तहत, देशों ने सभी प्रकार के परमाणु परीक्षणों पर प्रतिबंध लगाने का समझौता किया।

परमाणु संधि की निगरानी

- अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी : आईएईए जो परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग को बढ़ावा देता है और इसके प्रसार को रोकने के लिए काम करता है।
- व्यापक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि संगठन : सीटीबीटीओ अंतर्राष्ट्रीय संगठन है जो परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि की निगरानी करता है।

परमाणु शक्ति संपन्न देश

- दुनिया के परमाणु शक्ति संपन्न देशों में अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस, ब्रिटेन, भारत और पाकिस्तान शामिल हैं। जिनके पास दुनिया को नष्ट करने के लिए एटम बम से लेकर विद्युत उत्पादन के लिए परमाणु रिएक्टर भी हैं। ईरान और उत्तर कोरिया जैसे कुछ अन्य देश भी परमाणु परीक्षण में लगे हुए हैं।

परीक्षण के दुष्परिणाम

- **विकिरण :** परमाणु परीक्षण से विकिरण निकलता है, जो जीव-जन्तुओं और पर्यावरण के लिए हानिकारक हो सकता है।
- **पर्यावरण प्रदूषण :** परमाणु परीक्षण से पर्यावरण प्रदूषित हो सकता है, जिससे जल, वायु, और मिट्टी प्रदूषित हो सकते हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

रियाद में दिखी भारतीय संस्कृति की झलक

नई दिल्ली। सऊदी अरब के मीडिया मंत्रालय ने अपनी 'ग्लोबल हार्मनी' पहल के दूसरे संस्करण के तहत रियाद में जारी उत्सवों के दौरान 'भारत सप्ताह' की शुरुआत की और इसमें भारतीय संस्कृति पर आधारित कार्यक्रम किए गए। भारतीय संस्कृति पर आयोजित यह कार्यक्रम एक सप्ताह तक जारी रहेंगे। रियाद के सुवैदी पार्क में कार्यक्रम की शुरुआत रविवार को हुई। कार्यक्रम में संगीत, नृत्य, भोजन, कला और हस्तशिल्प के माध्यम से भारत की समृद्ध विरासत संबंधित सांस्कृतिक और मनोरंजन कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे।

यूक्रेन को और पैट्रियट प्रणालियां मिलीं

कीव। राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा है कि रूस के दैनिक हमलों का मुकाबला करने में मदद के लिए यूक्रेन को अमेरिका निर्मित और पैट्रियट वायु रक्षा प्रणालियां प्राप्त हुई हैं। इस बीच रूसी ड्रोनों द्वारा रात में किए गए नवीनतम हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि उसके परिवार के पांच सदस्य घायल हो गए जिनमें दो बच्चे भी शामिल हैं। रूस द्वारा शहरी क्षेत्रों पर लगातार हमले किए जा रहे हैं।

इराक-तुर्की में जल समझौते पर हस्ताक्षर

बगदाद। इराक और तुर्की ने रविवार को जल सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किया। इराकी प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल-सुदानी ने इसे इराक में जल संकट के स्थायी समाधानों में से एक कहा। प्रधानमंत्री अल-सुदानी के मीडिया कार्यालय के बयान में कहा गया कि इस समझौते पर इराकी विदेश मंत्री फुआद हुसैन और उनके तुर्की समकक्ष हकान फिदान ने हस्ताक्षर किए।

ट्रंप ने परमाणु परीक्षण फिर से शुरू करने के फैसले को सही ठहराया

पाकिस्तान और चीन द्वारा किए जा रहे परमाणु परीक्षणों का दिया हवाला

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तीन दशक के अंतराल के बाद परमाणु हथियारों का परीक्षण फिर से शुरू करने की अपनी योजना को सही ठहराते हुए कहा कि पाकिस्तान और चीन उन देशों में शामिल हैं जो परमाणु हथियारों का परीक्षण कर रहे हैं। ट्रंप ने गत गुरुवार को दक्षिण कोरिया में चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ अपनी बैठक से पहले घोषणा की थी कि अमेरिका प्रतिद्वंद्वी शक्तियों के साथ बराबरी के आधार पर परमाणु हथियारों का परीक्षण शुरू करेगा। ट्रंप ने विवार को सीबीएस न्यूज की नोरा ओ डोनेल को दिए एक एक साक्षात्कार में रूस, चीन, उत्तर कोरिया और पाकिस्तान को परमाणु हथियार परीक्षण करने वाले देश बताया। उन्होंने कहा कि रूस और चीन परीक्षण कर रहे हैं, लेकिन वे इसके बारे में बात नहीं करते। आप जानते हैं, हम एक खुला समाज हैं। हम अलग हैं। हम इसके बारे में बात करते हैं... हम परीक्षण करेंगे, क्योंकि वे परीक्षण करते हैं और दूसरे भी परीक्षण करते हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि निश्चित रूप से उत्तर कोरिया परीक्षण कर रहा है। पाकिस्तान भी परीक्षण कर रहा है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पिछले सप्ताह कहा था कि रूस ने पोसाइडन परमाणु-सक्षम 'सुपर टॉरपीडो' का परीक्षण किया है। ट्रंप ने अपने वक्तव्य में परमाणु हथियारों के परीक्षण की प्रक्रिया पुनः शुरू करने के अपने निर्णय को दृढ़तापूर्वक उचित ठहराया। उन्होंने कहा कि हथियारों की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए परीक्षण आवश्यक है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि वे (दूसरे देश) परीक्षण करते हैं, और हम परीक्षण नहीं करते। हमें परीक्षण करना ही होगा। रूस ने भी कुछ दिन पहले थोड़ी धमकी दी थी जब उसने कहा था कि वे कुछ अलग स्तर के परीक्षण करने वाले हैं। लेकिन रूस परीक्षण करता है, चीन परीक्षण करता है, और हम भी परीक्षण करने वाले हैं।

उन्होंने कहा कि आप परमाणु हथियार बनाते हैं और फिर उनका परीक्षण नहीं करते। आप ऐसा कैसे करेंगे? आपको कैसे पता चलेगा कि वे काम करते हैं या नहीं? अमेरिकी मीडिया के मुताबिक अमेरिका की सेना नियमित रूप से अपनी उन मिसाइलों का परीक्षण करती है जो परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम हैं, लेकिन उसने 1992 के बाद से परमाणु हथियारों का वास्तविक परीक्षण नहीं किया है।

ट्रंप ने सीबीएस न्यूज को दिये साक्षात्कार में एक बार फिर मई में भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष तथा सात अन्य संघर्षों को रोकने का श्रेय लिया। उन्होंने कहा कि इस बीच, मैंने आठ युद्ध रोके हैं। मैंने आठ युद्ध समाप्त कर दिए हैं। मेरे पास आठ युद्ध थे। ट्रंप ने रूस-यूक्रेन युद्ध के संदर्भ में कहा कि यह एकमात्र ऐसा युद्ध है जिसमें मैं अभी तक सफल नहीं हुआ हूं, लेकिन इसमें भी सफलता मिलेगी।

पाकिस्तान भी कर रहा परीक्षण

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि पाकिस्तान परमाणु परीक्षण कर रहा है और दावा किया कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच परमाणु युद्ध होने से रुकवाया था। ट्रंप ने सीबीएस न्यूज को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि अमेरिका भी परमाणु परीक्षण करेगा क्योंकि रूस, चीन तथा उत्तर कोरिया जैसे देश भी परमाणु परीक्षण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान भी परमाणु परीक्षण कर रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा किया कि भारत-पाकिस्तान के बीच परमाणु युद्ध होने से रूकवाया।

हमारे पास दुनिया को डेढ़ सौ बार उड़ाने को एटम बम

ट्रंप ने कहा कि हमारे पास किसी भी अन्य देश से ज़्यादा परमाणु हथियार हैं। रूस दूसरे नंबर पर है। चीन तीसरे नंबर पर है, लेकिन पांच साल में वे बराबरी पर आ जाएंगे। कहा कि वे तेज़ी से परमाणु हथियार बना रहे हैं, मुझे लगता है कि हमें परमाणु निरस्त्रीकरण के बारे में कुछ करना चाहिए, मैंने रूस के राष्ट्रपति पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी के साथ इस पर चर्चा की थी। परमाणु निरस्त्रीकरण एक बहुत बड़ी बात है। हमारे पास दुनिया को 150 बार उड़ाने के लिए पर्याप्त परमाणु हथियार हैं। रूस के पास बहुत सारे परमाणु हथियार हैं, चीन के पास भी बहुत होंगे।

खुद को फर्जी एटीएस प्रमुख बताकर ठग लिए 10 लाख रुपये

नई दिल्ली। स्वयं को आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) का प्रमुख बताकर एक व्यक्ति ने दिल्ली के 32 वर्षीय एक व्यक्ति पर पुलवामा आतंकवादी हमले में शामिल होने का आरोप लगाकर उससे नौ लाख रुपये से अधिक की ठगी कर ली। चौदह अक्टूबर को एक मामला दर्ज किया गया, जब करोल बाग निवासी शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि 13 अगस्त को उन्हें कई अज्ञात नंबर से कॉल आईं और कॉल करने वालों ने उस पर 2019 के पुलवामा आतंकी हमले में शामिल होने का झूठा आरोप लगाया। पुलिस ने प्राथमिकी का हवाला देते हुए बताया कि आरोपियों ने दावा किया कि कश्मीर में पीड़िता के नाम से खोले गए बैंक खाते में 50 लाख रुपये जमा कराए गए हैं।

पुलिस से कहा कि मेरे मोबाइल नंबर पर तीन अलग-अलग नंबरों से फोन आए, जिनमें कॉल करने वालों ने मुझ पर कश्मीर में पुलवामा हमले में शामिल होने का झूठा आरोप लगाया और कहा कि कश्मीर में मेरे नाम से खोले गए बैंक खाते में 50 लाख रुपये जमा किए गए हैं। प्राथमिकी में कहा गया है कि कॉल करने वालों ने पीड़ित को मामले को गुप्त रखने की चेतावनी दी कि यह अकाउंट उसके पहचान पत्र से जुड़ा है और इसमें 'प्रभावशाली लोग' शामिल हैं। इसके बाद, कॉल करने वालों ने उसे अपना कैमरा चालू करने, अपना कमरा बंद करने और अपने परिवार के सदस्यों को सूचित नहीं करने को कहा।

उत्तरी अफगानिस्तान में भूकंप, 20 की मौत

भूकंप से नष्ट एक घर के मलबे में खोज करते स्थानीय लोग।

काबुल, एजेंसी

- **रिक्टर स्केल पर 6.3 तीव्रता, 300 से अधिक घायल**
- **खुल्म से 22 किमी दूर 28 किमी की गहराई में था केंद्र**

उत्तरी अफगानिस्तान में रविवार देर रात 6.3 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया जिससे कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई और 300 से अधिक अन्य लोग घायल हो गए। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान के खुल्म से 22 किलोमीटर पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम में 28 किलोमीटर की गहराई में था। भूकंप स्थानीय समयानुसार रविवार रात 12 बजकर 59 मिनट पर आया। सार्वजनिक स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता शराफत जमान ने बताया कि भूकंप में कम से कम 20 लोग मारे गए और 320 लोग घायल हो गए।

अफगानिस्तान की आपदा प्रबंधन एजेंसी के प्रवक्ता यूसुफ हम्माद ने बताया कि अधिकतर घायलों को मामूली चोटें आई हैं और उन्हें प्रारंभिक उपचार के बाद अस्पतालों से छुट्टी दे दी गई। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि बचाव और आपातकालीन सहायता दल रविवार रात आए भूकंप से सर्वाधिक प्रभावित बल्ख और समांगन प्रांतों में पहुंच गए हैं तथा उन्होंने घायलों को निकालने और प्रभावित परिवारों की सहायता करने सहित बचाव कार्य शुरू कर दिया है। बल्ख और समांगन प्रांतों में सबसे अधिक क्षति हुई है।

तालिबान सरकार के मुख्य प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने एक्स पर कहा कि भूकंप ने अफगानिस्तान के बल्ख, समांगन और बगलान प्रांतों को प्रभावित किया, जिससे लोग हताहत हुए और वित्तीय नुकसान हुआ। उन्होंने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि संबंधित सरकारी संगठन भूकंप से प्रभावित लोगों को आवश्यक सहायता पहुंचाने के प्रयास कर रहे हैं।

श्रीलंका नौसेना ने 35 मछुआरों को गिरफ्तार किया

चेन्नई। श्रीलंकाई नौसेना ने सोमवार तड़के दो अलग-अलग घटनाओं में तमिलनाडु के 35 मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया । इस घटना के बाद मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर को एक पत्र लिखकर राजनयिक प्रयासों के जरिए मछुआरों की रिहाई सुनिश्चित करने का आग्रह किया है।

रिपोर्टों में बताया गया है कि नागपट्टिनम के 31 मछुआरों को मछली पकड़ने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है जो अपनी तीन मशीनीकृत नौकाओं के साथ अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा पार करके श्रीलंकाई जलक्षेत्र में मछली पकड़ रहे थे।

भूख की असली वजह खाना नहीं है, बल्कि गलत फैसले

संयुक्त राष्ट्र, दोहा

- **संरा महासभा अध्यक्ष एनालेना ने राष्ट्राध्यक्षों से कही बात**

संयुक्त राष्ट्र का मानना है कि दुनिया में का भूख का संकट संसाधनों की कमी से नहीं आता , बल्कि यह असमानता, संघर्ष और नीतिगत फैसलों का परिणाम होता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा की अध्यक्ष एनालेना बैरबॉक ने यहां सोमवार को राष्ट्राध्यक्षों, मंत्रियों और अंतर्राष्ट्रीय साझेदारों को संबोधित करते हुए यह बात कही।

उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष 67 करोड़ से अधिक लोगों ने भूख का अनुभव किया, जबकि 2.3 अरब लोग मध्यम या गंभीर खाद्य असुरक्षा का सामना कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इसका अर्थ है अरबों लोग यह सोचने पर मजबूर हैं कि उनका अगला भोजन कहाँ से आएगा, और माता-पिता अपने बच्चों को भूखे सोते हुए देख रहे हैं। यह उस दुनिया में हो रहा है जो हर दिन एक अरब से अधिक भोजन बर्बाद करती है। सुश्री बैरबॉक ने कहा कि भूख का संकट भोजन की कमी का नहीं है बल्कि यह पूरी तरह से रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि असफलता पहुंच, वहनीयता और सामाजिक सुरक्षा में है। उन्होंने जलवायु परिवर्तन को भूख का तेजी से बढ़ता कारण बताया।

फर्जी पासपोर्ट मामले में ईडी ने तीन को हिरासत में लिया

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के नदिया जिले के चकदाह इलाके में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने फर्जी पासपोर्ट घोटाले के सिलसिले में एक व्यक्ति के घर पर छापेमारी के बाद तीन लोगों को हिरासत में लिया गया।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जिस व्यक्ति के घर पर छापा मारा गया वह पेशे से बढ़ई है। आरोपी व्यक्ति, उसके भाई और पिता को हिरासत में लेकर पूछताछ के लिए केंद्रीय एजेंसी के कोलकाता कार्यालय लाया गया।

अधिकारी ने बताया कि हमने तलाशी अभियान के बाद चकदाह से तीन लोगों को हिरासत में लिया है।

नेपाल में हिमस्खलन के कारण तीन की मौत, चार पर्वतारोही लापता

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल के पूर्वोत्तर स्थित यालुंग री पर्वत पर हुए एक भीषण हिमस्खलन में एक विदेशी पर्वतारोहियों सहित कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य लापता हैं। हिमस्खलन के बाद बागमती प्रांत के दोलखा जिले की रोलवालिंग घाटी स्थित 5,630 मीटर ऊंचे पर्वत के आधार शिविर में पांच अन्य लोग घायल हो गए।

पुलिस उपाधीक्षक ज्ञान कुमार महतो ने बताया कि सुबह करीब 10 बजे हुए हिमस्खलन में एक फ्रांसीसी पर्वतारोही और दो नेपाली गाइड की मौत हो गई। स्थानीय मीडिया ने शुरूआत में मृतकों की संख्या सात बताई थी। अभियान दल में कुल 12 लोग थे जिसमें सात नेपाली गाइड और पांच विदेशी पर्वतारोही थे। घटना के बाद से कनाडा, जर्मनी और इटली के नागरिकों सहित चार विदेशी पर्वतारोही लापता हैं और बचाव अभियान सोमवार शाम तक जारी रहा। घायल हुए पांच नेपाली नागरिकों को वहां से निकाल लिया गया है। महतो ने बताया कि सशस्त्र पुलिस बल और नेपाल पुलिस के जवानों ने एक हेलीकॉप्टर की मदद से तलाश अभियान चलाया, लेकिन खराब मौसम के कारण इसमें बाधा आई। उन्होंने कहा कि तलाश अभियान मंगलवार को भी जारी रहेगा।

भारतीय दूतावास में बनी एकता की दीवार

न्यूयॉर्क। अमेरिका में सिएटल स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने 31 अक्टूबर को एकता दिवस के मौके पर नये चांसरी परिसर में सरदार वल्लभभाई पटेल की विरासत को समर्पित विशेष दीवार का अनावरण किया।

भारत में पटेल जयंती यानी 31 अक्टूबर के दिन को 'एकता दिवस' के रूप में मनाया जाता है। चांसरी परिसर में स्थापित 30 फुट ऊंची और 14 फुट लंबी दीवार पर 182 मीटर ऊंचे 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' का मनोरम दृश्य प्रदर्शित किया गया है। भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने कहा कि एकता की दीवार अमेरिका के उत्तर-पश्चिम प्रशांत क्षेत्र के पर्यटकों के बीच भारत की पर्यटन क्षमता को बढ़ावा देने में भी मददगार साबित हो सकती है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 4 नवंबर, मंगलवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-कार्तिक, पक्ष-शुक्ल पक्ष, चतुर्दशी 22 .36 तक तत्पश्चात पूर्णिमा।

आज का पंचांग

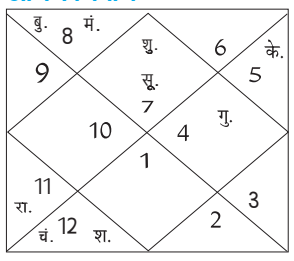

दिशाशूल- उत्तर, ऋतु- हेमंत।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, तुला, मकर, मीन।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- रेवती 12 .34 तक तत्पश्चात अश्विनी।

मेष — आज आपको शारीरिक कष्ट से राहत मिलेगी। वैवाहिक जीवन काफी रोमान्टिक रहने वाला है। व्यापारिक व्यक्तियों के साथ आपके संबंध मजबूत होंगे। शत्रु आपके ऊपर भारी पड़ सकते हैं। ससुराल पक्ष से धन लाभ हो सकता है।

वृष — आज अनावश्यक बातों पर अधिक ध्यान देना उचित नहीं है। परिजन आपसे किसी कारणवश नाराज हो सकते हैं। मन में नकारात्मक विचार लाने से बचें। विदेश में काम कर रहे लोगों की आय बढ़ सकती है। शाम के समय आपको सिरदर्द की समस्या हो सकती है।

मिथुन — आज आपको नया काम सौंपा जा सकता है। बच्चों के करियर को लेकर चिंता दूर होगी। व्यवसाय में अटका हुआ धन आपको प्राप्त होगा। प्रत्येक कार्यों में सफलता मिलेगी। विद्यार्थियों को जॉब के अवसर प्राप्त होंगे।

कर्क — आज गुरुतुल्य व्यक्ति से मार्गदर्शन प्राप्त हो सकता है। आयात-निर्यात के कार्यों में बड़ा धन लाभ मिल सकता है। मन में जो करियर को लेकर चिंता थी वह दूर होगी। मित्रों के साथ गंभीरता से किसी महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा कर सकते हैं।

सिंह — आज व्यापारियों को नकदी की कमी का सामना करना पड़ सकता है। गूढ़ विषयों में अधिक रुचि न लें। थकान के कारण चिड़चिड़ापन हो सकता है। जीवनसाथी को कड़वी बातें न बोलें। कमीशन संबंधी कार्यों में निवेश करना शुभ नहीं है।

कन्या — आज दांपत्य जीवन में प्रेम भाव बढ़ेगा। रिलेशनशिप को लेकर परेशानियां दूर होंगी। शाम के समय कोई बड़ा खर्च सामने आ सकता है। माता की सेहत का ध्यान रखें। सरकारी काम में रुकावटें आ सकती हैं। परिजनों की अनुमति के बिना कोई काम न करें।

तुला — आज नया व्यवसाय शुरू कर सकते हैं। अपनी इच्छाओं के अनुसार काम करने से लाभ होगा। आपके व्यक्तित्व में अत्यंत सकारात्मक सुधार होगा। आपके सभी काम आसानी से बनते नजर आयेंगे। सेहत को लेकर गिरावट आ रही है तो चिकित्सीय परामर्श अवश्य लेना चाहिए।

वृश्चिक — आज आप आसपास के लोगों के व्यवहार का सटीकता से आकलन करेंगे। नए प्रेम संबंध विकसित हो सकते हैं। महिलाएं अपनी सेहत को लेकर सजग रहें। बाहरी लोगों से अपने काम की बातें शेयर न करें।

धनु — आज दिन की शुरुआत बहुत ही अच्छी रहेगी। पिताजी का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। अपने मित्रों पर अधिक विश्वास न करें। जीवनसाथी के साथ आपके संबंध मधुर होंगे। कड़ी मेहनत का सुखद परिणाम मिलेगा। शाम के समय लवमेट्स के साथ घूमने जा सकते हैं।

मकर — आज का दिन काफी शानदार रहने वाला है। किसी काम को लेकर जल्दबाजी नहीं करेंगे तो आपको सफलता अवश्य मिलेगी। सभी महत्वपूर्ण कार्यों को समय पर पूर्ण कर लेंगे। जीवनसाथी के साथ धार्मिक स्थल की यात्रा कर सकते हैं। घर के छोटे सदस्यों की सेहत का ध्यान रखें।

कुंभ — आज परिवार में अशांति का वातावरण रहेगा। नकारात्मक बातों में अपना समय बर्बाद करना उचित नहीं है। जरूरी सामान खरीदने के लिए बाजार जा सकते हैं। विद्यार्थियों को शिक्षा में परेशानी का सामना करना पड़ेगा। घर के सदस्यों का अपमान न करें।

मीन — आज अपनी दिनचर्या में परिवर्तन कर लेना आपके लिए उचित होगा। व्यस्तता के बावजूद आप अपनों को समय अवश्य देंगे। एक से अधिक कार्य करने से बचें। आपकी इच्छायें पूरी होने के योग बन रहे हैं। पुरानी बीमारी से छुटकारा मिलेगा।

सुडोकू-150

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	1						2	
			3	4	5			
3	6							
4			8	7				
								5
7				9	4			
		2					9	3
		3		2	6			
	7						8	

सुडोकू - 149 का हल

1	6	7	8	2	9	3	4	5
8	4	3	5	7	1	6	2	9
9	2	5	6	4	3	7	8	1
6	1	9	4	3	2	5	7	8
7	3	2	1	5	8	9	6	4
5	8	4	7	9	6	2	1	3
4	5	1	3	6	7	8	9	2
3	9	6	2	8	4	1	5	7
2	7	8	9	1	5	4	3	6

पिछले कुछ महीने शानदार रहे हैं। मैंने एक खिलाड़ी के तौर पर खुद को बेहतर बनाने की कोशिश की और इस तरह का नतीजा देखकर मुझे बेहद खुशी होती है। यह साल शानदार रहा।
-यानिक सिनर

स्टेडियम

बरेली, मंगलवार 4 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

सिनर फिर बने दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी

पेरिस : यानिक सिनर पेरिस मास्टर्स का खिताब जीतने के बाद फिर से दुनिया के नंबर एक पुरुष टेनिस खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने फाइनल में फेलिक्स ऑगर अलियासिमे को 6-4, 7-6 (4) से हराया। इटली के चार बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन सिनर ने छह बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन कार्लोस अल्काराज की जगह शीर्ष स्थान हासिल किया है। सिनर ने फाइनल में ब्रेक प्वाइंट का एक भी मौका नहीं गंवाया और एक भी सेट गंवाए बिना टूर्नामेंट जीता। पिछले कुछ महीने शानदार रहे हैं। मैंने एक खिलाड़ी के तौर पर खुद को बेहतर बनाने की कोशिश की और इस तरह का नतीजा देखकर मुझे बेहद खुशी होती है। यह साल शानदार रहा।

ओमेक्स की बनीं ब्रांड एंबेस्डर हरमनप्रीत

नई दिल्ली : रियल एस्टेट कंपनी ओमैक्स लिमिटेड ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर को अपना ब्रांड एम्बेसडर बनाया है। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में भारत ने दक्षिण अफ्रीका पर 52 रनों की जीत के साथ पहला आईसीसी महिला विश्व कप खिताब रविवार को अपने नाम किया था। रियल एस्टेट कंपनी ने सोमवार को कहा कि ओमेक्स ने कौर को कंपनी का ब्रांड एम्बेसडर बनाया है। ओमेक्स ने कहा कि हरमनप्रीत कौर के साथ कंपनी की साझेदारी खेल उत्कृष्टता को बढ़ावा देने तथा ऐसे बुनियादी ढांचे का निर्माण करने के उसके दृष्टिकोण को मजबूत करती है..जो एथलीट के लिए उचित हो। हरमनप्रीत कौर ने कहा कि मुझे ब्रांड एम्बेसडर के रूप में ओमेक्स के साथ जुड़ने और एक ऐसी कंपनी के साथ आने से खुशी है जो युवाओं को सशक्त बनाने व समुदायों को मजबूत करने का काम करती है, ओमेक्स देश की अग्रणी रियल एस्टेट कंपनियों में से एक है।

गलतियों को नहीं दोहराने का सबक लेकर खिताबी अभियान पूरा किया : हरमनप्रीत

भारतीय कप्तान ने बताया जीत का मंत्र, मध्यक्रम लड़खड़ाने के बावजूद टीम ने बनाया बड़ा स्कोर

नवी मुंबई , एजेंसी

महिला विश्व कप का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय कप्तान बनीं हरमनप्रीत कौर ने कहा कि लीग चरण में इंग्लैंड से मिली हार ने टीम की आंखे खोल दी और उसने गलतियों को नहीं दोहराने का सबक लेकर अपना खिताबी अभियान पूरा किया। दक्षिण अफ्रीका और आस्ट्रेलिया से ग्रुप चरण में हार के बाद इंग्लैंड के खिलाफ 289 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम एक समय तीन विकेट पर 234 रन बनाकर जीत की ओर बढ़ रही थी लेकिन मध्यक्रम के लड़खड़ाने के बाद टीम छह विकेट पर 284 रन ही बना सकी। इस हार के बाद टीम पर टूर्नामेंट से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा था लेकिन उसने शानदार वापसी की।

भारतीय कप्तान ने विश्व कप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराने के बाद कहा इंग्लैंड के खिलाफ हारने के बाद हर किसी को लगा कि यह मैच तो हमारे लिए जीतने वाला था, हमारी पारी ऐसे कैसे लड़खड़ा गयी। उन्होंने कहा हमारे साथ पहले भी ऐसा हो चुका था और सर (कोच अमोल मजूमदार) ने भी कहा था कि आप एक ही गलती बार-बार नहीं दोहरा सकते हैं। आपको यह बाधा पार करनी होगी और उस मैच के बाद हमारी सोच में काफी बदलाव आया। उन्होंने कहा कि फाइनल मुकाबले से पहले टीम अतिआत्मविश्वास से बचते हुए जीत को लेकर सकारात्मक थी। उन्होंने कहा हमें पहली गेंद से लग रहा था कि हम जीतेंगे क्योंकि पिछले तीन मैचों के प्रदर्शन से हमारा आत्मविश्वास काफी बढ़ा हुआ था। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा टॉस तो हम जीतते नहीं है इसलिए पता था कि हमें पहले बल्लेबाजी करनी होगी। स्मृति और शेफाली को श्रेय मिलना चाहिये उन्होंने

खुशी के पल

पहले 10 ओवर अच्छे से संभाल कर रखे। भारतीय कप्तान ने कहा कि गेंदबाजी में काबिलियत के कारण टीम ने प्रतिका रावल के चोटिल होने के बाद शेफाली वर्मा को मौका दिया। उन्होंने शेफाली के चयन को 'डेस्टिनी (नियति)' करार देते हुए कहा मुझे लगता है कि यह डेस्टिनी थी। हम बिल्कुल नहीं चाहते थे प्रतिका (रावल) को कुछ ऐसा हो। विश्व कप से पहले ही यास्तिका भाटिया भी चोटिल होकर बाहर हो गयी थी तब हर कोई भावुक हो गया था। यह टीम ऐसी ही है, यह बहुत खास है, हम एक दूसरे के साथ रहते हैं और अच्छे-बुरे समय में एक दूसरे का पूरा समर्थन करते है। उन्होंने कहा शेफाली जब टीम में आयी तो हम चाहते थे कि उसे ऐसा महसूस ना हो कि वह बाहर से आ रही है। सबने हर एक चीज सकारात्मक तरीके से ली और हम बस यही सोच रहे थे कि हमारा अंतिम लक्ष्य यह खिताब है।

हरमनप्रीत ने कहा शेफाली के टीम से जुड़ने से पहले प्रतिका कुछ ओवर गेंदबाजी कर रही थी और शेफाली इस दौरान घरेलू क्रिकेट में लगातार गेंदबाजी कर रही थी। सर (मजूमदार) ने उन्हें कहा था कि जरूरत पड़ी तो दो-चार ओवर गेंदबाजी करनी पड़ेगी तो शेफाली ने कहा कि मैं 10 ओवर डालने के लिए तैयार हूं। इससे उसका आत्मविश्वास झलक रहा था। मैदान में अचानक से मेरे दिगाम में ख्याल आया कि मुझे शेफाली से गेंदबाजी करवानी चाहिए क्योंकि आज उसका दिन है। यह थोड़ा जोखिम भरा था। हरियाणा की 21 साल की शेफाली ने शुरुआती दो ओवरों में सुने लुस और मारिजान काप के विकेट के साथ मैच का रूख पलट दिया। हरमनप्रीत और स्मृति मंधाना पिछले कुछ सालों में कई बार बड़े टूर्नामेंटों में हार का सामना किया है लेकिन विश्व कप खिताब जीतने के बाद दोनों ने एक दूसरे को गले से लगा लिया और कुछ देर तक वैसे ही खड़े रहे। भारतीय कप्तान ने कहा मैंने और स्मृति ने एक साथ कई विश्व कप खेले हैं और हारने के बाद जब घर जाते थे तो अपने में ही खो जाते थे।

कप्तान हरमनप्रीत कौर व उपकप्तान स्मृति मंधाना।

दौड़ में थे, बस अंत में चूक गए : वोल्वार्ट

नवी मुंबई, एजेंसी

छलका दर्द

महिला विश्व कप के फाइनल में भारत से रविवार को यहां 52 रन की शिकस्त झेलने के बाद दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वोल्वार्ट ने कहा कि उनकी टीम ने अपने पहले खिताब के सपने को पूरा करने के लिए कड़ी टक्कर देने की कोशिश की लेकिन आखिर में जीत से दूर रह गयी। जीत के लिए 299 रन का पीछा करते हुए वोल्वार्ट की लगातार दूसरी शतकीय पारी के बावजूद दक्षिण अफ्रीका 246 रन पर आउट हो गया।

वोल्वार्ट ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा हां, मुझे लगा था कि हम बहुत देर तक दौड़ में रहे। मुझे लगता है कि हम उनके साथ बराबरी पर थे। मेरी और (एनेरी) डर्कसन की साझेदारी काफी मजबूत थी। वोल्वार्ड और डर्कसन ने छठे विकेट के लिए 61 रन जोड़े थे। डर्कसन 40वें ओवर में जब आउट हुई तब टीम को 90 रन की जरूरत थी। वोल्वार्ट भी हालांकि 42वें ओवर की पहली गेंद पर आउट हो गई।

उन्होंने कहा मुझे लगा था कि हम इसे अंत तक ले जाएंगे। फिर जब हम आखिरी 10 ओवरों में पहुंचने की कोशिश कर रहे थे, तभी वह आउट हो गई और फिर मैं भी जल्द आउट हो गई। उन्होंने कहा मुझे अब भी लगा था कि क्लो (ट्रायोन) और नाडेस (नाडिन डि क्लार्क) हमें जीत दिला सकते है। लेकिन आखिर में लगा कि हमने डि क्लार्क के लिए बहुत ज्यादा काम छोड़ दिया है। वह आखिर में अकेले पड़ गई। वोल्वार्ट ने विश्व कप में बेहद खराब शुरुआत करने के बाद शानदार वापसी कर फाइनल में पहुंचने पर टीम के जज्बे की तारीफ करते हुए कहा उस मैच (इंग्लैंड के खिलाफ पहले लीग मैच में 69 रन पर आउट होकर 10 विकेट से हार का सामना) के बाद वापसी करना टीम के लिए वाकई बहुत अच्छा रहा।

जश्न में डूबी खेल, राजनीतिक कॉरपोरेट और बॉलीवुड हस्तियां

1983 ने एक पूरी पीढ़ी को बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने के लिए प्रेरित किया। आज हमारी महिला क्रिकेट टीम ने सचमुच कुछ खास उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने देश भर में अनगिनत युवा लड़कियों को बल्ला और गेंद उठाने, मैदान में उतरने और यह विश्वास करने के लिए प्रेरित किया है कि वे भी एक दिन ट्रॉफी उठा सकती हैं। यह भारतीय महिला क्रिकेट के लिए एक निर्णायक क्षण है। शाबाश, टीम इंडिया। आपने पूरे देश को गौरवान्वित किया है।

-सचिन तेंदुलकर

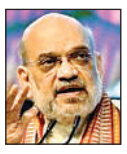

विश्व चैंपियन भारतीय टीम की जितनी भी सराहना की जाए वह कम है। यह देश के लिए एक गौरवशाली क्षण है, क्योंकि हमारी टीम ने महिला विश्व कप जीतकर भारत का गौरव बढ़ाया है। आपके शानदार क्रिकेट कौशल ने लाखों लड़कियों के लिए प्रेरणा का मार्ग प्रशस्त किया है। पूरी टीम को बधाई।

-अमित शाह, केंद्रीय गृह मंत्री

विश्व चैंपियन। मैं दो दशकों से भी अधिक समय से भारतीय महिला टीम को विश्व कप ट्राफी उठाते हुए देखने का सपना देख रही थी। यह सपना आखिरकार आज रात सच हो गया। विश्व क्रिकेट की नई चैंपियनों, आपने सिर्फ एक ट्रॉफी ही नहीं जीती, आपने भारतीय महिला क्रिकेट के लिए धड़कने वाले हर दिल को जीत लिया।

-मिताली राज, पूर्व कप्तान

यह गर्व का क्षण है। हमारी महिला खिलाड़ियों ने इतिहास रचा और करोड़ों दिलों में अपनी जगह बनाई। आपके साहस, धैर्य और शालीनता ने भारत को गौरव दिलाया है और अनगिनत युवा लड़कियों को निडर होकर सपने देखने के लिए प्रेरित किया है। आपने सिर्फ एक ट्रॉफी नहीं उठाई, आपने एक राष्ट्र की भावना को ऊपर उठाया है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी

इतिहास रचा गया। हमारी महिला खिलाड़ियों ने क्या शानदार प्रदर्शन किया। 140 करोड़ भारतीय इस गौरवशाली क्षण को संजो रहे हैं। बधाई हो, विश्व चैंपियन।

-मनसुख मांडविया, खेल मंत्री

आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा, आपने अपने साहसिक क्रिकेट और विश्वास से प्रत्येक भारतीय को गौरवान्वित किया है। आप सभी प्रशंसा के हकदार हैं और इस पल का पूरा आनंद लें। शाबाश हरमन और टीम। जय हिंद।

-विराट कोहली

भारतीय महिला क्रिकेट..विश्व चैंपियन। आपने हम सभी को गौरवान्वित किया है। बधाई, बधाई, बधाई।

-अमिताभ बच्चन

यह लड़कियां इसलिए आगे बढ़ी ताकि आप दौड़ सकें। महिला क्रिकेट अब पहले जैसा कभी नहीं रहेगा। इस टीम की हर लड़की को इसे संभव बनाने के लिए धन्यवाद। इस अद्भुत टीम पर बहुत गर्व है।

-प्रीति जिंटा

विश्व चैंपियन! भारतीय महिला क्रिकेट टीम को पहली बार महिला वनडे विश्व कप खिताब जीतने पर बधाई। क्या शानदार प्रदर्शन किया।

-नीरज चोपड़ा

टीम इंडिया को बधाई। दक्षिण अफ्रीका भी अपना सिर ऊंचा रखे। विश्व भर में महिला क्रिकेट फल फूल रहा है। क्या शानदार फाइनल था। क्या शानदार टूर्नामेंट था।

-एबी डिविलियर्स

1983 और 2011 की यादें ताज़ा हो गईं। टीम इंडिया को बधाई, मुझे यकीन है कि यह पूरी पीढ़ी को प्रेरित करेगा। दक्षिण अफ्रीका के लिए भी यह टूर्नामेंट शानदार रहा।

-सुंदर पिचाई, गूगल के सीईओ

चैंपियन। हर चौके हर विकेट, आपने अपने जज्बे से पूरे देश का दिल जीत लिया। हमें अपनी विश्व चैंपियन लड़कियों पर गर्व है। क्या शानदार जीत रही। हरमनप्रीत कौर और उनकी टीम ने पूरी पीढ़ी को सपना दे दिया जीतने का, लड़ने का, चमकने का।

-वीरेंद्र सहवाग

यह सचमुच एक प्रेरणादायक प्रदर्शन है जिसने न केवल देश को गौरवान्वित किया है, बल्कि एक पीढ़ी को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित भी किया है। यह एक ऐसी जीत है जिसकी गूंज पीढ़ियों तक सुनाई देगी।

-वीवीएस लक्ष्मण

आपकी भावना, धैर्य और विश्वास ने विश्व कप घर ला दिया। टीम इंडिया को बहुत-बहुत बधाई!

-अजिंक्य रहाणे

इतिहास रच दिया गया। हमारी महिलाओं ने सपनों को हकीकत में बदल दिया है। भारत के लिए विश्व कप जीत लिया। आपने सिर्फ एक ट्रॉफी नहीं जीती, आपने एक अरब दिल जीते। हर भारतीय को आप पर गर्व है - सच्ची चैंपियन। भारतीय क्रिकेट के लिए क्या ही पल है।

-मोहम्मद शमी

टीम को 51 करोड़ रुपये का पुरस्कार देगा बीसीसीआई

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम और उसके सहयोगी स्टाफ को पहली बार आईसीसी महिला विश्व कप खिताब जीतने के लिए सोमवार को 51 करोड़ रुपये का पुरस्कार देने की घोषणा की।

बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने बताया बीसीसीआई विश्व कप जीतने पर भारतीय महिला क्रिकेट टीम को सम्मान के तौर पर 51 करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार देगा। इसमें सभी खिलाड़ी, सहयोगी स्टाफ और राष्ट्रीय चयन समिति के सदस्य शामिल हैं। बोर्ड ने खिलाड़ियों, सहायक स्टाफ और चयन समिति के लिए 51 करोड़ रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की है।

धनवर्षा

रेणुका सिंह को एक करोड़ देने की घोषणा

शिमला : हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने विश्व चैंपियन बनी भारतीय महिला विश्व कप टीम की सदस्य तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर के लिए सोमवार को एक करोड़ रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की। रेणुका शिमला जिले के रोहड़ू की रहने वाली हैं।

क्रांति गौड़ को भी मिलेंगे एक करोड़

भोपाल : मध्यप्रदेश सरकार ने विश्व कप जीतने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सदस्य क्रांति गौड़ को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए सोमवार को एक करोड़ रुपये का इनाम देने की घोषणा की। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहामैं हमारी राज्य की बेटी और देश की बेटियों को बधाई देना चाहता हूं कि उन्होंने कल रात क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया।

मैंने एक सीनियर खिलाड़ी जैसा प्रदर्शन किया : दीप्ति

मुंबई : भारत की महिला क्रिकेट टीम की विश्व कप में खिताबी जीत की नायिकाओं में से एक दीप्ति शर्मा ने कहा कि अपनी धरती पर आईसीसी विश्व खिताब जीतना टीम की नियति में था। दीप्ति ने फाइनल में पांच विकेट लेने के साथ 58 रन भी बनाए। उन्होंने 22 विकेट लेने के साथ 215 रन बनाकर 'प्लेयर आफ द टूर्नामेंट' का पुरस्कार जीता।

दीप्ति ने कहा मुझे अच्छा लग रहा है। विश्व कप में पहले मैच से लेकर मैंने वैसा ही प्रदर्शन किया जो एक सीनियर खिलाड़ी के तौर पर करना चाहती थी। फाइनल में ऐसा प्रदर्शन करने से बढ़कर कुछ नहीं हो सकता। विश्व कप जीतने में काफी समय लगा लेकिन ईश्वर ने हमारी नियति में यही लिखा था।

22 गज और जीत का नया गीत 'रहेगा सब से ऊपर, हमारा तिरंगा'

नवी मुंबई, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया की पुरुष क्रिकेट टीम की संस्कृति का हिस्सा रहे हैं टीम गीत और एशेज से लेकर विश्व कप जीतने तक स्टीव वॉ, रिकी पोंटिंग या स्टीवन स्मिथ को 'अंडर द सदर्न क्रॉस' गाते हुए देखा गया है। भारतीय क्रिकेट टीम का कभी कोई थीम गीत नहीं रहा लेकिन स्टेडियमों में 'चक दे इंडिया' और 'सुनो गौर से दुनिया वालो' या फिर 'लहरा दो सरजमीं का परचम' जैसे गीत बजते रहे हैं। लेकिन विश्व कप जीतने के बाद भारतीय महिला क्रिकेट टीम, कोच और सहयोगी स्टाफ जब बाईस गज की पिच के आसपास घेरा बनाकर खेड़े हुए तो पहली बार एक 'विजय गीत' सुनाई दिया।

पूरी टीम ने ' रहेगा सब से ऊपर , हमारा तिरंगा। हम हैं टीम इंडिया' गाया तो रोंगटे खड़े हो गए।

मुख्य कोच अमोल मजूमदार की आवाज दूर से सुनाई दे रही थी। सभी ने मिलकर गाया,'साथ में चलेंगे, साथ में उठेंगे, हम हैं टीम इंडिया, साथ में जीतेंगे।'

तिरंगे के साथ जश्न मनातीं प्रतिका रावल व टीम की अन्य खिलाड़ी।

स्टेडियम से दर्शकों के जाने के बाद भारतीय टीम ने यह गीत गाया जो पहले कभी नहीं सुना गया था। विश्व कप में भारत के लिये सर्वाधिक रन (434) बनाने वाली बल्लेबाज बनी स्मृति मंधाना दोनों हाथों में ट्रॉफी लेकर अपने साथी खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के साथ मैदान के बीच पहुंची। आस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में नाबाद 127 रन बनाने वाली जेमिमा रौड्रिग्स दर्शकों की नूरे नजर बनी हुई थीं।

डी वाई पाटिल स्टेडियम पर पूरे मैच में जेमी-जेमी का शोर साफ सुनाई दे रहा था। अपने परिवार और दोस्तों से घिरे भारतीय खिलाड़ियों के पास पीछे मुड़कर देखने का समय ही नहीं था लेकिन फाइनल में हारे दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ियों को गले लगाकर ढांढस बंधाना वे नहीं भूले। मारिजाने काप की आंखें भर आई थी लेकिन जेमिमा और राधा यादव ने उन्हें कसकर गले लगाया।

भारत के खिलाफ आखिरी दो टी-20 में नहीं खेलेंगे हेड

होबार्ट : सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड को एशेज सीरीज की तैयारी के लिए भारत के खिलाफ आखिरी दो टी-20 मैचों से फारिग कर दिया गया है और वह आस्ट्रेलिया में शेफील्ड शील्ड टूर्नामेंट में खेलेंगे। हेड यहां दस नवंबर से तस्मानिया के खिलाफ साउथ आस्ट्रेलिया के लिये खेलेंगे। एशेज सीरीज 21 नवंबर से पर्थ में शुरू होगी। जुलाई में वेस्टइंडीज दौरे के बाद से यह उनका पहला प्रथम श्रेणी मैच है।

वह पिछले महीने सफेद गेंद के क्रिकेट में कुछ खास नहीं कर सके और आठ पारियों में सर्वोच्च स्कोर 31 रन रहा। हेड आस्ट्रेलिया की टी20 टीम के उन तीन खिलाड़ियों में से हैं जिन्होंने पांच मैचों की एशेज टेस्ट श्रृंखला की तैयारी को प्राथमिकता दी है। जोश हेजलवुड और सीन एबोट अन्य दो खिलाड़ी हैं।

कहानी एक कोच की मैदान पर खड़े एक इंसान की आंखों में आंसू, चेहरे पर मुस्कुराहट के साथ संतोष का भाव था- मानो इस जीत से पुराने जख्मों पर मरहम लगा हो

'चक दे इंडिया' के कबीर खान की याद दिलाते हैं मजूमदार

नई दिल्ली, एजेंसी

लगभग पांच दशक के इंतजार के बाद भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने जब पहली बार विश्व कप थामा तो खिलाड़ियों के साथ पूरा देश खुशी से झूम उठा, लेकिन वहीं मैदान पर खड़े एक इंसान की आंखों में आंसू, चेहरे पर मुस्कुराहट के साथ संतोष का भाव था मानो यह जीत कई पुराने जख्मों पर मरहम लगा गई।

यह थे भारतीय महिला टीम के कोच अमोल मजूमदार। घरेलू क्रिकेट में 20 सत्र और 11000 से अधिक प्रथम श्रेणी रन बनाने के बावजूद भारत की जर्सी पहनने का उनका सपना अधूरा ही रहा। बतौर खिलाड़ी कई बार दिल टूटा, कई मलाल रह गए लेकिन इस जीत ने उनके सफर को मुकम्मिल कर दिया। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने जीत के बाद 'गुरु' मजूमदार के पैर छूए और गले लगकर रो पड़ी तो टीवी के आगे नजरे गड़ाये जीत का जश्न देख रहे हर क्रिकेटप्रेमी की आंख भी भर आई।

मैं उनसे (भारतीय खिलाड़ियों) यही कहता था कि हम हार नहीं रहे हैं। बस उस बाधा को पार करने से चूक जा रहे हैं। हम उन तीनों मैचों (लीग चरण में दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ मैच) में काफी प्रतिस्पर्धी रहे और ये सभी मैच काफी करीबी थे।

- अमोल मजूमदार, महिला टीम के कोच

इसी महीने अपना 51वां जन्मदिन मनाने जा रहे मजूमदार की कहानी शाहरूख खान की फिल्म 'चक दे इंडिया' के हॉकी कोच कबीर खान की याद दिलाती है जो हर कयास को गलत साबित करके टीम को विश्व कप दिलाता है और यह जीत उसके अतीत के कई घावों पर मरहम भी लगा जाती है। जीत मिलने के बाद वह जश्न के बीच अपने भीतर जज्बात के तूफान को समेटने की कोशिश करता नजर आता है लेकिन चेहरे पर सुकून साफ दिखाई देता है। दो साल पहले टीम के कोच बने मजूमदार की नजरें हमेशा से इस विश्व कप पर थी लेकिन तब यह असंभव सा लग रहा था क्योंकि भारतीय महिला क्रिकेट कठिन दौर से गुजर रहा था। खिलाड़ियों में प्रतिभा की कमी नहीं थी लेकिन नतीजे नहीं मिल रहे थे। पिछले पांच साल में रमेश पोवार, डब्ल्यू वी रमन और फिर पोवार कोच रह चुके थे। रमन के कार्यकाल में भारत आस्ट्रेलिया में 2020 में टी20 विश्व कप के फाइनल में जरूर पहुंचा लेकिन उसके अलावा वैश्विक स्पर्धाओं में निराशा ही हाथ लगी। यही नहीं टीम के भीतर गुटबाजी, विश्वास की कमी और अनुशासनहीनता की भी खबरें गाहे बगाहे आ रही थी।

सबसे पहले उन्होंने अपनी टीम का भरोसा जीता

मजूमदार के आने से पहले करीब दस महीने तक भारतीय टीम के पास पूर्णकालिक कोच नहीं था। पोवार को दिसंबर 2022 में हटा दिया गया था और बीच में रिषिकेश कानिटकर तथा नूशीन अल कादिर अंतरिम तौर पर काम देख रहे थे। सबसे पहले उन्होंने अपनी टीम का भरोसा जीता। सभी खिलाड़ियों से स्पष्ट संवाद रखा। अच्छे प्रदर्शन पर पीठ थपथपाई तो बुरे दौर में साथ खड़े दिखे। आलोचनाओं के बीच अपने खिलाड़ियों के लिये ढाल बनकर खड़े नजर आये और यहीं से नींव पड़ी विश्वास के ऐसे रिश्ते की जिसकी परिणिति विश्व कप ट्रॉफी के रूप में 'गुरुदक्षिणा' के साथ हुई।